MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 12 फरवरी, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-42

बल्दिया खाया पिया चलदिया, अब आया

कमिश्नर राजा

जयेश रंजन
विशेष अधिकारी

आर.वी. कर्णन
जीएचएमसी कमिश्नर

जी. सृजना
साईबराबाद कमिश्नर

विनय कृष्णा रेड्डी
मलकाजगिरी कमिश्नर

हैदराबाद, 11 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना सरकार ने बुधवार को एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए वर्तमान ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) को तीन अलग-अलग नगर निगमोंग्रेटर हैदराबाद, साइबराबाद और मलकजगिरी में पुनर्गठित कर दिया है।

गौरतलब है कि सरकार ने पिछले साल दिसंबर में हैदराबाद के बाहरी इलाकों की 27 नगर पालिकाओं का ऋक्ष्चउ में विलय किया था, जिसके बाद इसका क्षेत्रफल 650 वर्ग किमी से बढ़कर 2,053 वर्ग किमी हो गया था।

सरकार द्वारा जारी आदेश के अनुसार, शहर के व्यापक विस्तार से उत्पन्न प्रशासनिक आवश्यकताओं को देखते हुए यह विभाजन किया गया है। नए स्वरूप में साइबराबाद नगर निगम के अंतर्गत जीएचएमसी के शेरिलिंगमपल्ली, कुकटपल्ली और कुतुबुल्लापुर जोन शामिल होंगे। मलकजगिरी नगर निगम में मलकजगिरी, एल.बी. नगर और उप्पल जोन को शामिल किया गया है। शेष क्षेत्र, जिसमें शमशाबाद, राजेंद्रनगर, चारमीनार, गोलकुंडा, खैरताबाद और सिकंदराबाद जोन शामिल हैं, पहले की तरह जीएचएमसी (ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम) के नाम से ही जाने जाएंगे। बुधवार के आदेश के तहत गठित प्रत्येक नगर निगम अब एक स्वतंत्र निकाय के रूप में कार्य करेगा।

वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों की नई नियुक्तियाँ और कार्यभार

पुनर्गठन के साथ ही सरकार ने प्रशासनिक फेरबदल करते हुए जी. सृजना (आईएएस) को साइबराबाद नगर निगम और टी. विनय कृष्णा रेड्डी (आईएएस) को मलकजगिरी नगर निगम का कमिश्नर नियुक्त किया है। वहीं, आर.वी. कर्णन पुनर्गठन के बाद भी जीएचएमसी के कमिश्नर पद पर बने रहेंगे।

चूँकि जीएचएमसी परिषद का कार्यकाल 10 फरवरी को समाप्त हो गया है, इसलिए सरकार ने विशेष मुख्य सचिव (महानगरीय क्षेत्र और शहरी विकास) जयेश रंजन को तीनों नगर निगमों (जीएचएमसी, साइबराबाद और मलकजगिरी) के लिए विशेष अधिकारी नियुक्त किया है।

नए स्वरूप में तत्काल प्रभाव से कामकाज शुरू

एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, जयेश रंजन, आर.वी. कर्णन, जी. सृजना और विनय कृष्णा रेड्डी ने बुधवार सुबह ही अपनी नई भूमिकाएँ संभाल ली हैं। इस विभाजन से उम्मीद की जा रही है कि अब प्रत्येक निगम अपने-अपने क्षेत्र में बुनियादी ढांचे, सफाई और नागरिक सुविधाओं पर अधिक प्रभावी ढंग से ध्यान केंद्रित कर सकेगा। इस पुनर्गठन के बाद अब शहर के अलग-अलग हिस्सों में विकास कार्यों की निगरानी और बजट का आवंटन नए निगमों के स्वतंत्र निकायों के माध्यम से होगा।

जोन और सर्किलों का पूर्ण विवरण

अब इस विशाल महानगर का प्रशासन 60 सर्किलों के माध्यम से चलाया जाएगा, जिन्हें तीन अलग-अलग नगर निगमों में विभाजित किया गया है।

जीएचएमसी के पास 6 जोन और 30 सर्किल रहेंगे। इसके अंतर्गत शमशाबाद, राजेंद्रनगर, चारमीनार, गोलकुंडा, खैरताबाद और सिकंदराबाद जैसे प्रमुख क्षेत्र शामिल हैं।

शमशाबाद जोन: आदिबट्ला, बडंगपेट, जलपल्ली, शमशाबाद।

चारमीनार जोन: संतोष नगर, याकूतपुरा, मलकपेट, चारमीनार, मूसारामबाग।

खैरताबाद जोन: खैरताबाद, जुबली हिल्स, बोराबंडा, यूसुफगुड़ा, अमीरपेट।

राजेंद्रनगर जोन: राजेंद्रनगर, अत्तापुर, बहादुरपुरा, फलकनुमा, चंद्रायनगुट्टा, जंगममेट।

गोलकुंडा जोन: गोशामहल, कारवान, गोलकुंडा, मेहंदीपट्टनम, मासाब टैंक।

सिकंदराबाद जोन: कवाडिगुड़ा, मुशीराबाद, अंबरपेट, तारनाका, मेट्टुगुड़ा।

आईटी और औद्योगिक क्षेत्र को समर्पित साइबराबाद निगम में 3 जोन और 16 सर्किल शामिल किए गए हैं।

सेरिलिंगमपल्ली जोन: नारसिंगी, पाटनचेरु, अमीनपुर, मियांपुर, सेरिलिंगमपल्ली।

कुकटपल्ली जोन: माधापुर, ऑलविन कॉलोनी, कुकटपल्ली, मूसापेट।

कुतुबुल्लापुर जोन: चिंतल, जीडीमेटला, कोमपल्ली, गजुलारामारम, निज़ामपेट, दुंडीगल, मेडचल।

मलकजगिरी नगर निगम

पूर्व और उत्तर हैदराबाद का नया ढांचा

यह निगम शहर के पूर्वी और उत्तरी हिस्सों को कवर करेगा, जिसमें 3 जोन और 14 सर्किल शामिल हैं।

मलकजगिरी जोन: कीसरा, अलवाल, बोइनपल्ली, मौला अली, मलकाजगिरी।

उप्पल जोन: घटकेसर, कापरा, नाचारम, उप्पल, बोडुप्पल।

एल.बी. नगर जोन: नागोल, सरूरनगर, एल.बी. नगर, हयातनगर।

बल्दिया से 300 वार्डों तक
कैसे बदला हैदराबाद

बल्दिया के पुराने दौर से लेकर देश के सबसे बड़े नगर निगम (जीएचएमसी) बनने और अब तीन अलग-अलग क्षेत्रों में विभाजित होने तक, हैदराबाद के नागरिक प्रशासन ने एक लंबा और ऐतिहासिक सफर तय किया है। 1869 में हैदराबाद और चादरघाट नगर निगम बोर्डों के गठन के साथ शुरू हुआ यह सफर आज एक आधुनिक मेगा-सिटी के रूप में हमारे सामने है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि: 1869 से 1955 का सफर

हैदराबाद नगर निगम का इतिहास 19वीं सदी से शुरू होता है। निज़ाम काल के दौरान, सालार जंग प्रथम ने नगर और सड़क रखरखाव विभाग का गठन किया था। 1933 में चादरघाट और हैदराबाद नगर पालिकाओं का विलय हुआ। 1945 में सिकंदराबाद नगर पालिका बनी और अंततः 1955 के अधिनियम के तहत हैदराबाद और सिकंदराबाद की नगर पालिकाओं को मिलाकर नगर निगम हैदराबाद (एमसीएच) का गठन किया गया। यह जुड़वां शहरों को मिलाने वाला पहला एकीकृत निकाय था।

ग्रेट, ग्रेटर, ग्रेटेस्ट

विस्तार का युग: एनटीआर और चंद्रबाबू नायडू की भूमिका

शहर की सीमाओं का विस्तार 1985 में तेजी से हुआ जब तत्कालीन **मुख्यमंत्री एन.टी. रामा राव** ने हैदराबाद के चारों ओर 12 नई नगर पालिकाओं का गठन किया। इसके बाद, 1995 के बाद **चंद्रबाबू नायडू** के कार्यकाल में हाइटेक सिटी के उदय ने शहर का चेहरा बदल दिया। उन्होंने इस तकनीकी क्षेत्र को साइबराबाद का नाम दिया और रंगा रेड्डी जिले के क्षेत्रों को मिलाकर साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय का गठन किया।

मेगा-सिटी का उदय: वाईएसआर और केसीआर का योगदान

जीएचएमसी का गठन (2007): डॉ. वाई.एस. राजशेखर रेड्डी के कार्यकाल में 12 नगर पालिकाओं और 8 ग्राम पंचायतों का एमसीएच में विलय कर ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) बनाया गया। इसी दौरान अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और आउटर रिंग रोड जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स शुरू हुए।

ग्लोबल सिटी विजन (2014-2023): के. चंद्रशेखर राव सरकार ने हैदराबाद को ग्लोबल सिटी बनाने पर जोर दिया। केसीआर के कार्यकाल में दुर्गम चेरुवु केबल ब्रिज, अमेज़न और गूगल के बड़े कैंपस और 2019 में 7 नए नगर निगमों (जैसे निज़ामपेट, बडंगपेट) का गठन हुआ।

वर्तमान पुनर्गठन 2025-26: रेवंत रेड्डी का सीयूआरई मॉडल

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में अब हैदराबाद एक नए रूप में ढल रहा है। सरकार ने जीएचएमसी को तीन हिस्सों में विभाजित कर दिया है: जीएचएमसी, मलकजगिरी नगर निगम और साइबराबाद नगर निगम।

सीयूआरई मॉडल: इसे कोर अर्बन रीजन इकोनॉमी (सीयूआरई) के रूप में विकसित किया जा रहा है।

भारत फ्यूचर सिटी: शहर के चौथे हिस्से के रूप में फ्यूचर सिटी को विकसित किया जा रहा है, जिसके लिए अलग पुलिस आयुक्तालय और एफसीडीए का गठन किया गया है।

300 वार्ड और प्रशासनिक ढांचा: दिसंबर 2025 के पुनर्गठन के बाद, अब यह क्षेत्र 300 वार्डों और 60 सर्किलों में विभाजित है, जिसे प्रशासनिक सुगमता के लिए एक ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है।

27,700 सरकारी अध्यापक 'अनपढ़'
योग्यता परीक्षा में फेल

हैदराबाद, 11 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के सरकारी और स्थानीय निकाय स्कूलों में पिछले 10 वर्षों से बच्चों को पढ़ा रहे हजारों शिक्षकों के लिए एक चिंताजनक शैक्षणिक स्थिति सामने आई है। मंगलवार को स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा घोषित तेलंगाना शिक्षक पात्रता परीक्षा जनवरी 2026 के परिणामों में 27,700 से अधिक सेवारत शिक्षक परीक्षा पास करने में विफल रहे हैं।

गणित और विज्ञान बने बड़ी बाधा

विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, कुल 65,605 सेवारत शिक्षक परीक्षा में शामिल हुए थे, जिनमें से केवल 37,893 (57.76%) ही उत्तीर्ण हो पाए। सबसे खराब प्रदर्शन कक्षा 6 से 8 तक पढ़ाने के लिए अनिवार्य पेपर-2 में रहा। गणित और विज्ञान विषय के पेपर-2 में सफलता का प्रतिशत 49.13 रहा, जबकि सोशल स्टडीज में 40.72% शिक्षक फेल हो गए। इसके विपरीत,

प्राथमिक कक्षाओं (ख से त) के लिए आयोजित पेपर-1 में 77.04% शिक्षक सफल रहे।

कठिन पाठ्यक्रम और परीक्षा पैटर्न पर उठ रहे सवाल

शिक्षकों और संघ के नेताओं ने इस खराब परिणाम के लिए परीक्षा के पैटर्न और सिलेबस को जिम्मेदार ठहराया है। शिक्षकों का तर्क है कि भाषा के शिक्षकों को भी गणित, विज्ञान या सामाजिक अध्ययन जैसे विषयों को चुनना पड़ता है। साथ ही, जीव विज्ञान के शिक्षकों को गणित और भौतिक विज्ञान के सवालों के जवाब देने पड़ते हैं, जिनका स्तर कक्षा 12वीं तक का होता है। शिक्षक संघ के एक नेता ने कहा, पुराने सिलेबस की जगह अब आधुनिक गणित ने ले ली है। एक भाषा या जीव विज्ञान का शिक्षक आधुनिक गणित कैसे हल कर सकता है? सरकार को परीक्षा पैटर्न बदलना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश से बढ़ी चिंता

सुप्रीम कोर्ट के पिछले साल के फैसले के अनुसार, 5 साल से अधिक सेवा वाले सभी शिक्षकों के लिए अपनी नौकरी बचाने हेतु 2 साल के भीतर टेट पास करना अनिवार्य है। वहीं, कम अनुभव वाले शिक्षकों के लिए पदोन्नति हेतु यह परीक्षा अनिवार्य है। राज्य सरकार साल में दो बार ढएढ आयोजित कर रही है, जिससे शिक्षकों के पास 2027 तक अभी तीन और अवसर शेष हैं। इस बीच, शिक्षक संघ केंद्र सरकार से हस्तक्षेप करने और सेवारत शिक्षकों को इस योग्यता से छूट देने की मांग कर रहे हैं।

हंगामे और फर्जी मतदान के आरोपों के बीच
शांतिपूर्ण संपन्न हुए निकाय चुनाव: एसईसी

हैदराबाद, 11 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से फर्जी मतदान के प्रयासों, सत्ता के दुरुपयोग को लेकर बीआरएस, कांग्रेस और भाजपा नेताओं के बीच हिंसक झड़पें, धन वितरण और पुलिस पर पक्षपात के आरोपों के बावजूद, राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) ने दावा किया है कि निकाय चुनाव पूरे राज्य में शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुए।

अधिकारियों द्वारा दी गई नवीनतम जानकारी के अनुसार, राज्य में कुल मतदान का प्रतिशत 73.01 रहा। हालांकि, अधिकारियों का कहना है कि अंतिम रिपोर्ट आने तक इन आंकड़ों में और भी अपडेट होने की संभावना है। इससे पहले, 116 नगर पालिकाओं और सात नगर निगमों में मतदान की शुरुआत काफी धीमी रही थी, लेकिन दोपहर के बाद मतदाताओं की संख्या में तेजी देखी गई।

राज्य के कुल 2,996 वार्डों में चुनाव आयोजित किए गए थे। दोपहर 3 बजे तक के आंकड़ों के अनुसार, कुल मतदान 62.55 प्रतिशत दर्ज किया गया था, जहाँ लगभग 3.26 लाख मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था। शाम होते-होते यह आंकड़ा बढ़कर 73 प्रतिशत के पार पहुंच गया।

यद्यपि विपक्षी दलों ने कई जगहों पर सत्तारूढ़ पार्टी के पक्ष में पुलिस की कार्यप्रणाली और मतदान केंद्रों पर हुई झड़पों को लेकर गंभीर शिकायतें दर्ज कराई थीं, लेकिन चुनाव आयोग ने किसी भी बड़े व्यवधान से इनकार किया है। आयोग का कहना है कि छिटपुट घटनाओं को छोड़कर मतदान प्रक्रिया सुचारू रही। अब सबकी नजरें आगामी मतगणना और परिणामों पर टिकी हैं।

तालिबान ने पाक से दवाओं के आयात पर लगाया बैन, भारत जैसे देशों पर नजर

काबुल, 11 फरवरी (एजेंसियां)।

अफगानिस्तान में सत्ता संभाल रहे तालिबान ने पाकिस्तान को बड़ा आर्थिक और कूटनीतिक झटका दिया है। तालिबान के वित्त मंत्रालय ने पाकिस्तान से दवाओं के आयात पर बैन लगाने का आदेश दिया है। इसके साथ ही अफगान व्यापारियों को पाकिस्तान के बजाय अन्य वैकल्पिक व्यापारिक रास्तों को तलाशने का निर्देश दिया है।

इस बैन से पाकिस्तान की फार्मा इंडस्ट्री को करोड़ों का होगा नुकसान

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अफगानिस्तान की फाइनेंस मंत्री के प्रवक्ता ने बताया कि यह प्रतिबंध सोमवार से लागू हो गया है। तालिबान प्रशासन ने न केवल आधिकारिक व्यापार बल्कि अवैध रास्तों से आने वाले सामान पर भी रोक लगाने का फैसला किया है। तस्करी में शामिल लोगों के खिलाफ मुकदमा चलाया जाएगा और पकड़े गए सामान को नष्ट कर दिया जाएगा। इससे पहले मंत्रालय ने व्यापारियों को पाकिस्तान से जुड़े व्यापारिक लेनदेन और दस्तावेजों को खत्म करने के लिए 19 दिनों का समय दिया था।

बता दें पिछले कई महीनों से पाकिस्तान और तालिबान के बीच राजनीतिक तनाव चरम पर है। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों और तालिबान लड़ाकों के बीच लगातार झड़पें हो रही हैं। सितंबर से ही अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच मुख्य ट्रांजिट रूट और बार्डर क्रासिंग ज्यादातर बंद हैं। तालिबान के डिप्टी पीएम अब्दुल गनी बरादर ने पहले ही व्यापारियों से पाकिस्तान के साथ व्यापार निलंबित करने और वैकल्पिक गलियारों की पहचान करने का आग्रह किया था। पाकिस्तान पर यह प्रतिबंध अफगानिस्तान के लिए एक बड़ा जोखिम भी है, क्योंकि वहां की 70 फीसदी से ज्यादा दवाएं पाकिस्तान से आती थीं।

काबुल और हेरात जैसे शहरों में दवाओं की भारी किल्लत हो गई है और कीमतें आसमान छू रही हैं। इस कमी को पूरा करने के लिए तालिबान के अधिकारी पिछले महीने भारत, ईरान और तुर्की के दौरे पर गए थे। तालिबान अब पाकिस्तान के बजाय ईरान, तुर्की और भारत जैसे भरोसेमंद देशों से फार्मास्यूटिकल आयात के लिए नए रास्ते खोलना चाहता है। दवाओं के बाजार में पाकिस्तान के लिए अफगानिस्तान एक बड़ा ग्राहक था। इस बैन से न केवल पाकिस्तान की फार्मा इंडस्ट्री को करोड़ों का नुकसान होगा, बल्कि क्षेत्र में उसकी कूटनीतिक पकड़ भी कमजोर होगी। दूसरी तरफ, भारत के लिए यह अफगानिस्तान के साथ अपने मानवीय और व्यापारिक संबंधों को और मजबूत करने का एक बड़ा अवसर है।

न्यूज ब्रीफ

ब्रिटेन में अफगान शरणार्थी को 12 साल की लड़की से दुष्कर्म में दोषी ठहराया गया

लंदन। ब्रिटेन की एक अदालत ने तेईस वर्षीय अफगान शरणार्थी अहमद मुलाखिल को 12 साल की एक लड़की को अगवा कर दुष्कर्म करने के मामले में दोषी ठहराया है। वकीलों ने कहा कि मुलखिल ने पिछले साल जुलाई में मध्य इंग्लैंड के न्युनेटन शहर के एक पार्क में इस लड़की को निशाना बनाया। स्काई न्यूज की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट में कहा गया कि इस मुकदमे की सुनवाई वारविक क्राउन कोर्ट में हुई। यह घटना सामने आते ही शहर में विरोध प्रदर्शन हुए। प्रदर्शनकारियों ने सेंट जार्ज क्रास के झंडे और यूनियन के झंडे पकड़े हुए थे और वे नावों को रोको' और हमें अपना देश वापस चाहिए' के नारे लगाते हुए सड़क पर उतरे थे। मुलाखिल को वारविक क्राउन कोर्ट ने एकमत से दोषी ठहराया। उसने सुनवाई से पहले ही दुष्कर्म का आरोप स्वीकार कर लिया था। कोर्ट ने उसे इस घटना का वीडियो बनाने का भी दोषी ठहराया। कोर्ट ने मुलाखिल के इस कृत्य में सहयोगी अफगान नागरिक मोहम्मद कबीर को बरी कर दिया। कोर्ट के दस्तावेजों के मुताबिक, कबीर 24 साल का है, लेकिन उसने जूरी को बताया कि वह 22 साल का है। उसे यह कहकर बरी कर दिया गया कि उसने पीड़ित को छुआ तक नहीं और न ही उसका उसके प्रति कोई गलत इरादा नहीं था। कोर्ट को बताया गया कि मुलखिल इस घटना से चार महीने पहले ब्रिटेन आया था और उसने अफगानिस्तान में हुई समस्याओं' से जुड़ा इमिग्रेशन आवेदन दिया था। कोर्ट में यह नहीं बताया गया कि वह छोटी नाव से ब्रिटेन आया था, या कबीर भी 2024 में क्रिसमस के दिन उसी तरीके सेआया था।

दुनिया के 40 से 50 देशों में लोकप्रिय है दूध वाली चाय

लंदन। दुनिया के लगभग 40 से 50 देशों में दूध वाली चाय की लोकप्रियता है, हालांकि हर देश में इसे

बनाने का तरीका, स्वाद और नाम अलग-अलग है। दुनिया भर में चाय के अलग-अलग रूप इस बात का सबूत हैं कि यह सिर्फ एक पेय नहीं, बल्कि संस्कृति, आदत और स्वाद का अनोखा संगम है। भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल जैसे दक्षिण एशियाई देशों में चाय का मतलब ही दूध वाली चाय होता है। दुनिया भर में यहां की मसाला चाय और कड़क दूध पत्ती मशहूर है। सुबह हो या शाम, छोटे-छोटे ढाबों से लेकर घरों तक इसकी खुशबू लोगों के दिन की शुरुआत का हिस्सा बन चुकी है। एशिया में ताइवान ने दुनिया को बबल टी दी, जो आज युवाओं की पहली पसंद बन चुकी है। चीन के हांगकांग में हांगकांग स्टाइल मिल्क टी' खास तौर पर कंडेंस्ड मिल्क और मजबूत चाय के मिश्रण के लिए प्रसिद्ध है। थाईलैंड की थाई मिल्क टी' अपने चमकीले नारंगी रंग और मीठे स्वाद से पहचानी जाती है। मलेशिया और सिंगापुर की तेह तारिक भी खास है, जिसमें चाय को एक बर्तन से दूसरे में ऊंचाई से डालकर झागदार बनाया जाता है। वहीं मंगोलिया की पारंपरिक चाय सूते त्साई' नमकीन होती है और इसमें कभी-कभी मक्खन भी मिलाया जाता है। यूरोप में ब्रिटेन दूध वाली चाय के प्रति अपने प्रेम के लिए जाना जाता है। यहां लोग काली चाय में थोड़ा सा दूध डालकर पीते हैं। आयरलैंड में प्रति व्यक्ति चाय की खपत दुनिया में सबसे अधिक है और यहां भी दूध वाली चाय खूब पसंद की जाती है। अरब देशों में यमन की अदनी चाय अपनी खुशबू और दूध-मसालों के स्वाद के लिए लोकप्रिय है। हालांकि तुर्की, जो दुनिया के सबसे ज्यादा चाय पीने वाले देशों में शामिल है, वहां लोग चाय में बिल्कुल दूध नहीं डालते। भारत में भी कई अनोखी चायें मिलती हैं।

चीन ने अंतरिक्ष युद्ध के लिए बनाया दुनिया का सबसे छोटा और घातक माइक्रोवेव हथियार

बीजिंग। चीनी वैज्ञानिकों ने रक्षा तकनीक के क्षेत्र में एक ऐसी बड़ी सफलता हासिल की है, जो भविष्य के युद्धों का स्वरूप पूरी तरह बदल सकती है। शोधकर्ताओं ने एक बेहद शक्तिशाली और काम्पैक्ट ऊर्जा जनरेटर विकसित किया है, जिसे विशेष रूप से एलन मस्क के स्टारलिंक जैसे विशाल सैटेलाइट नेटवर्क को निष्क्रिय करने के लिए डिजाइन किया गया है। इस हथियार की सबसे बड़ी खूबी यह है कि यह अंतरिक्ष में बिना कोई मलबा फैलाए दुश्मन के उपग्रहों को पूरी तरह बेकार करने में सक्षम है। यही कारण है कि रक्षा विशेषज्ञ इसे चीन का स्टारलिंक किलर कह रहे हैं। आकार और शक्ति के मामले में यह तकनीक बेजोड़ है। नार्थवेस्ट इंस्टीट्यूट आफ न्यूक्लियर टेक्नोलाजी के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित इस हाई-पावर माइक्रोवेव हथियार, जिसे टीपीजी 1000सीएस नाम दिया गया है, की लंबाई मात्र 4 मीटर है और वजन केवल 5 टन है। अपने छोटे आकार और हल्के वजन के कारण इसे आसानी से ट्रकों, लड़ाकू विमानों या अन्य उपग्रहों पर तैनात किया जा सकता है।

भारत और दूसरे पार्टनर्स को रूस से तेल खरीदने से रोकने की कोशिश कर रहे ट्रंप

बड़े देशों तक अपने एनर्जी सोर्स पहुंचाने अमेरिका उनके रास्तों पर कंट्रोल चाहता है : रूस

मास्को, 11 फरवरी (एजेंसियां)।

रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने एक इंटरव्यू में अमेरिका पर निशाना साधते हुए कहा कि भारत और दूसरे पार्टनर्स को रूस से तेल खरीदने से रोकने की कोशिशें हो रही हैं। रूस के विदेश मंत्री ने पिछले साल अलास्का में हुई शांति वार्ता जैसे कई मामलों पर भी बात की। उन्होंने बताया कि कैसे वाशिंगटन ने टैरिफ, बैन और सीधे रोक जैसे जबरदस्ती वाले तरीकों का इस्तेमाल करते हुए आर्थिक दबदबा बनाने का लक्ष्य रखा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक लावरोव ने कहा कि अमेरिका हमसे कहता है कि यूक्रेन की समस्या का हल होना चाहिए। एंकरेज में हमने अमेरिका का प्रपोजल मान लिया। यूएस की स्थिति हमारे लिए जरूरी थी। उनका प्रपोजल मानकर, ऐसा लगता है कि हमने यूक्रेनी मुद्दे को सुलझाने का काम पूरा कर लिया है और एक बड़े पैमाने पर और आपसी फायदे वाले सहयोग की ओर बढ़ रहे हैं। अभी तक असलियत बिल्कुल उलटी है। उन्होंने कहा कि नए बैन लगाए गए हैं, यूएन कन्वेंशन आन ला आफ द सी का उल्लंघन करते हुए खुले समुद्र में टैंकरों के खिलाफ जंग छेड़ी जा रही है। वे भारत और हमारे दूसरे साझीदारों को सस्ते, किफायती रूसी एनर्जी रिसोर्स खरीदने से बैन करने की कोशिश कर रहे हैं और उन्हें बहुत ज्यादा कीमतों पर यूएस एलएनजी खरीदने के लिए मजबूर कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अमेरिका ने अपने लिए आर्थिक दबदबा बनाने का लक्ष्य रखा है। बड़े देशों तक अपने एनर्जी सोर्स पहुंचाने के लिए अमेरिका उनके रास्तों पर कंट्रोल करना चाहता है। लावरोव ने कहा कि टैरिफ, सेंक्शन, सीधे रोक लगाना और कुछ लोगों को दूसरों से जुड़ने से रोकना, ये कदम अपने मकसद को पूरा करने के लिए उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें इन सब बातों का ध्यान रखना होगा और भारत, चीन, इंडोनेशिया और ब्राजील की तरह अमेरिका जैसी बड़ी ताकतों समेत सभी देशों के साथ सहयोग के लिए खुले रहना होगा। हम ऐसी स्थिति में हैं जहां अमेरिकी खुद ही रास्ते में बनावटी रुकावटें खड़ी कर रहे हैं।

बता दें उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा है कि भारत के एनर्जी से जुड़े फैसले देश के हित से ही तय होते रहेंगे। मिसरी ने कहा कि भारत तेल और गैस सेक्टर में इंपोर्टर है और एक डेवलपिंग इकानमी होने के नाते, उसे अपने रिसोर्स की उपलब्धता और महंगाई पर आयात निर्भरता के असर के बारे में पता होना चाहिए।

सऊदी अरब ने खुली सीक्रेट शराब दुकान, चुनिंदा विदेशी रेजिडेंट्स को है खरीदने की अनुमति

रियाद। सऊदी अरब ने 1952 में शराब की बिक्री पर पूरी तरह बैन कर दिया गया था। लंबे समय तक यह कानून सख्ती से लागू रहा और शराब सिर्फ प्राइवेट पार्टियों, डिप्लोमैटिक मिशनों और ब्लैक मार्केट के जरिए ही मिलती थी। अब पहली बार सरकार ने चुनिंदा विदेशी रेजिडेंट्स के लिए शराब खरीदने की अनुमति दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रियाद के डिप्लोमैटिक क्वार्टर में एक गुप्त शराब स्टोर खोला गया है, जिसकी इमारत पर कोई बोर्ड या नाम नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक दुकान का पता न तो आनलाइन उपलब्ध है और न आधिकारिक रूप से घोषित किया गया है। यह सऊदी की सबसे सुरक्षित और विदेशी-प्रधान लोकेशन में है, जहां एंट्री बेहद नियंत्रित और सीमित रखी गई है। स्टोर में प्रवेश से पहले ग्राहकों के मोबाइल फोन को सील बैग में बंद किया जाता है, ताकि कोई फोटो या वीडियो न बना सके। एंट्री पर दो-स्तरीय सुरक्षा जांच होती है। अंदर नियमित सुपरमार्केट जैसा माहौल है, लेकिन हर खरीदारी पूरी तरह रिकार्ड होती है और हर ग्राहक के लिए अलग मासिक कोटा तय किया जाता है।

कनाडा में ब्रिटिश कोलंबिया के टम्बलर रिज के स्कूल में गोलीबारी, 10 की मौत

कनाडा, 11 फरवरी (एजेंसियां)।

कनाडा में ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत के टम्बलर रिज शहर के सेकेंडरी स्कूल में गोलीबारी में संदिग्ध समेत आठ लोग मारे गए। इसके अलावा एक घर से दो व्यक्तियों के शव मिले हैं। माना जा रहा है कि इन दोनों का संबंध इस गोलीबारी से है। रायल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। रिपोर्ट के अनुसार, आरसीएमपी ने कहा कि गोलीबारी में 25 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। इनमें दो को जानलेवा चोट आई है। पुलिस को गोलीबारी की सूचना दोपहर करीब 1:20 बजे मिली। पुलिस के पहुंचने पर स्कूल के अंदर छह लोगों और संदिग्ध हमलावर का शव मिला। गंभीर रूप से घायल दो लोगों को एयर लिफ्ट करके अस्पताल ले जाया गया। एक घायल की अस्पताल ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान इस घटना से जुड़े पास के एक घर की पहचान हुई। घर के अंदर दो लोग मृत पाए गए। आरसीएमपी के अनुसार, संदिग्ध हमलावर ने खुद को गोली मारी। यह जांच की जा रही है कि क्या इस घटना में कोई दूसरा संदिग्ध भी शामिल था। उल्लेखनीय है टम्बलर रिज छोटा शहर है। इसकी आबादी लगभग 2,400 है। पुलिस ने लोगों से घरों के अंदर रहने और सुरक्षित रहने की अपील की है। आसपास के क्षेत्रों से अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया है। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, पीस रिवर साउथ स्कूल डिस्ट्रिक्ट ने बताया कि टम्बलर रिज सेकेंडरी स्कूल और टम्बलर रिज एलीमेंट्री स्कूल को पूरी तरह बंद कर दिया गया है। टम्बलर रिज सेकेंडरी स्कूल में कक्षा 7 से 12 तक लगभग 175 छात्र पढ़ते हैं। पीस रिवर साउथ के विधायक लैरी न्यूफेल्ड ने कहा कि इस घटना के बाद पुलिस और एंबुलेंस की अतिरिक्त टीमें भेजी गई हैं। उन्होंने सुरक्षा कारणों से और अधिक जानकारी साझा करने से इनकार किया। उन्होंने समुदाय के लोगों से अपील की है कि जो लोग अपने परिजनों को ढूंढ रहे हैं, कृपया घर लौट जाएं और पुलिस को काम करने दें।

परमाणु समझौते को लेकर ईरान और अमेरिका के बीच होगी बातचीत

मस्कट। अमेरिका और ईरान के बीच लंबे समय से जारी तनाव को कम करने की दिशा में एक बड़ी कूटनीतिक हलचल देखने को मिली है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिए हैं कि ओमान में ईरान के साथ हुई हालिया बातचीत काफी अच्छी रही है। शुक्रवार को ओमान की मध्यस्थता में हुई यह बैठक पिछले साल ईरान के परमाणु और सैन्य ठिकानों पर हुए अमेरिकी-इजराइली हमलों के बाद दोनों देशों के बीच पहली औपचारिक और गंभीर चर्चा थी। ट्रंप के अनुसार, ईरान एक नए समझौते के लिए उत्सुक दिख रहा है, हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि अंतिम फैसला इस बात पर निर्भर करेगा कि समझौते की शर्तें अमेरिका के हित में कितनी सटीक बैठती हैं। ओमान में हुई इस परोक्ष वार्ता में ईरान की ओर से विदेश मंत्री अब्बास अराघची और अमेरिका की ओर से विशेष दूत स्टीव विटकाफ शामिल हुए। महत्वपूर्ण बात यह है कि इस पूरी प्रक्रिया में ट्रंप के दामाद जारेड कुश्नर भी सक्रिय भूमिका में नजर आए। ओमान के विदेश मंत्री बद्र अल-बुसैदी ने दोनों पक्षों के बीच सेतु का काम किया। हालांकि दोनों प्रतिनिधिमंडलों ने सीधे तौर पर लंबी चर्चा नहीं की, लेकिन विदेश मंत्री अराघची ने पुष्टि की कि अमेरिकी दल के साथ उनका सीमित सीधा संपर्क हुआ और दोनों पक्षों के बीच शिष्टाचार स्वरूप हाथ भी मिलाए गए।

नेपाल -भारत के बीच सुरक्षा सहयोग पर विशेषज्ञों ने किया विमर्श

काठमांडू, 11 फरवरी (एजेंसियां)।

नेपाल-भारत सुरक्षा सहयोग पर दोनों देशों के थिंक टैंक के प्रतिनिधियों और विशेषज्ञों के बीच चर्चा हुई है। नेपाल इंस्टीट्यूट आफ इंटरनेशनल को-आपरेशन एंड एंगेजमेंट के मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम में दोनों देशों के प्रमुख संस्थानों के विशेषज्ञों ने भाग लिया। भारतीय सेना के सबसे पुराने थिंक टैंक यूनाइटेड सर्विस इंस्टीट्यूट आफ इंडिया के महानिदेशक संजय जसजित सिंह ने कहा, भारतीय सैन्य शक्ति और राष्ट्रीय सुरक्षा की अग्रिम पंक्ति में नेपाली साहस और वीरता हमेशा से रही है।

भारत के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार तथा थिंक टैंक नेटस्ट्रैट के संयोजक और पूर्व राजदूत पंकज शरण ने नेपाल के युवाओं के साथ हुई बातचीत से स्वयं को काफी प्रभावित बताया। उन्होंने कहा कि नेपाल और भारत—दोनों देशों के युवाओं को भविष्य के नेपाल-भारत संबंधों के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

इंडिया फाउंडेशन के कार्यकारी उपाध्यक्ष आलोक बंसल ने कहा कि भारत सीमा-पार आतंकवाद का प्रमुख शिकार रहा है और इसका नेपाल पर भी गंभीर प्रभाव पड़ता है।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की प्रोफेसर संगीता थपलिया ने कहा कि भारत-नेपाल संबंध थिंक टैंकों और शैक्षणिक केंद्रों के कार्यों से लाभान्वित हुए हैं और सहयोग को सुदृढ़ करने की पर्याप्त संभावनाएं मौजूद हैं।

काउंसिल फार स्ट्रैटेजिक एंड डिफेंस रिसर्च के सह-संस्थापक डा. गौरव सैनी ने कहा कि गहरे व्यापारिक, सांस्कृतिक और जन-जन के संबंधों के कारण भारत-नेपाल सीमा विशिष्ट है, लेकिन सीमा के खुले स्वरूप से उत्पन्न साझा सुरक्षा चुनौतियों का समाधान मिलकर करना होगा।

नेपाली सेना के अवकाश प्राप्त ब्रिगेडियर जनरल तथा सामरिक मामलों के विशेषज्ञ बिनोज बस्न्यात ने कहा कि नेपाल में जेन-जी के प्रदर्शन अप्रत्याशित नहीं थे, लेकिन उनका स्वरूप चौंकाने वाला रहा। चुनाव के महत्व को स्वीकार करते हुए उन्होंने सवाल उठाया कि क्या केवल चुनाव ही रणनीतिक स्थिरता सुनिश्चित कर सकते हैं। उन्होंने चुनावोत्तर स्थिति को रणनीतिक समाधान से अधिक एक रणनीतिक विराम के रूप में व्याख्यायित किया।

अंतरिक्ष का प्रभाव महिला प्रजनन क्षमता के लिए हो सकता है हानिकारकः शोध

वाशिंगटन, 11 फरवरी (एजेंसियां)।

धरती से बाहर मानव प्रजनन का मुद्दा अब केवल सिद्धांत नहीं, बल्कि एक वास्तविक और गंभीर चुनौती बनकर उभर रहा है। असिस्टेड रिप्रोडक्टिव टेक्नोलाजी (एआरटी) जैसे आटोमेटेड आईवीएफ और क्रायोप्रिज़र्वेशन पहले से कहीं अधिक उन्नत और सुलभ हो चुकी हैं।

यह स्थिति इस सवाल को और भी अहम बनाती है कि क्या महिलाएं अंतरिक्ष में सुरक्षित रूप से गर्भधारण या बच्चे को जन्म दे सकती हैं इंटरनेशनल आईवीएफ इनिशिएटिव इंक के क्लिनिकल एम्ब्रियोलाजिस्ट गाइल्स पामर के अनुसार, 1969 की चंद्रमा लैंडिंग और आईवीएफ तकनीक में आए क्रांतिकारी बदलाव अब एक साझा दिशा की ओर बढ़ते दिख रहे हैं। लेकिन अंतरिक्ष यात्रा से जुड़े प्रजनन जोखिमों—जैसे कास्मिक रेडिएशन, सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण और अनियोजित गर्भधारण के लिए अभी तक कोई इंडस्ट्री-ग्रेड दिशानिर्देश मौजूद नहीं हैं। यह नई

रिपोर्ट प्रजनन स्वास्थ्य, एयरोस्पेस मेडिसिन और बायोएथिक्स के नौ विशेषज्ञों ने मिलकर तैयार किया। इसका उद्देश्य अंतरिक्ष में बच्चे पैदा करने को बढ़ावा देना नहीं, बल्कि उन वैज्ञानिक और नीतिगत खामियों को उजागर करना है जिन्हें अनदेखा किया गया तो भविष्य में गंभीर परिणाम हो सकते हैं। अंतरिक्ष प्रजनन के लिए बेहद प्रतिकूल वातावरण प्रदान करता है। माइक्रोग्रैविटी मासिक चक्र को प्रभावित कर सकती है, जबकि कास्मिक रेडिएशन कोशिकाओं में स्थायी क्षति और कैंसर के खतरे को बढ़ा देता है। जानवरों पर किए गए प्रयोग बताते हैं कि अंतरिक्ष का प्रभाव महिला प्रजनन क्षमता के लिए हानिकारक हो सकता है, लेकिन मानव शरीर पर लंबी अवधि के प्रभावों को लेकर बेहद सीमित आंकड़े उपलब्ध हैं खासकर पुरुष प्रजनन पर। स्टडी इसे ज्ञान में सबसे बड़ा अंतर बताती है। हालांकि स्पेस शटल के ज़माने में महिला अंतरिक्ष यात्रियों की गर्भधारण दर धरती के समान पाई गई, लेकिन आईएसएस और भविष्य के मंगल मिशनों की अवधि देखते हुए नए शोध और प्रोटोकाल आवश्यक हो गए हैं। उन्नत एआरटी तकनीकें अंतरिक्ष की परिस्थितियों में उपयोगी साबित हो सकती हैं। अंडाणु और शुक्राणु फ्रीजिंग, एम्ब्रियो कल्चर और जेनेटिक स्क्रीनिंग जैसी प्रक्रियाएं अब आटोमेटेड और पोर्टेबल हो चुकी हैं, जो स्पेस मिशन की सीमाओं के अनुरूप हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि ये तकनीकें चरम परिस्थितियों में भी सफल रहती हैं। यही वह कारण है कि कक्षा में आईवीएफ भविष्य में संभावित माना जा रहा है। सबसे बड़ी चुनौती नीति और नैतिकता की है। अंतरिक्ष में अनियोजित गर्भधारण, रेडिएशन-जनित बांझपन, जेनेटिक स्क्रीनिंग की नैतिकता और मेडिकल जानकारी साझा करने की प्रक्रिया इन सभी पर कोई स्पष्ट नियम मौजूद नहीं हैं। स्टडी चेतावनी देती है कि यदि नीतियां पीछे रह गईं तो गवर्नेंस डिनाइड की स्थिति पैदा हो सकती है, यानी बिना नियमों के नई प्रथाएं स्वतः लागू हो जाएंगी।

राहुल गांधी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन नोटिस लाएंगे : किरेन रिजिजू

नई दिल्ली,11 फरवरी (एजेंसियां) । केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए लोकसभा में बजट चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बयानों पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि सरकार राहुल गांधी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन नोटिस लाने जा रही है, क्योंकि उन्होंने सदन को गुमराह किया और बिना आधार के गंभीर आरोप लगाए। रिजिजू ने कहा कि लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही के लिए स्पष्ट नियम हैं। यदि कोई सदस्य किसी अन्य सदस्य पर गंभीर आरोप लगाना चाहता है, तो उसे पहले नोटिस देना होता है और अपने आरोपों के समर्थन में प्रमाण भी पेश करने होते हैं। बिना नोटिस और बिना प्रमाण के आरोप लगाना नियमों के खिलाफ है। उन्होंने यह भी कहा कि बजट पर चर्चा के दौरान राहुल गांधी ने कोई ठोस और उपयोगी सुझाव नहीं दिया, बल्कि सिर्फ 'बेबुनियाद और जंगली आरोप' लगाए। रिजिजू ने बताया कि उन्होंने राहुल गांधी से कहा था कि जब वित्त मंत्री शाम 5 बजे बजट पर जवाब देंगी, तब वे सदन में मौजूद रहकर अपनी बातों को साबित करें।

रिजिजू ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का जिक्र करते हुए कहा कि 2014 में सरकार छोड़ने से पहले दिए

गए उनके भाषण और पीआईबी की आधिकारिक रिलीज में साफ लिखा था कि 2030 के बाद भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस लक्ष्य को 'फास्ट फॉरवर्ड' कर दिया है। भारत अब चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और अगले दो-तीन साल में तीसरे स्थान पर पहुंचने की ओर तेजी से बढ़ रहा है।

रिजिजू ने कहा कि यह कोई पुरानी बात नहीं है, बल्कि 11 साल पहले का आधिकारिक बयान है। राहुल गांधी के इस आरोप पर कि 'भारत को बेच दिया गया,' रिजिजू ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, इस देश की कोई कीमत नहीं लगा सकता। कोई पैदा नहीं हुआ जो भारत को खरीद या बेच सके। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले भारत 11वें स्थान पर था और उसे 'फ्रेजाइल फाइव' कहा जाता था, और अर्थव्यवस्था को कमजोर बताया जाता था। लेकिन पिछले 11 साल में भारत ने बड़ी छलांग लगाई है और चौथे स्थान पर पहुंचा है।

रिजिजू ने यह भी आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने सदन में ऐसे व्यक्तियों के नाम लिए जो उस समय सदस्य नहीं थे, और केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी का नाम लेकर भी आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि चेयर द्वारा टोके जाने के बाद राहुल गांधी ने पहले माफी मांगी और फिर दोबारा नाम लिया, जबकि खुद कहा था कि नियमों के तहत नाम नहीं लेंगे।रिजिजू ने कहा कि उनकी पार्टी की ओर से औपचारिक नोटिस दिया जाएगा और स्पीकर से कार्रवाई की मांग की जाएगी। राहुल गांधी को अपने सभी आरोपों का प्रमाण देना होगा और जो भी गलत या असंसदीय बातें कही गई हैं, उन्हें रिकॉर्ड से हटाया जाना चाहिए।उन्होंने कहा कि गंभीर आरोप लगाने के बाद सदन छोड़कर चले जाना ठीक नहीं है। जब आप आरोप लगाते हैं तो मंत्री का जवाब भी सुनना चाहिए। बुधवार को वित्त मंत्री जब शाम 5 बजे जवाब देंगी तो राहुल गांधी को सदन में बैठकर सुनना चाहिए।

अखिलेश यादव ने यूपी बजट को 'विदाई बजट' दिया करार

लखनऊ,11 फरवरी (एजेंसियां) । उत्तर प्रदेश विधानसभा में पेश किए गए सरकार के 10वें बजट पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कड़ा प्रहार करते हुए इसे 'विदाई बजट' करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि बजट का आकार भले ही बड़ा दिखाया जा रहा हो, लेकिन जमीनी हकीकत में यह जनता की अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरता। सपा प्रमुख अखि-लेश यादव ने बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा, जब मुंह खोला तब बुरा बोला। यह विदाई बजट है और अब भाजपा की विदाई तय है। उन्होंने कहा कि सरकार 9 लाख करोड़ रुपए से अधिक के बजट को उपलब्धि के रूप में पेश कर रही है, जबकि हर वर्ष बजट का आकार स्वाभाविक रूप से बढ़ता है। असली सवाल यह है कि

पिछले बजटों का पूरा उपयोग क्यों नहीं हो सका। उनके अनुसार सरकार 50 प्रतिशत से अधिक राशि भी प्रभावी ढंग से खर्च नहीं कर पाई, जो प्रशासनिक अक्षमता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यदि उत्तर प्रदेश को तीन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य है, तो राज्य की सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) लगभग 90 लाख करोड़ रुपए के आसपास होनी चाहिए। मौजूदा दावों और वास्तविक आंकड़ों में बड़ा अंतर है, जिससे सरकार की मंशा और तैयारी पर प्रश्नचिह्न लगता है।सपा प्रमुख ने एमएसएमई क्षेत्र का मुद्दा उठाते हुए कहा कि प्रदेश में लगभग 92 लाख इकाइयां हैं, जिनमें से 82 लाख अब तक पंजीकृत नहीं हैं। उन्होंने पूछा कि एक दशक में इतनी बड़ी संख्या में इकाइयों का पंजीकरण क्यों नहीं हो सका। उनका आरोप था कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार समझौतों और नीतिगत बदलावों का सीधा असर एमएसएमई और किसानों पर पड़ेगा, लेकिन बजट में इसके लिए स्पष्ट रणनीति नहीं दिखाई देती। उन्होंने कहा कि युवाओं को रोजगार देने में सरकार विफल रही है और निवेश के बड़े दावों के बावजूद धरातल पर सीमित निवेश ही आया है। स्वास्थ्य सेवाओं और कानून-व्यवस्था को लेकर भी उन्होंने गंभीर सवाल उठाए।अखिलेश यादव ने कहा कि बजट विकास की ठोस रूपरेखा प्रस्तुत करने के बजाय राजनीतिक प्रचार का माध्यम बन गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने गाइडलाइंस को लेकर केंद्र और UGC को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली, 11 फरवरी (एजेंसियां) । सुप्रीम कोर्ट ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नए 'उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने के नियम, 2026' को चुनौती देने वाली दो नई याचिकाओं पर केंद्र सरकार और यूजीसी को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने इन याचिकाओं को पहले से लंबित पुरानी याचिकाओं के साथ जोड़कर एक साथ सुनने का निर्देश दिया है। याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि नए नियम सामान्य वर्ग के छात्रों के साथ भेदभाव करते हैं और उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करते हैं। खासकर नियमों में 'जाति-आधारित भेदभाव' की परिभाषा केवल अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के सदस्यों तक सीमित रखी गई है। इससे सामान्य वर्ग के लोगों को भेदभाव की शिकायत करने का कोई कानूनी संरक्षण नहीं मिलता, जो संविधान के अनुच्छेद 14 और

15 के तहत समानता के अधिकार के खिलाफ है। याचिकाकर्ताओं ने कहा कि यह नियम एकतरफा है और उच्च शिक्षा में सामाजिक सद्भाव को बिगाड़ सकता है। इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने जनवरी 2026 में नए नियमों के अमल पर रोक लगा दी थी। कोर्ट ने कहा था कि नियमों के प्रावधान अस्पष्ट हैं और इनके दुरुपयोग की आशंका है।अदालत ने केंद्र और यूजीसी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था और नियमों पर नए सिरे से विचार करने के लिए विशेषज्ञों की एक कमेटी गठित करने का सुझाव दिया था। फिलहाल, 2012 के पुराने नियम लागू रहेंगे, ताकि जाति-आधारित भेदभाव की शिकायतों पर कोई रोक न लगे।यूजीसी ने 13 जनवरी को ये नए नियम जारी किए थे, जिनका उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों में जाति, धर्म, लिंग, दिव्यांगता आदि पर आधारित भेदभाव रोकना और समानता को बढ़ावा देना था, लेकिन सामान्य वर्ग से जुड़े कई छात्रों और संगठनों ने इसका विरोध किया और इसे 'रिवर्स डिस्क्रिमिनेशन' बताया।

विरोध के बाद मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, जहां अब सभी याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई होगी।

हमारे पास एक युवा नेता हैं, जिन्हें बेबुनियाद आरोप लगाने की आदत है : हरदीप सिंह पुरी

नई दिल्ली, 11 फरवरी (एजेंसियां) । लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के सदन में दिए भाषण पर केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा, हमारे पास एक युवा नेता हैं, जिन्होंने आज संसद के सामने कुछ बातें रखीं। उन्हें बेबुनियाद आरोप लगाने की आदत है। उन्होंने कहा कि दो तरह के नेता होते हैं। एक वे जो राजनीतिक व्यवस्था में जिम्मेदारी लेते हैं और अपनी जिंदगी समाज सेवा और देश को बदलने में लगा देते हैं, और यह सुनिश्चित करते हैं कि उनके जीवनकाल में देश 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाए। दूसरे नेता भी होते हैं, जो कभी-कभी देश में आते हैं, और जब वे संसद में आते हैं, तो जब कोई उन्हें कोई ठोस जवाब देता है और उनकी बात नहीं सुनता, तो वे सदन से चले जाते हैं। वह आज अपनी ही स्पीच के बाद चले गए। उन्होंने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि युवा नेता को यह पता होना चाहिए कि एपस्टीन फाइल्स गलत कामों और आपराधिक मामलों से संबंधित हैं। फाइल्स में आरोप हैं कि एपस्टीन के पास एक द्वीप था, जहां वे अनैतिक काम करते थे। उन पीड़ितों ने अधिकारियों के खिलाफ मामले दर्ज कराए हैं। मेरी बातचीत का इससे कोई लेना-देना नहीं था।

उन्होंने कहा कि नवंबर 2014 में मैं एक आम नागरिक था। किसी ने कहा कि वे भारत को देखना चाहते हैं। हमारी लिंक्डइन के संस्थापक रीड हॉफमैन के साथ अमेरिका के पश्चिमी तट पर एक बैठक हुई। मैंने अपने ईमेल की शुरुआत यह कहकर की कि मैं अब पहले से कहीं अधिक आश्वस्त हूं कि आज का भारत एक शानदार अवसर प्रस्तुत करता है और रीड हॉफमैन को भारत आकर आने वाले बदलावों को देखना चाहिए।

उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया को लेकर मैं नवंबर 2014 में इस बारे में बात कर रहा था। अगर मेरी याददाश्त सही है, तो यह परियोजना 2015 में शुरू हुई थी। मैं यहां एक दूरदर्शी आम नागरिक था, जो जानता था कि मोदी सरकार किस तरह का काम करने वाली है।

हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने एक ईमेल में सवाल उठाया कि 'मुझे लगता है कि हरदीप पुरी को एपस्टीन से किसने मिलवाया...?' ये तथ्य सार्वजनिक रूप से ज्ञात हैं। 30 लाख ईमेल जारी किए जा चुके हैं। मैं मई 2009 से, जब मैंने संयुक्त राष्ट्र में भारत के राजदूत के रूप में कार्यभार संभाला, आठ साल तक न्यूयॉर्क में रहा। 2017 में मैं मंत्री बना। आठ वर्षों में संभवतः तीन या चार मुलाकातों का जिक्र है।

उन्होंने कहा कि मैंने युवा नेता राहुल गांधी को बताने का फैसला किया और उन्हें लिखे पत्र में मैंने बताया कि संयुक्त राष्ट्र में भारत के राजदूत के पद से सेवानिवृत्त होने के कुछ महीनों बाद, मुझे अंतर्राष्ट्रीय शांति संस्थान (आईपीआई) में शामिल होने का निमंत्रण मिला। मैं सीधे तौर पर आईपीआई का हिस्सा नहीं था। आईपीआई या आईसीएम के प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के रूप में, मैं एपस्टीन से कुछ मौकों पर मिला। आईसीएम अंतरराष्ट्रीय मुद्दों से निपटता था, और एपस्टीन इसका हिस्सा नहीं थे।

भाजपा सांसदों ने राहुल गांधी पर कसा तंज, कहा 'उनको ज्ञान नहीं है, सदन में कुछ भी बोलते हैं'

नई दिल्ली, 11 फरवरी (एजेंसियां) । पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की अप्रकाशित किताब को लेकर संसद में दिए गए बयान पर भाजपा सांसदों ने राहुल गांधी की आलोचना की। भाजपा सांसदों ने कहा कि राहुल गांधी कहीं से कुछ भी लाकर बोलने लगते हैं। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पत्रकारों से बात करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, भारत का डाटा बहुत ही सुदृढ़ कानूनी स्वरूप में है, डिजिटल व्यक्तिगत डाटा संरक्षण अधिनियम के नियम हैं। भारत के जितने संवेदनशील क्षेत्र हैं, सबके अपने रोक हैं और इस तरह के आरोप लगाने से पहले चीजों को प्रमाणित करना चाहिए। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान पर कहा, जो नियम हैं, यह नियम हमारे या स्पीकर ओम बिरला के आने के बाद नहीं बने हैं। यह नियम पहले से हैं। यह नियम जब संविधान की रचना हुई तब से हैं। उन नियमों के आधार पर अगर वे किसी पर आरोप लगाते हैं तो उन्हें प्रमाणित करना होगा। अगर वे जिस पर आरोप लगा रहे हैं, वह सदन का सदस्य है तो उसे नोटिस देना पड़ता है और अगर वह सदन का सदस्य नहीं है तो वे ऐसे आरोप नहीं लगा सकते।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के सिर्फ बोलने से प्रमाणित नहीं होता, इससे संबंधित दस्तावेज रखने होते

हैं, सबूत रखने होते हैं, सिर्फ बोलने से नहीं होगा। इन्हें प्रमाणिकता और नियम का अर्थ नहीं पता इसलिए कुछ भी बोलते हैं। पहले का इतिहास इन्हें पता नहीं है। ये बस आरोप लगाते हैं। जब कोई आसन पर होता है तो वह किसी पार्टी का नहीं होता है। उन्हें संसदीय भाषा का ज्ञान नहीं है।भाजपा सांसद रवि किशन ने कहा, विपक्ष में वही लोग हैं, जिन्होंने जगदीप धनखड़ का मजाक उड़ाया था। ये लोग अब लोकतंत्र का मजाक उड़ा रहे हैं। इन्हें यही दुख है कि भाजपा जीत क्यों रही है, ये प्रधानमंत्री मोदी को क्यों हरा नहीं पा रहे, देश आर्थिक रूप से इतना मजबूत कैसे होता जा रहा है, केरल और पश्चिम बंगाल का चुनाव इन्हें मुश्किल दिख रहा है और उत्तर प्रदेश तो ये हार चुके हैं, इसलिए सिर्फ यह इनकी पीड़ा है।

भाजपा सांसद कंगना रनौत ने कहा, स्पीकर ओम बिरला सदन में आ नहीं रहे। पूरा माहौल अंदर बहुत खराब होता जा रहा है, ये इतना शोर मचा रहे हैं। मंगलवार को जब संसद ठीक चली तो आज कह रहे हैं कि ये 6 लाइनें क्यों? जबकि वंदे मातरम पर चर्चा हो चुकी है, इन्होंने भी इसमें हिस्सा लिया था। ये लोग अपनी हार बर्दाश्त नहीं कर पाते हैं और एक के बाद एक मुद्दा लाते रहते हैं।भाजपा सांसद अरुण गोविल ने कहा, वंदे मातरम गीत अपने आप में संपूर्ण है, भारत की संस्कृति है, गौरव है, हमारा गर्व है। पहले गलत हुआ था कि उसके छंद काट दिए गए थे, अब सही हुआ है। यह हमारे देश और संस्कृति के लिए बड़ी चीज है। विपक्ष की वजह से दिन-ब-दिन बातचीत और व्यवहार का स्तर गिरता जा रहा है। यह सब पहले कभी नहीं हुआ। यह अच्छा नहीं है।

भाजपा सांसद रेखा शर्मा ने कहा, बहुत ही बेशर्मी है कि महिलाएं अपनी कुर्सी छोड़कर किसी भी कुर्सी पर कैसे आ सकती हैं? वे तो प्रधानमंत्री की कुर्सी के पास थीं। इस तरह से घेरकर क्या आप हमला करना चाहती थीं? अगर इसी प्रकार पुरुष महिलाओं की कुर्सी को घेर लेते, तो महिलाएं क्या कहतीं? ऐसे लोगों को सदन में आने का हक नहीं है। अगले चुनाव में जनता को इनको सीख देनी चाहिए।

लोकलुभावन ज्यादा और जनकल्याण कम रहा यूपी बजट : मायावती

लखनऊ, 11 फरवरी (एजेंसियां) । उत्तर प्रदेश विधानसभा में पेश किए गए वर्ष 2026-27 के बजट पर बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे 'लोकलुभावन ज्यादा और जनकल्याण कम' बताया। उन्होंने कहा कि बजट में की गई घोषणाएं और आश्वासन अगर समयबद्ध तरीके से लागू नहीं हुए तो यह केवल कागजी साबित होंगे। बसपा मुखिया मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि उत्तर प्रदेश विधानसभा में बुधवार को पेश किया गया 2026-27 का बजट लोकलुभावना ज्यादा तथा जनता के वास्तविक उत्थान एवं प्रदेश में सर्वसमाज व सभी क्षेत्र के विकास का कम प्रतीत होता है। फिर भी जो घोषणाएं एवं आश्वासन आदि जनता को देने का प्रयास किया गया है, उसकी सही से समयबद्ध तरीके से अमल

जरूर हो, ताकि ये केवल कागजी न रह जाएं। उन्होंने आगे कहा कि पिछले वर्ष के बजट के जमीनी क्रियान्वयन का सही डाटा देकर बजट भाषण की परंपरा को वाकई में ठोस व विश्वसनीय बनाया जाता तो यह उचित होता, जबकि वर्तमान बजट भी अखबारों की सुर्खी बटोरने वाला ज्यादा प्रतीत होता है, जिससे एक बार फिर लोगों को अपने 'अच्छे दिन' की उम्मीदों पर पानी फिर गया लगता है। वैसे भी उत्तर प्रदेश के लोगों को स्थायी आमदनी वाली रोजगार व्यवस्था का इंतजार बना हुआ है, जिसको लेकर गंभीरता एवं सक्रियता आवश्यक है। इस संबंध में एससी, एसटी व ओबीसी आरक्षण पर भी सरकार का समुचित ध्यान देना जरूरी है। बैकलॉग की भर्ती की भी जितनी जल्दी पूर्ति हो उतना बेहतर होगा।

बसपा मुखिया ने कहा कि भाजपा सरकार अगर बीएसपी की चारों सरकार की तरह 'सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय' के संवैधानिक दायित्व को निष्ठा व ईमानदारी से निभाने का प्रयास करे तो यह देश व जनहित में उचित होगा। बजट भी इस दिशा में ही होना चाहिए, अर्थात् बजट वर्ग व क्षेत्र विशेष का हितकारी तथा खासकर करोड़ों गरीब एवं किसान-विरोधी न होकर उनके जीवन सुधार का माध्यम हो तो यह सही होगा।

इसके साथ ही, अखिल भारतीय स्तर पर पार्टी द्वारा गतिविधियों को अनवरत जारी रखने की प्रक्रिया में राजस्थान प्रदेश सहित तीन राज्यों के वरिष्ठ पदाधिकारियों की बैठक हुई।

इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू में अमेरिका, ईरान और रूस के वॉरशिप होंगे एक ही कतार में

विशाखापत्तनम, 11 फरवरी (एजेंसियां) । विशाखापत्तनम में 15 से 25 फरवरी तक वॉरशिप का मेला लगने वाला है। सुप्रीम कमांडर द्रौपदी मुर्मु का प्रेसिडेंशियल यॉट जब फ्लीट रिव्यू के लिए निकलेगा, तो दुनिया भर के वॉरशिप और नेवल पर्सनल सेल्यूट करते नजर आएंगे।

रूस और अमेरिका के बीच चाहे कितनी भी खींचतान जारी हो, लेकिन भारतीय नौसेना द्वारा आयोजित इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू में दोनों ही देश अपने वॉरशिप के साथ मौजूद रहेंगे। नौसेना के मुताबिक, रूस की ओर से फ्रिगेट आरएफ़एस मार्शल शापोशनिकोव और अमेरिका की ओर से गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर पिंकनी हिस्सा ले रहे हैं। रूस और अमेरिका के वॉरशिप के साथ उसी क़तार में ईरान का फ्रिगेट भी खड़ा दिखाई देगा। इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू में ईरानी नौसेना अपना फ्रिगेट डेना शामिल कर रही है। साल 2026 के आईएफ़आर में दुनिया के कुल 137 देशों को न्योता दिया गया है। 70 से ज्यादा देशों ने अपनी हिस्सेदारी की सहमति दी है। इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू में भारत के तकरीबन 70 से ज़्यादा वॉरशिप और सबमरीन शामिल होंगे, वहीं 20 से ज़्यादा विदेशी जंगी जहाज भी आ रहे हैं।

पहली बार फिलीपींस और यूएई के वॉरशिप इस आईएफ़आर में हिस्सा ले रहे हैं। साथ ही पहली बार जर्मनी के मेरीटाइम पेट्रोल एयरक्राफ्ट पी-8 भी फ्लीट रिव्यू का हिस्सा बनेंगे।

दिल्ली में बढ़ती हत्याओं और हादसों को लेकर अरविंद केजरीवाल ने उठाए सवाल

नई दिल्ली, 11 फरवरी (एजेंसियां) । दिल्ली में कानून-व्यवस्था और कथित प्रशासनिक लापरवाही को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) ने 'चार इंजन' सरकार पर निशाना साधा। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने राजधानी में बढ़ती हत्या की घटनाओं और नालों-गड्ढों में गिरकर हो रही मौतों को लेकर सरकार को कठघरे में खड़ा किया है। अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा ने एक साल के भीतर ही 'पूरी दिल्ली का सत्यानाश' कर दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार को जनता की जान की कोई परवाह नहीं है और सवाल

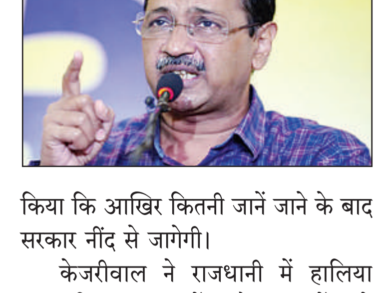

किया कि आखिर कितनी जानें जाने के बाद सरकार नींद से जागेगी।

केजरीवाल ने राजधानी में हालिया आपराधिक घटनाओं और हादसों को प्रशासनिक विफलता का परिणाम बताया। वहीं, सौरभ भारद्वाज ने उपराज्यपाल और दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि दिल्ली में कई स्थानों पर नाले खुले पड़े हैं, जिनमें गिरकर लोगों की मौत हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले उपराज्यपाल तत्कालीन 'आप' सरकार की कमियां निकालने में सक्रिय रहते थे, लेकिन अब जब दिल्ली की सभी प्रमुख एजेंसियां-एमसीडी, डीडीए, दिल्ली सरकार और केंद्र-भाजपा के अधीन हैं, तो जवाबदेही से बचा जा रहा है।

उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में 24 घंटे के भीतर छह हत्याओं की घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें स्कूली बच्चों की भी जान गई है। नौवीं और दसवीं कक्षा के छात्रों की हत्या की घटनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि राजधानी में लोग असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। भारद्वाज ने आरोप लगाया कि इन गंभीर घटनाओं पर न तो उपराज्यपाल, न केंद्रीय गृह मंत्री और न ही मुख्यमंत्री की ओर से ठोस प्रतिक्रिया सामने आई है।

सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली में 'दो दिल्ली' दिखाई दे रही हैं-एक जहां आम लोग भय और असुरक्षा के माहौल में जी रहे हैं, और दूसरी जहां सरकार कार्यक्रमों और उद्घाटनों में व्यस्त है। उन्होंने मुख्यमंत्री पर भी निशाना साधते हुए कहा कि जब राजधानी में लगातार जानें जा रही हों, तब सरकार का इस तरह मौन रहना संवेदनहीनता को दर्शाता है।

रणवीर सिंह के बाद सलमान खान के करीबी को मिली धमकी, मांगे करोड़ों रुपए

बॉलीवुड में एक बार फिर अपराधियों की धमकियां बढ़ गई हैं। हाल ही में फिल्ममेकर रोहित शेट्टी के घर के बाहर फायरिंग की घटना के बाद बुधवार को अभिनेता रणवीर सिंह को भी व्हाट्सएप के जरिए धमकी मिली। अब खबर आ रही है कि सलमान खान के करीबी को भी धमकी दी गई है। साथ ही करोड़ों रुपयों की मांग भी की गई है। सलमान खान के बेहद करीबी व्यक्ति को धमकी भरा ईमेल मिला है। धमकी देने वाले ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य बताया है और करोड़ों रुपये की वसूली की मांग की है। धमकी देने वाले ने खुद को बिश्नोई गैंग का होने का भी दावा किया है। पुलिस अलर्ट मोड पर है और लगातार अपनी पैनी नजर बनाए हुए है।

मुंबई पुलिस ने यह जानकारी दी है, जिसके अनुसार, यह धमकी ईमेल के जरिए भेजी गई है। धमकी में पैसे न देने पर जान से मारने की चेतावनी दी गई है। हालांकि, अभी तक सलमान खान या उनके करीबी की ओर से पुलिस में कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है।

पुलिस सूत्रों का कहना है कि वे इस मामले को गंभीरता से ले रहे हैं और एहतियातन सतर्कता बरत रहे हैं। मुंबई क्राइम ब्रांच ने जांच शुरू कर दी है। क्राइम ब्रांच को मिली जानकारी के मुताबिक, बिश्नोई गैंग से जुड़े कुछ संदिग्धों की मोबाइल लोकेशन कई बॉलीवुड सेलिब्रिटीज के घरों के आसपास ट्रेस हुई है। गैंग ने रेकी का काम अपने अलग-अलग गुर्गों को सौंपा था। पुलिस इन सुरागों को इकट्ठा कर रही है और जांच आगे बढ़ा रही है।

यह घटना रोहित शेट्टी के घर पर फायरिंग के महज कुछ दिनों बाद सामने आई है, जिससे बॉलीवुड में दहशत का माहौल है। सलमान खान पहले से ही बिश्नोई गैंग की धमकियों का सामना कर रहे हैं। गैंग ने उनके घर के बाहर फायरिंग की जिम्मेदारी भी ली थी। अब उनके करीबी को निशाना बनाया गया है। वहीं, पुलिस का मानना है कि ये धमकियां मुख्य रूप से वसूली के लिए दी जा रही हैं।

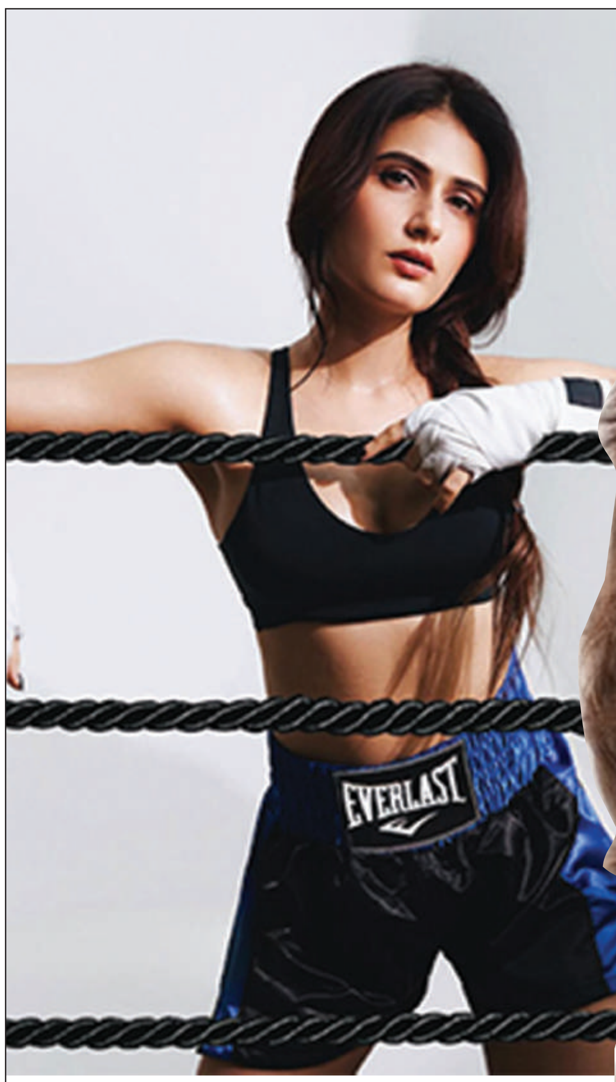

बॉक्सिंग ग्लव्स पहनकर रिंग में उतरीं फातिमा सना शेख, दिखाया फुल पावर अवतार

बाल कलाकार के रूप में अपने करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री फातिमा सना शेख अपनी फिल्मों और सोशल मीडिया पोस्ट से दर्शकों का खास ध्यान खींचती हैं। उन्होंने मंगलवार को एक मजेदार पोस्ट किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। इन तस्वीरों में वे बॉक्सिंग ग्लव्स पहने हुए नजर आ रही हैं, जबकि कुछ में वे रिंग के अंदर आत्मविश्वास से भरे पोज देती दिख रही हैं। उनका पूरा लुक काफी पावरफुल और एनर्जेटिक लग रहा है, लेकिन अभिनेत्री की आखिरी स्लाइड काफी मजेदार है, जिसमें उन्होंने बॉक्सिंग के महान खिलाड़ी अमेरिका के प्रोफेशनल बॉक्सिंग चैंपियन मोहम्मद अली की एक आइकॉनिक तस्वीर लगाई है। अभिनेत्री ने लिखा, तितली की तरह हल्के रहो, और मधुमक्खी की तरह वार करो, मुहम्मद।

फातिम ने अपनी इस पोस्ट के जरिए न सिर्फ अपनी फिटनेस को दर्शाया है बल्कि मोहम्मद अली के इंस्पिरेशन कोट्स को भी दिखाया है। अभिनेत्री का पोस्ट फैंस को काफी पसंद आ रहा है। वे कयास लगा रहे हैं कि आने वाली फिल्म में शायद वे बॉक्सिंग की भूमिका में होंगी।

1997 में फिल्म 'चाची 420' में बाल कलाकार के रूप में शुरुआत करने वाली फातिमा सना ने बॉलीवुड में कई यादगार फिल्मों में काम किया है, जिनमें 'लूडो', 'अजीब दास्तां', और 'सैम बहादुर' शामिल हैं। अभिनेत्री सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर ऐसे पोस्ट शेयर करती हैं, जो मोटिवेशनल और मजेदार होते हैं।

फातिमा इन दिनों कई प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हैं, जिसका खुलासा जल्द ही होगा। इससे पहले वे विजय वर्मा के साथ फिल्म 'गुस्ताख इश्क' में नजर आई थीं। फिल्म में दोनों के अलावा, अभिनेता नसीरुद्दीन शाह और प्रतिभाशाली कलाकार शारिब हाशमी भी अहम रोल में थे। फिल्म को लेकर दर्शकों की तरफ से मिली-जुली प्रतिक्रिया आई थी और बॉक्स ऑफिस पर भी ज्यादा कमाई नहीं कर पाई थी। हालांकि, शुरुआत में फिल्म को लेकर सोशल मीडिया पर काफी क्रेज देखा गया था।

सोनम कपूर के बेबी शॉवर में दिखी सनातन धर्म की झलक, बताया सीमन्तोन्नयन का महत्व

सावंरिया में मुख्य किरदार निभाकर डेब्यू करने वाली अभिनेत्री सोनम कपूर दूसरी बार मां बनने वाली हैं। हाल ही में अभिनेत्री की गोद भराई की रस्म रखी गई है, जिसमें कपूर परिवार के सभी लोगों को देखा गया था। अब खुद सोनम ने गोद भराई की वीडियो पोस्ट की है और गोदभराई में निभाई गई सनातन धर्म की पुरानी परंपरा 'सीमन्तोन्नयन' का महत्व बताया है। सोनम कपूर ने इंस्टाग्राम पर गोदभराई की प्यारी सी वीडियो पोस्ट की है, जिसमें परिवार के सभी सदस्यों को चेहरे पर मुस्कान लिए अभिनेत्री की गोद भराई करते देखा जा रहा है। फैशन आइकन मानी जाने वाली सोनम ने सीमन्तोन्नयन की परंपरा को निभाते हुए गोदभराई की है और उसका महत्व भी बताया है।

उन्होंने वीडियो पोस्ट कर कैप्शन में लिखा, सीमन्तोन्नयन, सनातन धर्म के सोलह पवित्र गर्भ संस्कारों में से तीसरा संस्कार है, जो मां और उसके गर्भ में पल रहे जीवन का सम्मान करता है। भारत के विभिन्न हिस्सों में इसे गोद भराई, श्रीमंत, दोहले जेवन, शाद, सीमांतम, वलाइकाप्पु, सीमांत, पुलिक्कुडी और सदाबक्शन के नाम से जाना जाता है। नाम बदल सकते हैं, लेकिन आशीर्वाद प्यार, सुरक्षा और नए जीवन के उत्सव का रहता है।

उन्होंने आगे लिखा, यह प्राचीन रस्म और भी अधिक अर्थपूर्ण लगी क्योंकि मेरे सारे सबसे अच्छे दोस्त मेरे लिए मौजूद थे। मेरा पूरा परिवार भी आया था। मुझे बहुत सहारा मिला, और मेरी मां, मेरी सास और मेरी बहन को सब कुछ व्यवस्थित करने और मुझे इतना प्यार, स्नेह और सम्मान का एहसास कराने के लिए धन्यवाद। मैं इसे कभी नहीं भूलूंगी। आशीर्वादों से भरी गोद भराई।

सीमन्तोन्नयन का उद्देश्य गर्भ में पल रहे शिशु की मानसिक और शारीरिक सुरक्षा करना है और मां को भी गर्भावस्था में होने वाली परेशानियों से बचाना है। रस्म में भारत के कई हिस्सों में पति, पत्नी की मांग को गुलर की टहनी से भरता है और अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता है। ये रस्म गर्भावस्था की तीसरी तिमाही में की जाती है, जिससे डिलीवरी के समय मां को कष्टों को कम किया जा सके।

बदल गई है हंगामा की अंजलि, फिल्में छोड़ रियल एस्टेट एजेंट बन कमा रही मोटा पैसा

साल 2003 में रिलीज हुई हास्य फिल्म 'हंगामा' आज भी दर्शकों के जेहन में ताजा है। कॉमेडी से भरपूर इस फिल्म ने दर्शकों को शुरुआत से अंत तक ठहाके लगाने पर मजबूर कर दिया था। फिल्म की कहानी जितनी दिलचस्प थी, उसके किरदार भी उतने ही खास थे। हर पात्र की अपनी अलग दुनिया थी, लेकिन सभी किरदार एक-दूसरे से बखूबी जुड़े हुए थे। यही आपसी उलझनें और गलतफहमियां फिल्म को एक मजेदार मोड़ देती रहीं। फिल्म के सभी कलाकारों ने अपनी अदायगी से दर्शकों का दिल जीता। खासकर भोली-भाली अंजलि का किरदार, जिसने अपनी सादगी और मासूमियत से लोगों को खूब प्रभावित किया। इस भूमिका को अभिनेत्री रिमी सेन ने निभाया था। हालांकि, लंबे समय से रिमी सेन बड़े पर्दे से दूर हैं। अभिनय की दुनिया से दूरी बनाने के बाद अब वह रियल एस्टेट के क्षेत्र में सक्रिय हैं और एक एजेंट के रूप में काम कर रही हैं।

फिल्म 'हंगामा' में नंदू और अंजलि की लव स्टोरी और सभी किरदारों की कॉमेडी ने हर बार दर्शकों का दिल जीता। फिल्म को जितनी बार देखा गया, उतनी बार दर्शक खुद को हंसने से रोक नहीं पाए। फिल्म में अंजलि का किरदार निभाने वाली रिमी सेन की भूमिका ने भी दर्शकों का दिल जीता, लेकिन हंगामा की रिमी सेन आज असल जिंदगी में बहुत बदल चुकी हैं। अभिनेत्री का चेहरा पहचान पाना बहुत मुश्किल हो गया है क्योंकि फिलर्स और बोटॉक्स ट्रीटमेंट की वजह से चेहरे की बनावट पहले जैसी नहीं रही है।

यूजर्स भी अभिनेत्री के चेहरे को देखकर हैरान हैं और हर पोस्ट पर यही सवाल कर रहे हैं कि चेहरे का क्या ही करा डाला!

फिल्मों से दूर रिमी सेन इन दिनों दुबई बेस्ड रियल एस्टेट एजेंट बन गई है। अभिनेत्री रियल एस्टेट के व्यवसाय में जानी-मानी हस्ती बन चुकी हैं और लोगों को उनके सपनों का घर दिलवाने में भी मदद करती हैं। रिमी का इंस्टाग्राम रियल एस्टेट इवेंट्स की वीडियो से भरा है और सिर्फ दुबई ही नहीं, वे बाकी शहरों में भी अपना बिजनेस सेटअप करने का प्लान बना रही हैं। भले ही हिंदी सिनेमा की पारी ज्यादा लंबी नहीं रही, लेकिन पर्दे से दूर होने के बाद उन्होंने दूसरी फील्ड में अपना सिक्का जमा लिया है।

रियल एस्टेट के अलावा रिमी प्राइवेट ब्रांड इवेंट्स का भी हिस्सा बनती हैं और बड़े ब्रांड्स के लॉन्च में भी पहुंचती हैं। सोशल मीडिया पर रिमी को 1 मिलियन से ज्यादा लोग फॉलो करते हैं और वे अभिनेत्री के नए अवतार से हैरान भी हैं। फिल्मों की बात करें तो अभिनेत्री ने बंगाली और हिंदी दोनों भाषाओं की फिल्मों में काम किया, लेकिन हिंदी सिनेमा में उन्हें 'धूम' और 'हंगामा' जैसी फिल्मों से पहचान मिली थी।

69 की उम्र में फिल्म सूबेदार बने अनिल कपूर का दमदार एक्शन

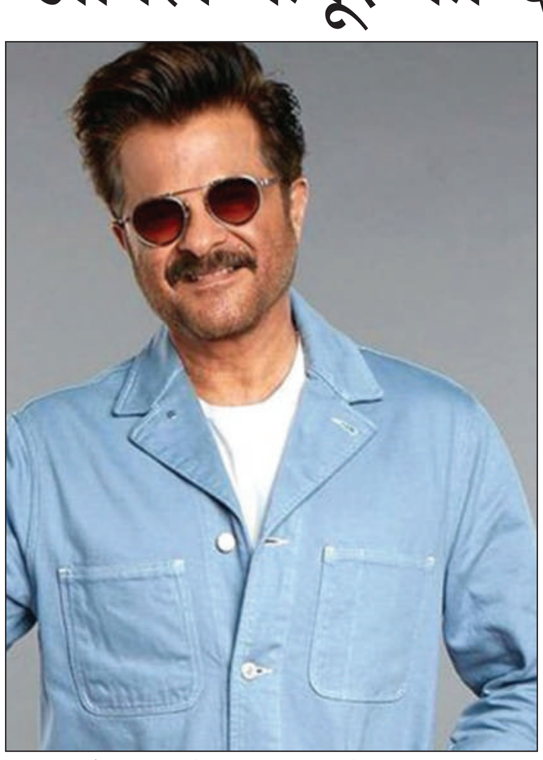

69 वर्ष की आयु में भी दिग्गज अभिनेता अनिल कपूर दर्शकों के बीच उतने ही लोकप्रिय हैं। उनकी लगभग हर फिल्म को दर्शकों का भरपूर प्रेम और समर्थन मिलता है। हाल ही में फिल्म 'वॉर-2' में दमदार एक्शन के बाद अब अनिल कपूर अपनी नई फिल्म 'सूबेदार' में भी जबरदस्त एक्शन और गंभीर अंदाज में नजर आने वाले हैं। फिल्म में उनका सशक्त और प्रभावशाली लुक उन्हें नई पीढ़ी के अभिनेताओं के बीच भी अलग पहचान देता दिखाई दे रहा है। अनिल कपूर की आगामी फिल्म 'सूबेदार' का टीजर रिलीज कर दिया गया है। यह फिल्म 5 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। एक्शन और ड्रामा से भरी 'सूबेदार' कई भावनाओं और पारिवारिक-सामाजिक परेशानियों से जूझते एक शख्स की कहानी है, जो सैनिक होते हुए भी जिंदगी में आई चुनौतियों से लड़ने के लिए पूरी जान लगा देता है। 'सूबेदार' अर्जुन मौर्य की कहानी है जो एक आम नागरिक के रूप में जीवन की चुनौतियों से जूझते हैं, अपनी बेटी के साथ तनावपूर्ण रिश्ते को संभालते हैं और सामाजिक कुप्रथाओं का सामना करते हैं। कभी देश के लिए लड़ने वाले सैनिक रहे सूबेदार को अब अपने घर और परिवार की रक्षा के लिए अपने कई दुश्मनों से लड़ना होगा। 1 मिनट से ज्यादा के टीजर में अभिनेता का राउडी लुक दिखाया गया है। 69 की उम्र में चश्मा लगाए, दुश्मनों को धूल चटाते अनिल कपूर कमाल लग रहे हैं। फिल्म 5 मार्च को ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम पर रिलीज होने वाली है और टीजर के रिलीज के साथ फैंस का एक्साइटमेंट लेवल भी बढ़ चुका है। अनिल कपूर के लिए फिल्म 'सूबेदार' खास है क्योंकि बीते साल उन्होंने अपने जन्मदिन पर पोस्ट रिलीज के साथ फिल्म के बारे में पहली बार जानकारी दी थी। अभिनेता का कहना था कि ये फिल्म सिर्फ एक्शन को नहीं दिखाती, बल्कि एक परिवार के संघर्ष और चुनौतियों को पेश करती है। ये फिल्म मेरे दिल के बहुत करीब है, जिसकी शूटिंग उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कई इलाकों में होने वाली है। बता दें कि फिल्म में बतौर लीड भूमिका निभाने के अलावा अभिनेता ने फिल्म को प्रोड्यूस भी किया है। फिल्म की कहानी सुरेश त्रिवेणी और प्रज्वल चंद्रशेखर ने लिखी है, जबकि डायरेक्शन सुरेश त्रिवेणी ने किया है।

कल विजया एकादशी का व्रत

हर साल फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि पर विजया एकादशी का व्रत रखा जाता है। इस दिन विधि-विधान से भगवान विष्णु की पूजा और पीली चीजों का दान करना शुभ होता है। इससे जीवन में सुख, शांति और समृद्धि बनी रहती हैं। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि विजया एकादशी का व्रत हर साल फाल्गुन मास की कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को रखा जाता है। शास्त्रों में एकादशी व्रत को सर्वोत्तम माना गया है। क्योंकि, यह इकलौता ऐसा व्रत है जिसका पुण्य आप किसी दूसरे व्यक्ति को भी दान कर सकते हैं। साथ ही इस व्रत को करने वालों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। विजया एकादशी का व्रत 13 फरवरी को किया जाएगा। मान्यता है कि इस व्रत को करने से व्यक्ति अपने शत्रुओं पर विजय प्राप्त करता है। ऐसी मान्यता है कि इस व्रत को करने और भगवान के मंत्रों का जप करने से जीवन में आ रही कठिनाइयां दूर होती हैं। साथ ही सफलता का रास्ता आसान हो जाता है।

हिंदू धर्म में भगवान श्री विष्णु की कृपा पाने के लिए एकादशी व्रत का बहुत ज्यादा महत्व माना गया है। यह व्रत हर महीने के कृष्णपक्ष और शुक्लपक्ष की एकादशी तिथि पर रखा जाता है, लेकिन इसका महत्व तब और भी ज्यादा बढ़ जाता है जब यह फाल्गुन मास के कृष्णपक्ष में पड़ती है और विजया एकादशी कहलती है। हिंदू मान्यता के अनुसार श्री हरि की कृपा बरसाने वाले इस व्रत को विधि-विधान करने से साधक के जीवन से जुड़ी सभी बाधाएं दूर होती हैं और वह जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में विजय प्राप्त करता है।

विजया एकादशी का व्रत फाल्गुन मास की एकादशी तिथि को किया जाता है। विजया एकादशी का व्रत करने वालों को शत्रुओं पर सफलता प्राप्त होती है। साथ ही तरक्की में आ रही बाधाएं भी दूर होती है। साल भर में पड़ने वाली 24 एकादशी तिथि में विजया एकादशी का व्रत का अत्यधिक महत्व इसलिए माना गया है क्योंकि इस व्रत को भगवान श्री राम ने लंका विजय से पहले किया था। मान्यता है कि इस व्रत को करने साधक के जीवन से जुड़े सभी रोग-शोक दूर होते हैं और वह अपने शत्रुओं पर विजय प्राप्त करता है। विजया एकादशी व्रत के पुण्य प्रभाव से व्यक्ति को कोर्ट-कचहरी के मामले में जीत हासिल होती है।.

विजया एकादशी तिथि

ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि विजया एकादशी तिथि का आरंभ 12 फरवरी को दोपहर में 12:33 मिनट पर आरंभ होगी और 13 तारीख को 2:26 मिनट पर समाप्त होगी। शास्त्रीय विधान के अनुसार, 13 फरवरी को ही विजया एकादशी का व्रत किया जाएगा। बता दें कि जब भी एकादशी तिथि सूर्योदय के समय लगती है तब विजया एकादशी का व्रत किया जाता है। इसलिए विजया एकादशी का व्रत 13 फरवरी को ही करना शास्त्र सम्मत है।

विजया एकादशी व्रत का महत्व

ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि ऐसी मान्यता है कि विजया एकादशी का व्रत भगवान राम ने भी किया था। जब भगवान राम लंका के रास्ते पर थे उस समय समुद्र के तट पर अपनी सेना के साथ मिलकर भगवान राम ने विजया एकादशी का व्रत किया था। तभी से इस एकादशी का नाम विजया एकादशी पड़ा।

विजया एकादशी पूजा विधि

ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि विजया एकादशी के दिन सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करें। इसके बाद भगवान विष्णु का ध्यान करें और की प्रतिमा स्थापित करें। इसके बाद सबसे पहले भगवान विष्णु को चंदन लगाएं और वस्त्र अर्पित करें। अब भगवान को पीले रंग की चीजों का भोग लगाएं उन्हें पीली मिठाई और गुड़ चने का भोग लगाए। इसके बाद भगवान विष्णु का ध्यान करते हुए उनके मंत्रों का जप करें। विजया एकादशी व्रत कथा का पाठ करें और फिर आरती करें। अंत में सभी को प्रसाद दें।

भगवान विष्णु के मंत्र

ॐ नमोः नारायणाय।।

ॐ नमोः भगवते वासुदेवाय।।

ॐ श्री विष्णवे च विद्महे वासुदेवाय धीमहि। तन्नो विष्णुः प्रचोदयात।।

मङ्गलम् भगवान विष्णुः, मङ्गलम् गरुडध्वजः। मङ्गलम् पुण्डरी काक्षः, मङ्गलाय तनो हरिः।।

रंगभरी एकादशी 27 को

फाल्गुन शुक्ल पक्ष की आमलकी एकादशी, जिसे रंगभरी एकादशी के नाम से भी जाना जाता है, 27 फरवरी 2026 को पड़ेगी। आमलकी एकादशी की तिथि 26 फरवरी की रात 12 बजकर 06 मिनट से शुरू होकर 27 फरवरी को रात 1 बजकर 49 मिनट तक रहेगी। इस एकादशी का विशेष संबंध काशी और खाटू श्याम से माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह दिन होली के उत्सव की शुरुआत का संकेत देता है और फाल्गुन मास के उल्लास से जुड़ा हुआ है।

विजया एकादशी और रंगभरी एकादशी, दोनों ही तिथियां फाल्गुन मास में आध्यात्मिक चेतना और धार्मिक आस्था को मजबूत करने का अवसर प्रदान करती हैं। इन व्रतों को परंपरा और श्रद्धा के साथ करने से भक्तों में संयम, आत्मविश्वास और भक्ति भाव का विकास होता है।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

फाल्गुन कृष्ण की दशमी तिथि, जानें शुभ-अशुभ समय

सनातन धर्म में पंचांग के पांच अंग तिथि, नक्षत्र, योग, करण और वार का बहुत महत्व है। ये तत्व व्यक्ति के रोजाना के कार्य, पूजा-पाठ और शुभ कार्य की शुरुआत के लिए महत्व रखते हैं। 12 फरवरी को गुरुवार है, जो भगवान नारायण, माता पितांबरा (बगलामुखी) और देवगुरु बृहस्पति को समर्पित माना जाता है। गुरुवार की विशेष पूजा और बृहस्पति मंत्र जप से ज्ञान, समृद्धि और बुद्धि में वृद्धि होती है और जिंदगी में शुभता आती है। यह दिन नारायण और देवगुरु बृहस्पति के साथ ही विजय की देवी माता पितांबरा को भी समर्पित है। विधि-विधान से की गई पूजा से जिंदगी के हर क्षेत्र में विजय मिलती है और शत्रुओं का नाश होता है। वहीं, नारायण के साथ बृहस्पति देव की आराधना, पीली वस्तु दान और केले का प्रसाद चढ़ाना शुभ फलदायी माना गया है। दृक पंचांग के अनुसार 12 फरवरी को सूर्योदय 7 बजकर 2 मिनट पर और सूर्यास्त शाम 6 बजकर 9 मिनट पर होगा। तिथि कृष्ण पक्ष की दशमी तिथि दोपहर 12 बजकर 22 मिनट तक है,

उदयातिथि के अनुसार पूरे दिन रहेगा। उसके बाद एकादशी शुरू होगी। नक्षत्र ज्येष्ठा है जो दोपहर 1 बजकर 42 मिनट तक, उसके बाद मूल नक्षत्र है। योग हर्षण है, जो 13 फरवरी की सुबह 3 बजकर 6 मिनट तक है। वहीं, करण विष्टि है, जो 12 बजकर 22 मिनट तक, उसके बाद बव रहेगा।

शुभ मुहूर्त की बात करें तो ब्रह्म मुहूर्त सुबह 5 बजकर 19 मिनट से 6 बजकर 10 मिनट तक, अभिजित मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 13 मिनट से 12 बजकर 58 मिनट तक है। वहीं, विजय मुहूर्त दोपहर 2 बजकर 27 मिनट से 3 बजकर 11 मिनट तक है। गोधूलि मुहूर्त शाम बजकर 6 बजकर 6 मिनट से 6 बजकर 32 मिनट तक है। ये मुहूर्त सभी कार्यों के लिए सर्वोत्तम माने जाते हैं।

वहीं, अशुभ समय का विचार भी महत्वपूर्ण है। इसमें नए कार्य करने की मनाही होती है। राहुकाल दोपहर 1 बजकर 59 मिनट से 3 बजकर 22 मिनट तक, यमगंड सुबह 7 बजकर 2 मिनट से 8 बजकर 25 मिनट तक है। भद्रा सुबह 7 बजकर 2 मिनट से दोपहर 12 बजकर 22 मिनट तक और गंड मूल पूरे दिन प्रभावी रहेगा। अशुभ समय में नए कार्य, यात्रा या शुभ संस्कार टालने की सलाह दी जाती है। वहीं, ब्रह्म मुहूर्त और अभिजित मुहूर्त में ध्यान, जप, दान और गुरु पूजा करना अत्यंत लाभकारी रहेगा।

शक्तिशाली कृतिवासेश्वर महादेव, बहुत कम लोगों को मिलता है दर्शन का सौभाग्य

सृष्टि की उत्पत्ति और संहार के अधिपति भगवान शिव को माना जाता है। स्वभाव से भोलेनाथ भक्तों पर शीघ्र प्रसन्न होते हैं, तो क्रोध आने पर संहारक रूप धारण करते हैं। आस्था के प्रमुख केंद्र वाराणसी में महादेव के असंख्य स्वरूपों की पूजा होती है, लेकिन इसी पवित्र नगरी में एक ऐसा स्थल भी है, जहां आज तक शिव को उनका पारंपरिक स्थान पूरी तरह वापस नहीं मिल सका है। हम बात कर रहे हैं काशी के प्राचीन और शक्तिशाली मंदिरों में गिने जाने वाले कृतिवासेश्वर महादेव की।

वर्तमान में यह स्थल ऐसी स्थिति में है कि बाबा खुले आसमान के नीचे विराजमान रहने को विवश बताए जाते हैं। यह स्थान धार्मिक आस्था के साथ-साथ ऐतिहासिक और विवादित पृष्ठभूमि के कारण भी लंबे समय से चर्चा में रहा है। कृतिवासेश्वर महादेव को काशी के अत्यंत प्राचीन शिवालयों में माना जाता है। मान्यता है कि यह वही स्थान है, जिसका उल्लेख स्कंद पुराण में भी मिलता है। पुराणों के अनुसार, यहीं भगवान शिव ने एक राक्षस का वध कर उसकी चर्म को अपना वस्त्र धारण किया था। इसी कारण उन्हें कृतिवासेश्वर नाम से जाना गया।

वर्तमान में कृतिवासेश्वर महादेव का स्वरूप वाराणसी स्थित आलमगीर मस्जिद के पीछे वाले हिस्से में स्थित है। विवादित स्थिति के कारण यहां दर्शन-पूजन की व्यवस्था सामान्य मंदिरों की तरह सुगम नहीं है। परिणामस्वरूप बहुत कम श्रद्धालुओं को यहां नियमित रूप से दर्शन का अवसर मिल पाता है।

स्कंद पुराण में मौजूद पौराणिक कथा की मानें तो गजासुर नाम का एक असुर था, जिसने भगवान ब्रह्मा की कठोर तपस्या करके अपार शक्ति प्राप्त कर ली और काशी के देवताओं और भक्तों सहित तीनों लोकों में आतंक मचाना शुरू कर दिया। गजासुर के अत्याचारों का अंत करने के लिए भगवान शिव स्वयं पृथ्वी पर आए और भीषण युद्ध के बाद त्रिशूल पर लटकाकर उस राक्षस का वध कर दिया। लेकिन भगवान शिव ने गजासुर की विनम्र प्रार्थना को स्वीकार कर लिया और उसकी चर्म को उसके चारों ओर लपेटकर शिवलिंग का रूप धारण कर लिया, जिसकी आज कृतिवासेश्वर महादेव के रूप में पूजा की जाती है।

इतना ही नहीं, कृतिवासेश्वर महादेव की गिनती काशी के 14 शक्तिशाली मंदिरों में होती है। स्कंद पुराण में मंदिर का जिक्र करते हुए बताया गया है कि ये शिवलिंग भगवान शिव का मस्तक है। भगवान शिव का मस्तक होने की वजह से एक समय मंदिर की ख्याति बहुत थी, लेकिन आक्रमणकारियों के आने के बाद मंदिर को खंडित करने का काम किया और प्राचीन शिवलिंग को तोड़ा गया। मंदिर की आस्था और भगवान शिव के आशीर्वाद को बरकरार रखने के लिए हिंदू समुदाय के लोगों ने एक नए शिवलिंग की स्थापना की, जिसकी पूजा आज तक होती आ रही है।

सावन और महाशिवरात्रि के मौके पर कृतिवासेश्वर महादेव का अद्भुत शृंगार होता है, लेकिन वहां तक पहुंचने वाले भक्तों की संख्या बहुत कम है। मंदिर के स्थान को वापस पाने के लिए कोर्ट में मामला लंबित है, और यही वजह है कि बहुत कम ही भक्त मंदिर तक पहुंच पाते हैं।

महर्षि दयानन्द सरस्वती की 202वीं जयंती पर विशेष

मूलशंकर - महर्षि दयानन्द सरस्वती नहीं बनते तो क्या होता?

महर्षि दयानन्द सरस्वती जी की 202वीं जयंती पर उनके जीवन, विचार और वैदिक पुनर्जागरण में उनके अद्वितीय योगदान को स्मरण करना प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है।

गुजरात में काठियावाड़ के मोरबी जिले के अन्तर्गत टंकारा एक ग्राम है। यहां श्री कर्षन जी के यहां एक बालक हुआ जिसका नाम रखा गया मूलशंकर। यह दिन था 12 फरवरी 1824 ई. का पुण्य दिवस।

पांच वर्ष की अवस्था में बालक मूलशंकर को अक्षर बोध कराया गया। शीघ्र ही बहुत से वेद मंत्र भी कण्ठस्थ कराए गए। आठवें वर्ष उसका यज्ञोपवीत संस्कार हुआ। फिर उसे नियमपूर्वक वेद पढ़ाया जाने लगा। चौदहवें वर्ष में उसने व्याकरण, सम्पूर्ण यजुर्वेद और दूसरे वेदों के कुछ भाग याद कर लिए। अब उसे विद्या का स्वाद लग चुका था।सन् 1838 की शिवरात्रि थी। बालक मूलशंकर के हृदय में शिवजी के प्रति अगाध श्रद्धा थी। यह उसका पहला व्रत और जागने का, भगवान को प्रसन्न करने का सुलभ अवसर था। वह अपने पिताजी के साथ पास के ही एक शिव मंदिर में गया। वहां बहुत सारे भजन हुए, बाजे बजे, पूजा हुई, ठंडाई बंटी, भांग उड़ी। जब रात अधिक होने लगी तो एक-एक करके सभी सोने लगे। अकेला मूलशंकर निद्रा के साथ निरन्तर युद्ध कर रहा था। इतने में एक विचित्र घटना घटी। देखता क्या है कि एक चूहे ने शिवजी पर चढ़ाई की और खूब लूट-मार मचाई।

बालक मूलशंकर को आश्चर्य हुआ। मन में शंका उत्पन्न हुई। तीक्ष्ण बुद्धि बालक को कोई समाधान नहीं हुआ। वह मन ही मन सोचने लगा ˉ जब यह सच्चे शिवजी नहीं हैं तो मैं क्यों व्रत रखूं और क्यों जागरण करूं? मुझे तो सच्चे शिवजी की खोज करनी चाहिए।

चूहे की चढ़ाई, और 14 वर्षीय भगिनी तथा फिर चाचा की हैजे से मृत्यु से बालक मूलशंकर को बड़ा दुख हुआ। अपनों को काल के गाल में समाता देख वह अत्यंत दु:खी हुआ। मन कहीं लगता न था। जो भी विद्वान और पण्डित मिलता, उससे सच्चे शिवजी का पता और मृत्यु को जीतने के उपाय पूछता।

मूलशंकर में वैराग्य की मात्रा बढ़ रही थी और उसके माता-पिता ने इसे विवाह बन्धन में बांधना चाहा। मूलशंकर था बड़ा सयाना। वह इस बन्धन को ही मृत्यु समझता था। अन्त में एक दिन सांयकाल को वह घर से निकल ही पड़ा। उस समय उसकी आयु 21 वर्ष की थी। मूलशंकर ने सुन रखा था कि योग द्वारा सच्चे शिवजी के दर्शन होते हैं, मृत्यु को जीता जा सकता है। अतः घर से निकलते ही उसने सच्चे योगी की खोज आरम्भ की। उसने लगातार साधु-संतों और योगियों की संगति की और दो वर्ष बाद स्वामी पूर्णानन्द सरस्वती जी से संन्यास की दीक्षा ली और स्वामी दयानन्द सरस्वती कहलाने लगे।यहां से मूलशंकर अब स्वामी दयानन्द सरस्वती हो गए। स्वामी जी ने निरन्तर 12 वर्षों तक तीर्थस्थानों, गुफाओं, जंगलों और पहाड़ों में योगियों की खोज की। तुंगनाथ के ऊंचे शिखर पर और हिमाच्छादित प्रसिद्ध अलकनन्दा तक चढ़कर देखा, कहीं सच्चा योगी नहीं मिला। फिर स्वामी जी नीचे उतरकर घूमते-फिरते स्वामी विरजानन्द सरस्वती जी का नाम सुन मथुरा पहुंचे। उनकी बाह्य आंखें तो बन्द थीं, पर ज्ञानचक्षु खुले थे। वह केवल ऋषि प्रणीत ग्रंथों पर विश्वास करते थे। उनकी स्मृति बड़ी विलक्षण थी। एक बार सुनने से ही पाठ कण्ठ हो जाता था। उनका पाण्डित्य, उनकी प्रतिभा, उनका शास्त्र ज्ञान, उनका भाषण-चातुर्य सब कुछ अद्भुत था। सारे शास्त्र उनकी जिह्वा पर नाचते थे।स्वामी दयानन्द सरस्वती ने तीन-चार वर्षों में ही पाणिनीय व्याकरण, महाभाष्य, उपनिषद, मनुस्मृति, ब्रह्मसूत्र, पतंजलि योगसूत्र, वेद और वेदांगों का अध्ययन कर गुरु विरजानन्द सरस्वती से दीक्षा ली। दीक्षांत के समय स्वामी जी गुरु चरणों में लौंग भेंट करते हैं। गुरु अप्रसन्न होकर कहते हैं ˉ बेटा! मैं तुम्हारी लौंगों से सन्तुष्ट नहीं हूं। मुझे बहुत कुछ चाहिए। उसके मिलने की आशा तुम्हीं से है। संसार वेदों को भूल चुका है। मैं चाहता हूं कि तुम संसार में वेदों का सच्चा ज्ञान फैलाओ।

स्वामी जी ने विनम्र भाव से निवेदन किया कि परम पूजनीय गुरुवर! दयानन्द अपने तन-मन को अर्पण करता है। ईश्वर आपका एक-एक अक्षर साकार करे।फिर गुरु चरणों में शीश धर स्वामी जी ने आशीर्वाद मांगा। गुरुवर प्रसन्नतापूर्वक आशीर्वाद देकर शिष्य को विदा करते हैं। उस समय दयानन्द की आयु 39 वर्ष की थी।

गुरुवर के आशीर्वाद को लेकर स्वामीजी आगरा, ग्वालियर, जयपुर, अजमेर आदि स्थानों में पहुंचे और अनेक सम्प्रदायों के साथ तर्क-युद्ध करने लगे। इस युद्ध में यद्यपि विजय स्वामीजी की ही होती रही, पर मन में शंकाएं भी कई प्रकार की उत्पन्न होती रहीं। अपने मूल सिद्धान्तों को निश्चित करने और शंकाओं का समाधान पाने स्वामीजी सन् 1867 में फिर गुरु चरणों में उपस्थित हुए। स्वामीजी की अपने गुरु से यह आखिरी भेंट थी।

महर्षि स्वामी दयानन्द सरस्वती सन् 1867 में कुम्भ मेले के अवसर पर हरिद्वार पहुंचे। यहां एक ऊंचे स्थान पर पर्णकुटी में पाखण्ड मर्दन नाम की पताका लगाई और सारे अवैदिक मतों का तीव्र खण्डन किया। साथ ही शुद्ध वैदिक धर्म का उपदेश भी दिया। कुम्भ मेले से चलकर स्वामीजी फर्रुखाबाद पहुंचे। वहां उन्होंने मूर्तिपूजा का इतना घोर खण्डन किया कि लोग उन्हें मारने का षड्यन्त्र रचने लगे। स्वामीजी का ओजपूर्ण और तत्वसम्पन्न खण्डन सुन असंख्य मूर्तिपूजकों ने अपनी-अपनी मूर्तियां गंगाजी में बहा दीं।

स्वामीजी काशी पहुंचे। यहां मंगलवार, 17 नवंबर 1869 को दोपहर 3:00 बजे शास्त्रार्थ का समय निश्चित हुआ। विपक्षियों में पण्डित ताराचरण तर्करत्न, स्वामी विशुद्धानन्द, पण्डित बालशास्त्री आदि शास्त्रार्थ महारथी अग्रणी थे। काशी नरेश इस सभा के अध्यक्ष थे।

इस शास्त्रार्थ के विषय में 'हिंदू पेट्रियट' के 17 जनवरी 1870 के अंक में उल्लेख है ...... दयानन्द सरस्वती और पण्डितों में बड़ा भारी और लम्बा शास्त्रार्थ हुआ। परन्तु पण्डितों का, जिन्हें अपनी शास्त्रज्ञता का गर्व था, पूर्ण पराजय हुआ। पण्डितों ने जब जान लिया कि नियमबद्ध शास्त्रार्थ में ऐसे महान व्यक्ति से पार पाना असम्भव है तो वह अपना उद्देश्य पूरा करने के लिए पापमय उपायों के अवलम्बन पर उतारू हो गए। ....

काशी के इस शास्त्रार्थ से देश के कोने-कोने में वेद का सन्देश पहुंचा। अगले चार मास तक स्वामीजी वहीं रहे। मूर्तिपूजा का और भी तीव्र खण्डन करने लगे, पर किसी की हिम्मत उनके सामने आने की न हुई। इस शास्त्रार्थ से ऋषि को यह भी ज्ञात हुआ कि स्वयं काशी का पण्डितवर्ग भी सच्चे ईश्वर और सत्य मार्ग से कितना दूर है।स्वामीजी ने भारतवर्ष में अनेक स्थानों पर शास्त्रार्थ कर वहां के पण्डितों को परास्त किया। इन शास्त्रार्थों और व्याख्यानों का देश पर गहरा प्रभाव पड़ा। सहस्रों व्यक्ति वेदों के भक्त बन गए। अतः स्वामीजी ने अनेक स्थानों पर वैदिक पाठशालाएं खोलना आरम्भ किया। परन्तु जिन अध्यापकों को नियुक्त किया गया था, उनके हृदयों से पुराणों की गहरी छाप अभी निकली नहीं थी। यह देख स्वामीजी ने इन पाठशालाओं को तुरन्त बन्द कर दिया।

स्वामीजी वेद प्रचार कार्य को स्थिर और संगठित रूप देना चाहते थे। इसी उद्देश्य से आर्यसमाज की स्थापना बुधवार, 7 अप्रैल 1875 को मुंबई नगर के गिरगांव में हुई, ऐसा आजकल प्रसिद्ध है।

ऋषि दयानन्द अत्यन्त अद्भुत और महान थे। उन्होंने सच्चे ईश्वर के सम्मान की स्थापना की। उनका उद्देश्य था कि सभी लोग ईश्वर की आज्ञा ˉ वेदमत का पालन करें। समस्त संसार के लोग उस एक सर्वशक्तिमान, सर्वव्यापक, निराकार परमात्मा की स्तुति, प्रार्थना और उपासना करें।वेद, जिसे ईश्वर ने सृष्टि के आदिकाल में मनुष्यों को प्रदान किया, उसमें मनुष्यों के सभी कर्तव्य निहित हैं। समस्त सत्य विद्या का आदि मूल वेद है। लोग प्रभु की वाणी इस वेद को भूल चुके थे। आर्य भाषा में इसका भाष्य सबसे पहले ऋषि दयानन्द ने किया ताकि साधारण बुद्धिवाला प्रत्येक मनुष्य उसे पढ़कर अपना जीवन सुधार सके।पहले तो वेद यहां प्रकाशित ही नहीं हुए थे। जर्मनी से ऋषि ने ही वेद मंगवाए। फिर वैदिक यन्त्रालय खोलकर वेदभाष्य छपवाना आरम्भ किया। तत्पश्चात अपना भाष्य संसार के सामने रखकर सबको वेद की प्रधानता का पाठ पढ़ाया। आर्यसमाज ने ऋषि के इस वेद प्रचार को ही अपना मुख्य कार्य बनाया और यह है भी मुख्य। (सन्दर्भ ग्रंथ : महर्षि चरित्र प्रकाश)

-भक्त राम
अध्यक्ष, स्वतंत्रता सेनानी पंडित गंगाराम स्मारक मंच
हैदराबाद

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

संपादकीय

आर्थिक संकट में प्राथमिकताएं

अंततः हिमाचल की प्राथमिकताओं के द्वार पर आरडीजी का सूर्यास्त बता रहा है कि 'इन अंधेरों से खेलने की बारी है, पलकें तो खोलो सामने इश्तिहार बड़ा है।' देश का शांतिप्रिय राज्य, पर्वतीय राज्यों का मॉडल, केंद्रीय नीतियों का उद्धार करता हिमाचल आज आर्थिक दृष्टि में कमजोर साबित हो रहा है, तो राजनीति के लिए कई सबक और जनप्रतिनिधियों के विजन पर सवाल बड़े हो जाते हैं। एक मुआयना यह था कि विधायक प्राथमिकताओं में हमारे जनप्रतिनिधि सोचते क्या हैं। क्या आर्थिक संकट के बीच भी वही पुरानी फटी धोती के रूमाल बांटने की कोशिश हो रही है या कोई नवाचार सामने आया। अभी हमने वही लेखा जोखा रखा जो वर्षों से बजट को आगंतुक मानकर उसके उपहारों पर नजर रखता है। अभी भी हमारे परिवेश में जागृति या जागरूकता के मंजर, सड़क, पुलिया या पुल के सहारे खींचे जा रहे हैं। कहीं सडक़ों पर बिखर रही सरकारी बसों की हालत पर प्रायश्चित यह कि शीघ्र नई बसें दे दी जाएं या बिजली-पानी की आपूर्ति को निर्वघ्न करने की गारंटी दे दी जाए। बहुत सारे बस स्टैंड चाहिएं, अस्पताल बेहतर और उनमें उम्मीदों के डॉक्टर चाहिए। कोई धन्यवाद करता है कि चिंतपूर्णी मंदिर को एक सौ तीस करोड़ दे कर सरकार ने पुण्य कर दिया, लेकिन क्या हमने सोचा कि मंदिरों की आय बढ़ाने के लिए क्या करें। आखिर पूजा स्थल पर कितने कर्मचारी और कितना कॉडर चाहिए। किस तरह मंदिर आय को बढ़ावा चाहिए। प्रदेश के बनखंडी में तीन दशक पूर्व एक छोटा सा बगला मुखी मंदिर था। महंत जी ने आगे देखा, जनता की श्रद्धा में आशा देखी और मंदिर के महत्त्व में एक मॉडल देखा। नतीजतन आज यह मंदिर, धार्मिक आस्था से कमाई का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण बन गया है। क्या चिंतपूर्णी मंदिर पर लग रहे 130 करोड़ रुपए यह आश्वासन देंगे कि परियोजनाओं के आंगन में मंदिर की आय कितनी बढ़ेगी और कितना रोजगार प्राप्त होगा। अगर मंदिर आय से फिजूलखर्ची न हो, तो हिमाचल एक योजना के तहत मंदिर आर्थिकी को पांच हजार करोड़ तक पहुंचा सकता है, लेकिन यहां तो तने हुए विधायक अपने क्षेत्र के धार्मिक स्थलों को अपना बंधुआ मजदूर मानते हैं। बेशक प्राथमिकताओं से विकास निकलना चाहिए, लेकिन कब हम सोचेंगे कि हर व्यय से कमाया जाए। हमारे निर्माण की गुणवत्ता आखिर है क्या और हम हर साल आपदा में खुद को कितना निर्माण डूबो लेते हैं। यहां विधायक डा. जनक राज और नीरज नैयर एक बड़ा खाका खींचते हैं। यानी होली-उतराला व चुवाड़ी सुरंग मार्ग अगर हमारी प्राथमिकता बनें, तो व्यापार, रोजगार, पर्यटन और कनेक्टिविटी से आर्थिकी बढ़ेगी। इसी तरह विधायक विनय कुमार रेणुका जी झील की डिसिल्टिंग से परिवेश की मौलिकता में पर्यटन के बड़े पांव को देखते हैं। भुवनेश्वर गौड़ को मनाली में आईस स्केटिंग रिंक तो नाचन के विधायक विनोद कुमार को इंडोर स्टेडियम चाहिए। कांगड़ा के विधायक पवन काजल जल शक्ति विभाग की परिक्रमा पारंपरिक कूहलों की तरफ कराते हैं। हमारे विकास की गति से पर्वतीय अंचल के आधारभूत लक्षण गायब हो रहे हैं। सिंचाई के नाम बजट से होती खुराफात के नतीजे हैं कि तालाब, छप्पड़, कुएं, खातरियां और कूहलें अब डंपिंग ग्राउंड बन गए हैं। अगर तमाम विधायक सिर्फ चैक डैमों की सफाई को ही प्राथमिकता मान लें, तो जल संबर्धन में एक बड़ा काम हो सकता है। सभी विधायकों की प्राथमिक योजनाओं में एक रूटीन वर्क है, जबकि आगे बढऩे के लिए कमोबेश इस साल तो आर्थिकी बढ़ाने के लिए सोचना होगा। अगर हर विधायक अपने क्षेत्र में बेरोजगार युवाओं को आधुनिक बाजार, बस स्टॉप परिसर या बस स्टैंड कांपलेक्स के जरिए व्यापार करने का निमंत्रण दें तो हजारों बच्चे कामयाब हो सकते हैं। विडंबना यह है कि न कोई ट्रांसपोर्ट नगर की मांग हो रही है और न ही आईटी पार्क की, जबकि हिमाचल में तकनीकी विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम इनसे संबंधित डिग्रियां बांट रहा है। किसी विधायक ने मांग नहीं रखी कि उसके विधानसभा क्षेत्र के अस्पताल को पर्यटक अस्पताल बना दिया जाए। कोई फिशरीज, रेशम कीड़ों के उत्पादन, कोल्ड स्टोरेज या दुग्ध उत्पादन क्षेत्र में कुछ करता हुआ नहीं दिखाई देता। जाहिर है प्राथमिकताओं में विजन का निवेश होना चाहिए, ताकि हर विधायक अपने रोड मैप के तहत नवाचार, व्यापार, उद्योग, स्वरोजगार, पर्यटन व धार्मिक पर्यटन क्षेत्र में विस्तार के सपने देख सके।

देश का शांतिप्रिय राज्य, पर्वतीय राज्यों का मॉडल, केंद्रीय नीतियों का उद्धार करता हिमाचल आज आर्थिक दृष्टि में कमजोर साबित हो रहा है, तो राजनीति के लिए कई सबक और जनप्रतिनिधियों के विजन पर सवाल बड़े हो जाते हैं। एक मुआयना यह था कि विधायक प्राथमिकताओं में हमारे जनप्रतिनिधि सोचते क्या हैं। क्या आर्थिक संकट के बीच भी वही पुरानी फटी धोती के रूमाल बांटने की कोशिश हो रही है या कोई नवाचार सामने आया। अभी हमने वही लेखा जोखा रखा जो वर्षों से बजट को आगंतुक मानकर उसके उपहारों पर नजर रखता है। अभी भी हमारे परिवेश में जागृति या जागरूकता के मंजर, सडक़, पुलिया या पुल के सहारे खींचे जा रहे हैं। कहीं सडक़ों पर बिखर रही सरकारी बसों की हालत पर प्रायश्चित यह कि शीघ्र नई बसें दे दी जाएं या बिजली–पानी की आपूर्ति को निर्वघ्न करने की गारंटी दे दी जाए। बहुत सारे बस स्टैंड चाहिएं, अस्पताल बेहतर और उनमें उम्मीदों के डॉक्टर चाहिए। कोई धन्यवाद करता है कि चिंतपूर्णी मंदिर को एक सौ तीस करोड़ दे कर सरकार ने पुण्य कर दिया, लेकिन क्या हमने सोचा कि मंदिरों की आय बढ़ाने के लिए क्या करें। आखिर पूजा स्थल पर कितने कर्मचारी और कितना कॉडर चाहिए। किस तरह मंदिर आय को बढ़ावा चाहिए। प्रदेश के बनखंडी में तीन दशक पूर्व एक छोटा सा बगला मुखी मंदिर था। महंत जी ने आगे देखा, जनता की श्रद्धा में आशा देखी और मंदिर के महत्त्व में एक मॉडल देखा। नतीजतन आज यह मंदिर, धार्मिक आस्था से कमाई का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण बन गया है।

अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी लोकतंत्र के लिये एक चिन्ताजनक घटना है

लोकसभा-अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वासः लोकतंत्र की अग्निपरीक्षा

ललित गर्ग

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी लोकतंत्र के लिये एक चिन्ताजनक घटना है। क्योंकि लोकतंत्र केवल शासन की एक प्रणाली नहीं, बल्कि निरंतर संवाद, असहमति के सम्मान और संस्थागत विश्वास पर टिकी हुई एक जीवंत परंपरा है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में संसद इस लोकतंत्र का सर्वोच्च मंच है, जहाँ न केवल नीतियाँ बनती हैं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा बोलती है। ऐसे में जब लोकसभा अध्यक्ष जैसे संवैधानिक पद के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी की खबरें सामने आती हैं, तो यह घटना किसी एक व्यक्ति या दल तक सीमित न रहकर पूरे लोकतांत्रिक ढांचे पर प्रश्नचिहन खड़ा कर देती है। विपक्षी दलों द्वारा यह आरोप लगाया जाना कि उन्हें, विशेषकर नेता प्रतिपक्ष को, सदन में बोलने का समुचित अवसर नहीं मिल रहा, और इसी आधार पर अध्यक्ष की निष्पक्षता पर सवाल उठाना, एक गहरी चिंता का विषय है। यह चिंता इसलिए भी अधिक गंभीर हो जाती है क्योंकि अध्यक्ष का पद परंपरागत रूप से सत्ता और विपक्ष के बीच संतुलन का प्रतीक माना जाता रहा है।
लोकसभा अध्यक्ष की भूमिका केवल कार्यवाही संचालित करने तक सीमित नहीं होती, बल्कि वह सदन की गरिमा, लोकतांत्रिक मर्यादा और सभी पक्षों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने की संवैधानिक जिम्मेदारी भी निभाते हैं। यदि विपक्ष का एक बड़ा वर्ग यह महसूस करने लगे कि अध्यक्ष का व्यवहार पक्षपातपूर्ण है या उनकी आवाज को व्यवस्थित रूप से दबाया जा रहा है, तो यह केवल राजनीतिक असंतोष नहीं, बल्कि संस्थागत अविश्वास का संकेत होता है। 100 से अधिक सांसदों द्वारा हस्ताक्षर कर अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी यह दर्शाती है कि मामला क्षणिक आक्रोश का नहीं, बल्कि लंबे समय से पनप रही असहमति और संवादहीनता का परिणाम है। लोकसभा अध्यक्ष सदन के संरक्षक की भूमिका में होते हैं, जिनके प्रति विश्वास जरूरी होता है और उनसे भी निष्पक्षता की उम्मीद की जाती है। हालांकि यह भी उतना ही सत्य है कि संख्या बल के आधार पर इस तरह का प्रस्ताव पारित होना कठिन है, लेकिन लोकतंत्र में कई बार प्रतीकात्मक कदम भी गहरे संदेश देते हैं।
विपक्षी दलों द्वारा यह स्पष्ट करना कि वे टकराव के साथ-साथ सुलह का विकल्प भी खुला रखे हुए हैं, और इसी क्रम में विभिन्न वरिष्ठ नेताओं का अध्यक्ष से मुलाकात कर संवाद का प्रयास करना, इस बात का संकेत है कि अभी भी समाधान की गुंजाइश समाप्त नहीं हुई है। यह स्थिति हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि आखिर संसद जैसे सर्वोच्च मंच पर संवाद की जगह हंगामा, नारेबाजी और गतिरोध क्यों हावी होता जा रहा है। क्या यह केवल सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच अविश्वास का परिणाम है, या फिर संसदीय परंपराओं के क्षरण का संकेत? विगत वर्षों में बार-बार यह देखने को मिला है कि महत्वपूर्ण विधेयकों और राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर गंभीर चर्चा के बजाय सदन की कार्यवाही बाधित होती रही है। इससे न केवल विधायी कामकाज प्रभावित होता है, बल्कि जनता के बीच यह संदेश भी जाता है कि उनके चुने हुए प्रतिनिधि अपने दायित्वों के प्रति गंभीर नहीं हैं।
लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति यह है कि वह असहमति को स्थान देता है। विपक्ष का काम केवल विरोध करना नहीं, बल्कि सरकार को जवाबदेह ठहराना और वैकल्पिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करना भी है। इसके लिए सदन में बोलने का अवसर, प्रश्न पूछने की स्वतंत्रता और आलोचना का सम्मान अनिवार्य है। यदि विपक्ष यह महसूस करता है कि उसके लिए ये रास्ते संकुचित किए जा रहे हैं, तो उसका आक्रोश सड़कों या नारेबाजी के रूप में फूट पड़ता है, जो अंततः संसद की गरिमा को ही नुकसान पहुँचाता है। दूसरी ओर, विपक्ष द्वारा बार-बार सदन की कार्यवाही बाधित करना भी उतना ही गंभीर दोष है, क्योंकि इससे शासन की प्रक्रिया ठप होती है और जनता के मुद्दे पीछे छूट जाते हैं। इस दोतरफा अविश्वास और आक्रामकता के बीच लोकतंत्र का मूल उद्देश्य कहीं खोता हुआ दिखता है।
दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में यदि संसद बार-बार हंगामे, निलंबन और गतिरोध की खबरों में रहे, तो यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत की लोकतांत्रिक छवि को प्रभावित करता है। विकास, नीति और जनकल्याण की चर्चा के स्थान पर यदि टकराव और अविश्वास केंद्र में आ जाए, तो यह भविष्य के लिए शुभ संकेत नहीं है। लोकतंत्र की मजबूती केवल मजबूत सरकार से नहीं, बल्कि मजबूत विपक्ष और निष्पक्ष संस्थानों से भी आती है। लोकसभा अध्यक्ष जैसे पद से अपेक्षा की जाती है कि वह न केवल नियमों का पालन कराए, बल्कि विश्वास का सेतु भी बने। वहीं विपक्ष से भी यह अपेक्षा है कि वह विरोध को रचनात्मक बनाए, न कि अवरोध का माध्यम।
आज आवश्यकता इस बात की है कि संसद को फिर से संवाद का मंच बनाया जाए, जहाँ तीखी असहमति भी मर्यादा में व्यक्त हो और सत्ता व विपक्ष दोनों ही लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराएँ। अविश्वास प्रस्ताव जैसे कदम यदि चेतावनी के रूप में लिए जा रहे हैं, तो उन्हें आत्ममंथन का अवसर भी बनना चाहिए। प्रश्न यह नहीं है कि कौन सही है और कौन गलत, बल्कि यह है कि लोकतंत्र की संस्था को कैसे स्वस्थ, विश्वसनीय और प्रभावी बनाया जाए। जनता ने सांसदों को नारे लगाने या कार्यवाही बाधित करने के लिए नहीं, बल्कि देश के भविष्य पर गंभीर विमर्श के लिए चुना है। यदि संसद इस अपेक्षा पर खरी नहीं उतरती, तो लोकतंत्र की नींव कमजोर होती है।
यह भी तथ्य है कि लोकसभा अध्यक्ष के रूप में श्री ओम बिरला का संसदीय संचालन अब तक सामान्यतः अनुशासित, कार्यकुशल और नियमसम्मत माना जाता रहा है। उनके कार्यकाल में लोकसभा की कार्यवाही को समयबद्ध ढंग से आगे बढ़ाने, विधायी कार्यों को प्राथमिकता देने और विभिन्न दलों को साथ लेकर चलने का प्रयास स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। अनेक अवसरों पर उन्होंने सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के बीच संतुलन साधने की कोशिश की है तथा संसदीय परंपराओं और नियमों के पालन पर बल दिया है। उनकी छवि एक ऐसे अध्यक्ष की रही है जो सदन को सुचारु रूप से चलाने के लिए होशियारी, धैर्य और व्यावहारिक समझ का प्रयोग करते हैं। लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति उनकी प्रतिबद्धता, संसदीय मर्यादाओं का आग्रह और संवाद के लिए दरवाज़े खुले रखने की प्रवृत्ति को देखते हुए उनके जैसे लोकसभा अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाने की स्थिति अपने आप में एक त्रासद और चिंताजनक घटना प्रतीत होती है। यह घटना व्यक्ति विशेष से अधिक उस माहौल की ओर संकेत करती है, जहाँ अविश्वास इतना गहरा हो चुका है कि संवाद और विश्वास के पुल कमजोर पड़ते जा रहे हैं।
अंततः यह समय आरोप-प्रत्यारोप से आगे बढ़कर जिम्मेदारी स्वीकार करने का है। सत्तापक्ष को यह समझना होगा कि मजबूत विपक्ष लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी ताकत है। विपक्ष को यह स्वीकार करना होगा कि विरोध की भी एक मर्यादा और रचनात्मकता होती है। और अध्यक्ष जैसे संवैधानिक पदों को यह स्मरण रखना होगा कि उनकी निष्पक्षता केवल नियमों के पालन से नहीं, बल्कि व्यवहार और अवसर की समानता से भी सिद्ध होती है। यदि संसद को संवाद का मंच बनाए रखने में हम विफल रहते हैं, तो यह केवल एक सत्र या एक सरकार की विफलता नहीं होगी, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति हमारी सामूहिक असफलता मानी जाएगी। यही वह बिंदु है जहाँ हर नागरिक, हर जनप्रतिनिधि और हर संस्था को आत्मचिंतन करना होगा, ताकि विकास की राह में विनाश की संभावनाएँ नहीं, बल्कि संवाद, विश्वास और लोकतांत्रिक परिपक्वता का मार्ग प्रशस्त हो सके।

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में संसद इस लोकतंत्र का सर्वोच्च मंच है, जहाँ न केवल नीतियाँ बनती हैं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा बोलती है। ऐसे में जब लोकसभा अध्यक्ष जैसे संवैधानिक पद के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी की खबरें सामने आती हैं, तो यह घटना किसी एक व्यक्ति या दल तक सीमित न रहकर पूरे लोकतांत्रिक ढांचे पर प्रश्नचिहन खड़ा कर देती है। विपक्षी दलों द्वारा यह आरोप लगाया जाना कि उन्हें, विशेषकर नेता प्रतिपक्ष को, सदन में बोलने का समुचित अवसर नहीं मिल रहा, और इसी आधार पर अध्यक्ष की निष्पक्षता पर सवाल उठाना, एक गहरी चिंता का विषय है। यह चिंता इसलिए भी अधिक गंभीर हो जाती है क्योंकि अध्यक्ष का पद परंपरागत रूप से सत्ता और विपक्ष के बीच संतुलन का प्रतीक माना जाता रहा है।

देश दुनिया से

समस्याओं के निराकरण के बजाए अखाड़ा बनी संसद

देश में मौजूद गंभीर मुद्दों पर चर्चा और उनके समाधान के प्रयासों के बजाए निहित राजनीतिक स्वार्थों के लिए संसद में दलगत राजनीति भारी पड़ रही है। संसद सत्तारुढ़ और विपक्ष के लिए अखाड़ा बनी हुई है। देश के कर्णधारों को देश की बिगड़ती दिशा—दशा की कोई परवाह नहीं है। दिल्ली अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) और अन्य शोधों के अनुसार, वायु प्रदूषण न केवल श्वसन प्रणाली, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य को भी गंभीर रूप से प्रभावित कर रहा है। जहरीली हवा के लंबे समय तक संपर्क में रहने से तनाव, चिंता, अवसाद (डिप्रेशन), संज्ञानात्मक हानि और बच्चों में एडीएचडी जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं, जिसे विशेषज्ञ एक 'मानसिक स्वास्थ्य आपातकाल' मान रहे हैं। एरोसोल सूक्ष्म कणों पीएम 2.5 और जहरीली गैसों से दिमागी सूजन और ऑक्सीडेटिव तनाव होता है, जो अवसाद और चिड़चिड़ापन पैदा करता है। प्रदूषण के कारण वयस्कों में भावनात्मक थकान, निर्णय लेने की क्षमता में कमी और बच्चों में सीखने में कठिनाई देखी जा रही है। लंबे समय तक प्रदूषित हवा में रहने से अल्जाइमर और पार्किंसंस जैसे तंत्रिका अपक्षयी विकारों का खतरा बढ़ जाता है। अध्ययन बताते हैं कि पीएम 2.5 के एरोसोल घटक, डिप्रेशन और चिंता से सीधे जुड़े हैं। एम्स की एक अन्य रिसर्च में स्पीच एनालिसिस तकनीक के जरिए डिप्रेशन की पहचान की जा रही है, जो बताता है कि मानसिक स्वास्थ्य पर प्रदूषण का असर कितना गहरा है। विशेषज्ञों के अनुसार, स्मॉग के दौरान बाहर निकलने से बचें, मास्क का उपयोग करें, घर में एयर प्यूरीफायर लगाएं और तनाव कम करने के लिए योग व स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं। इसी तरह इंडियन साइकियाट्रिक सोसायटी की 77वीं वार्षिक राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में विशेषज्ञों ने बताया कि आज भारत में करीब 60 प्रतिशत मानसिक रोग 35 साल से कम उम्र के लोगों में पाए जा रहे हैं। यह आंकड़ा इसलिए चिंताजनक है क्योंकि यही उम्र पढ़ाई पूरी करने, करियर बनाने और समाज में सक्रिय भूमिका निभाने की होती है। अगर इसी समय मानसिक समस्याएं शुरू हो जाएं और उनका इलाज न हो, तो इसका असर पूरी जिंदगी पर पड़ सकता है। कांफ्रेंस में यह भी बताया गया कि कोविड-19 महामारी, आर्थिक अस्थिरता और बदलती सामाजिक संरचना ने युवाओं के तनाव को और बढ़ा दिया है। महामारी के बाद पढ़ाई, नौकरी और भविष्य को लेकर अनिश्चितता ने चिंता और डिप्रेशन के मामलों में इजाफा किया है। जिम्मेदार राष्ट्र सूचकांक:2026 में सिंगापुर पहले स्थान पर काबिज है, वहीं भारत 16वें नंबर पर है। रिपोर्ट में यह आंका गया है कि कोई देश अपने लोगों और पूरी दुनिया के लिए कितना जिम्मेदार है। इस सूची में सिंगापुर को दुनिया का सबसे जिम्मेदार देश घोषित किया गया है। सिंगापुर ने शासन, समाज और पर्यावरण के क्षेत्र में बेहतर काम करके पहला स्थान हासिल किया है। इसी तरह साल 2026 के ग्लोबल सॉफ्ट पावर इंडेक्स में भारत 48.0 के स्कोर के साथ इस फेहरिस्त में 32वें स्थान पर है। यह पिछले साल के मुकाबले दो स्थान नीचे और 1.8 अंक कम है। सॉफ्ट पावर किसी देश की उस क्षमता को कहते हैं, जिसमें वह सैन्य बल के बजाय अपनी संस्कृति और मूल्यों से दूसरे देशों को प्रभावित करता है। विश्व रैंकिंग में भारत का स्थान और घरेलू आंतरिक चुनौतियों पर चर्चा और इनके समाधान के बजाए सबसे बड़ा लोकतांत्रिक मंच संसद तमाशा बनी हुई है। सांसद देश की वास्तविक समस्याओं पर चर्चा करने के बजाए गरिमा को तार—तार करने में लगे हुए हैं। संसद के मौजूदा सत्र में लोकसभा में भारी हंगामे के दौरान कुछ सांसदों ने स्पीकर के आसन की ओर कागज फेंके, जिसके बाद उन्हें सत्र की बाकी अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया। यह कार्रवाई संसदीय कार्य मंत्री के प्रस्ताव पर हुई, जिसे सदन ने मंजूर कर लिया। दरअसल, राहुल गांधी को बोलने से रोके जाने पर विपक्षी दल भड़क गए थे और हंगामा शुरू कर दिया था। इस मामले में कुल आठ सांसदों पर कार्रवाई हुई और उन्हें निलंबित कर दिया गया। लोकसभा में पीएम मोदी का अभिभाषण होना था, उनको धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देना था। इसके लिए पीएम मोदी लोकसभा में पहुंच भी चुके थे। लेकिन उनका अभिभाषण शुरू होने से पहले ही सदन की कार्यवाही गुरुवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। विपक्ष के हंगामे की वजह से सदन की कार्यवाही स्थगित की गई। भारत- यूएस ट्रेड डील पर केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने सरकार का पक्ष रखना शुरू किया था, तो विपक्षी सांसदों ने हंगामा शुरू कर दिया था। पीयूष गोयल ने इस दौरान कहा कि भारत और अमेरिका के बीच हुई ट्रेड डील पर कहा कि इसमें किसानों के हितों को सुरक्षित रक्षा गया है। इससे पहले राहुल गांधी आज फिर संसद में पूर्व आर्मी चीफ नरवणे की वो किताब लेकर पहुंचे। लोकसभा में लगातार हंगामा होता रहा। यही वजह है देश के युवा और उद्यमियों का लगातार भारत से मोह भंग हो रहा है। पिछले साल 2024 में भारत के दो लाख से भी ज्यादा अमीर लोगों ने भारतीय नागरिकता छोड़ दी। भारत छोड़कर विदेशों में बसने का चलन साल दर साल लगातार बढ़ रहा है। आंकड़े बताते हैं कि देश के लोगों को भारत की लाइफस्टाइल और यहां की आबो-हवा पसंद नहीं आ रही है, लेकिन उनको विदेशी धरती की लाइफस्टाइल ज्यादा लुभावनी और सुरक्षित लग रही है। साल 2024 में 2 लाख 6 हजार लोगों ने भारत की नागरिकता छोड़ दी। साल 2023 में 2 लाख 16 हजार 219 लोगों ने भारत की नागरिकता छोड़ दी थी। विशेषज्ञों का मानना है कि शिक्षा और नौकरियों के सीमित अवसर, सामाजिक असमानता और राजनीतिक माहौल लोगों को देश छोड़ने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। देश के बजाए निहित राजनीतिक हितों को प्राथमिकता देने से समस्याओं का अंबार कम होने का नाम नहीं ले रहा है। इससे पहले कि हालात बेकाबू हों देश के कर्णधार जिम्मेदारी का एहसास करें और समस्याओं के निदान में गंभीरता दिखाएं।

आप का नज़रिया

भागवत का 'हिंदू पुराण'

सरसंघचालक मोहन भागवत अक्सर 'हिंदू' को लेकर संबोधित करते रहे हैं। यह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की वैचारिकता भी है। कोई भी संगठन या उसका नेतृत्व अपनी विचारधारा का प्रचार कर सकता है। भागवत का मानना है कि भारत का प्रत्येक नागरिक बुनियादी और आत्मा के स्तर पर 'हिंदू' है। उसकी पूजा-पद्धति भिन्न हो सकती है। यानी मुसलमान, ईसाई, पारसी, यहूदी आदि समुदाय भी 'हिंदू' हैं। यह भारत का समावेशी चरित्र है। हमारे राष्ट्र में 'विविधता में एकता' आज भी बरकरार है और पूरे समन्वय, सौहार्द, स्नेह, भाईचारे के साथ बरकरार है। इसका बुनियादी कारण यह है कि हम समाज और राष्ट्र के तौर पर 'हिंदू' हैं। सरसंघचालक ने चार प्रकार के हिंदू बताए हैं। यह व्यावहारिक नहीं है और 'विविधता में एकता' वाले देश में आध्यात्मिकता का वर्गीकरण नहीं किया जा सकता। जो हिंदू है, वह हिंदू ही है, बेशक वह अपने 'हिंदूपन' को प्रचारित करे अथवा न करे या 'हिंदू' होने को भूल जाए अथवा 'गर्व से कहो हम हिंदू हैं' का उद्घोष करे। संघ प्रमुख के हिंदू वर्गीकरण को स्वीकार नहीं किया जा सकता, क्योंकि ऐसे हिंदू विद्वान, मनीषी, राजनेता, समाजसेवी, वैज्ञानिक आदि हुए हैं, जो सोच के स्तर पर 'नास्तिक' थे। वे मंदिर-मठ नहीं जाते थे और न ही नियमित पूजा-पाठ करते थे, लेकिन वे प्रकृति और परब्रह्म की 'शक्ति' को मानते थे। हालांकि उनकी व्याख्याएं भिन्न थीं। जरा सोचो, 'आर्य समाज' की स्थापना क्यों हुई थी? सभी 33 करोड़ देवी-देवताओं के अस्तित्व और सक्रियता को क्यों नहीं मानते? भागवत उन व्याख्याओं से सहमत नहीं हैं। उनका अपना 'थीसिस' है। लेकिन लंबे अंतराल के इतिहासों में ऐसे 'हिंदू' आज भी जिंदा हैं और प्रासंगिक हैं। उन्हें भुलाया नहीं गया। 'गर्व से हिंदू' का नारा लगाने वाले राजनीतिक जमात के लोग हैं। उनका संबंध संघ, भाजपा, विहिप और बजरंग दल से है। यह नारा राम मंदिर आंदोलन के दौरान खूब गूंजा। भारत में जैन, बौद्ध, सिख सरीखे अल्पसंख्यक समुदाय भी हैं, जिनके धर्म और पूजा-पाठ की आस्थाएं अलग-अलग हैं, लेकिन उन्हें बुनियादी और आत्मिक तौर पर 'हिंदू' माना जाता रहा है। सरकारी दस्तावेजों में भी उन्हें 'हिंदू' के तौर पर दर्ज किया जाता रहा है। दलित, आदिवासी, ओबीसी भी 'हिंदू' हैं। सवाल है कि असली हिंदू कौन है और सोच-विचार के स्तर का हिंदू कौन है? देश के प्रधानमंत्री मोदी ओबीसी हैं, लेकिन उनके स्तर का कर्मकांडी और प्रतिबद्ध, नतमस्तक हिंदू कोई दूसरा नहीं है। भागवत को प्रयास करना चाहिए कि 'हिंदू' की परिभाषा और चरित्र तय किए जाएं, क्योंकि हिंदू सोच तो बड़ी व्यापक है। उसे प्रकारों में व्याख्यायित नहीं किया जा सकता। स्वतंत्र भारत में जन्म लेने वाले मुसलमान, किसी भी स्तर पर, खुद को हिंदू नहीं मानते। उनके पुरखे हिंदू-सनातनी होंगे, उनके जबरन धर्मान्तरण किए गए होंगे, लेकिन आज का मुसलमान 'जन्मजात इस्लामी' है, जिसका 'हिंदू' होने से दूर-दूर तक का वास्ता नहीं है। बिल्कुल विपरीत धुरवों पर स्थित समुदाय हैं। भागवत देश के सभी समुदायों, वर्गों, धर्मों, मतों, संप्रदायों को 'हिंदू' मानते हैं, क्योंकि देश का नामकरण हिंदू सभ्यता-संस्कृति, इतिहास पर आधारित है, लेकिन हम 'विविधता में एकता' वाले देश हैं। सवाल यह है कि संघ प्रमुख बार-बार हिंदू के मुद्दे पर संबोधित क्यों करते हैं? वह हिंदुत्व की प्रासंगिक चर्चा करते हैं और धर्मान्तरण के विरोधी हैं। बेशक भारत की करीब 80 फीसदी आबादी हिंदू या हिंदूमता है, लेकिन संवैधानिक तौर पर भारत 'हिंदू राष्ट्र' नहीं है। क्या भागवत उसकी पृष्ठभूमि और प्रस्तावना तैयार कर लोगों के मानस बदलने की कोशिश कर रहे हैं?

भागवत का मानना है कि भारत का प्रत्येक नागरिक बुनियादी और आत्मा के स्तर पर 'हिंदू' है। उसकी पूजा–पद्धति भिन्न हो सकती है। यानी मुसलमान, ईसाई, पारसी, यहूदी आदि समुदाय भी 'हिंदू' हैं। यह भारत का समावेशी चरित्र है। हमारे राष्ट्र में 'विविधता में एकता' आज भी बरकरार है और पूरे समन्वय, सौहार्द, स्नेह, भाईचारे के साथ बरकरार है। इसका बुनियादी कारण यह है कि हम समाज और राष्ट्र के तौर पर 'हिंदू' हैं। सरसंघचालक ने चार प्रकार के हिंदू बताए हैं। यह व्यावहारिक नहीं है और 'विविधता में एकता' वाले देश में आध्यात्मिकता का वर्गीकरण नहीं किया जा सकता। जो हिंदू है, वह हिंदू ही है, बेशक वह अपने 'हिंदूपन' को प्रचारित करे अथवा न करे या 'हिंदू' होने को भूल जाए अथवा 'गर्व से कहो हम हिंदू हैं' का उद्घोष करे। संघ प्रमुख के हिंदू वर्गीकरण को स्वीकार नहीं किया जा सकता, क्योंकि ऐसे हिंदू विद्वान, मनीषी, राजनेता, समाजसेवी, वैज्ञानिक आदि हुए हैं, जो सोच के स्तर पर 'नास्तिक' थे। वे मंदिर–मठ नहीं जाते थे और न ही नियमित पूजा–पाठ करते थे, लेकिन वे प्रकृति और परब्रह्म की 'शक्ति' को मानते थे। हालांकि उनकी व्याख्याएं भिन्न थीं। जरा सोचो, 'आर्य समाज' की स्थापना क्यों हुई थी? सभी 33 करोड़ देवी–देवताओं के अस्तित्व और सक्रियता को क्यों नहीं मानते? भागवत उन व्याख्याओं से सहमत नहीं हैं। उनका अपना 'थीसिस' है। लेकिन लंबे अंतराल के इतिहासों में ऐसे 'हिंदू' आज भी जिंदा हैं और प्रासंगिक हैं। उन्हें भुलाया नहीं गया। 'गर्व से हिंदू' का नारा लगाने वाले राजनीतिक जमात के लोग हैं। उनका संबंध संघ, भाजपा, विहिप और बजरंग दल से है।

कुछ अलग

सो घट जान मसान

अपना प्रेम भले लौकिक है और कबीर साहिब का अलौकिक। इस विरोधाभास के बावजूद वह मुझे बचपन से ही प्रिय हैं। फिर प्रेम तो प्रेम है। चाहे वह हाड़-मांस की देह से हो या राम से। दोनों का अपना मज़ा है। दोनों की अपनी विशेषताएं हैं। दैहिक प्रेम भले जूते खा के मिले, लेकिन मिलता तो इसी जन्म में है। सीधा, सच्चा, खरा सौदा। न मरने का कोई भय और न परलोक या अगले जन्म की चिंता। जब करो तभी पाओ। पुनर्जन्म को नकारने वाली चार्वाक परम्परा अगर ऋण लेकर भी घी खाने की बात करती है तो अपने जैसे आशिक जूते खाकर भी प्रेम करने में यक़ीन रखते हैं। शशि थुरूर को हो देख लीजिए। न उम्र की सीमा है, न जन्म का है बंधन, न कोई लोक लाज। कम तो अपने दिग्गी राजा या उमर अब्दुल्ला भी नहीं। पर मौका मिलने पर कौन किसी से कम होता है।

दृष्टि कोण

भारत टैक्सी : सहकारिता का नया आयाम

पांच फरवरी 2026 को, गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने अमूल समेत कई सहकारी संस्थाओं के साथ मिलकर सहकारिता मंत्रालय की पहल के तौर पर भारत टैक्सी लॉन्च की। प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करते हुए भारत टैक्सी उबर और ओला की तर्ज पर टैक्सी सेवाएं प्रदान करेगी। यानी भारत टैक्सी ऐप इस्तेमाल द्वारा अब यात्री अपनी यात्रा बुक कर सकेंगे। भारत टैक्सी की खासियत यह है कि यह किसी कंपनी द्वारा चलाई गई ऐप नहीं है। इस उपक्रम के मालिक स्वयं ड्राइवर होंगे, और अब वे ड्राइवर नहीं सारथी कहलाएंगे। जो यात्रा इस ऐप के माध्यम से बुक की जाएगी उस पर सारथी यानी ड्राइवर को कोई शुल्क नहीं देना पड़ेगा। गौरतलब है कि उबर, ओला और अन्य टैक्सी ऐप में ड्राइवरों को वर्तमान में 10 से 30 प्रतिशत तक का शुल्क देना पड़ता है। यह आत्मनिर्भर भारत और सहकार से समृद्धि की दिशा में एक मजबूत कदम है। भारत टैक्सी, जो एक कोऑपरेटिव मॉडल पर बनी है, जहां ड्राइवर सिर्फ सेवा प्रदाता नहीं, बल्कि हितधारक भी हैं। पूर्व के ऐप प्लेटफॉर्म के उलट, भारत टैक्सी का मॉडल जीरो-कमीशन का है, जिससे यह पक्का होता है कि ड्राइवरों को उनकी सही कमाई मिलती रहे। भारत टैक्सी मॉडल के चार स्तंभ हैं सारथियों को ज्यादा आमदनी, सम्मान, सुरक्षा और लाभ में हिस्सा।

कैसे बढ़ेगी आमदनी : एक उदाहरण से यह स्पष्ट हो जाएगा कि कैसे एक ड्राइवर उबर, ओला या किसी अन्य कंपनी के ऐप पर ट्रिप खोजते हुए काम करता है। इन ऐप्स के कारण कमीशन, आय के नुकसान के कारण नाहक शोषण का शिकार होता है। उदाहरण के लिए यदि कोई ड्राइवर दिन में 14 ट्रिप करता है और लगभग 250 किलोमीटर की यात्रा करता है, जिसमें 300 रुपए प्रति ट्रिप का औसत किराया होता है, जिसका मतलब लगभग 14-15 घंटे काम करना हो सकता है, तो उसे 4200 रुपए की आय होगी। लेकिन यह आय वास्तव में उसकी नहीं है, वास्तव में इस आय का आधा भी उसका नहीं है। वास्तव में कंपनी औसतन इस आय का लगभग 25 प्रतिशत प्लेटफॉर्म शुल्क के रूप में लेती है, यानी 1050 रुपए सीधे कंपनी को जाते हैं। फिर, ड्राइवर को टैक्सी चलाने के लिए पेट्रोल/सीएनजी का भुगतान करना पड़ता है, 4 रुपए प्रति किलोमीटर माने तो लगभग 1000 रुपए। या फिर अगर कार किसी बैंक या संस्था से फाइनेंस करवाई गई है तो ईएमआई देनी पड़ सकती है और मेंटेनेंस के लिए भी रकम खर्च करनी पड़ सकती है। इसलिए, ड्राइवर को एक दिन में 14-15 घंटे काम करने पर सिर्फ 1150 रुपए बचेंगे, औसतन लगभग 80-85 रुपए प्रति घंटा। अब, भारत टैक्सी से जुडऩे वाले ड्राइवरों के बिना किसी कमीशन मॉडल के, अच्छे-खासी राशि की कमीशन बचाने से, उतने काम से उनकी आमदनी बढक़र 2150 रुपए प्रति दिन हो जाएगी, यानी 160 से 170 रुपए प्रति घंटा। इससे वह ज्यादा आराम के घंटे चुन सकते हैं, जिन्हें वह अपने परिवार के साथ बिता सकते हैं, जिससे उनका आराम और इनकम दोनों बेहतर होंगे। इसलिए, भारत टैक्सी न सिर्फ ड्राइवर, जो अब सारथी है, की आमदनी बेहतर करती है, बल्कि उसकी और उसके परिवार की खुशी भी बढ़ाती है।

सार्वजनिक डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर : भारत टैक्सी ओएनडीसी (ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स) पर बनी है, जो कि फिर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक ड्रीम प्रोजेक्ट है। इसे कोऑपरेशन मंत्रालय की देखरेख में विकसित किया गया है। ओएनडीसी एक खुला, पारदर्शी और एकाधिकार विहीन डिजिटल फ्रेमवर्क है, जो भारत के खुलेपन और निष्पक्षता के सभ्यागत मूल्यों के साथ जुड़ा हुआ है।

हरियाणा सर्वाधिक सामाजिक सुरक्षा पेंशन प्रदान करने वाला देश का पहला राज्य : नायब सिंह

चंडीगढ़, 11 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय दर्शन पर चलते हुए गरीब से गरीब व्यक्ति तक विकास का लाभ पंहुचा रही है। सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि विकास की रोशनी अंतिम छोर तक पंहुचे और कोई भी नागरिक पीछे ना छूटे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आज पंचकूला स्थित बीजेपी प्रदेश कार्यालय पंचकमल में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आयोजित 'समर्पण दिवस' कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर आज पूरा देश समर्पण दिवस मना रहा है। उन्होंने कहा कि आज का दिन यह याद दिलाता है कि राजनीति सत्ता का साधन नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम है। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऐसे राजनेता थे, जिन्हें सत्ता में कोई आकर्षण नहीं

था। फिर भी वे अपने अनुयायियों के दिलों पर राज करते थे। वे ईमानदारी की प्रतिमूर्ति थे। उन्होंने दलगत राजनीति से परे राष्ट्र-सेवा को सर्वोपरि माना।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने भारतीय जीवन-दर्शन, भारतीय रीति-नीति और महान संस्कृति, महान परंपराओं और सामाजिक ताने-बाने के अनुरूप 'एकात्म मानववाद' और 'अंत्योदय' जैसे कालजयी सिद्धांतों का प्रतिपादन किया। उन्होंने कहा कि समाज की प्रगति का मूल्यांकन शिखर पर खड़े व्यक्ति से नहीं, बल्कि अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की स्थिति से होना चाहिए। गांव, गरीब, किसान, वंचित, पीड़ित, शोषित और आदिवासी, यही उनके चिंतन के केंद्र में थे। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का मानना था कि जब तक समाज का अंतिम व्यक्ति सशक्त नहीं होगा, तब तक राष्ट्र सशक्त नहीं हो सकता।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि वर्तमान में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अंत्योदय के सिद्धांत के अनुरूप 'सबका साथ-सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' का मूल मंत्र दिया है। उन्होंने बिना किसी भेदभाव के हर पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने का संकल्प लिया है। गरीबों को आवास, शौचालय, उज्ज्वला गैस कनेक्शन, बिजली और शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के अभियान हों या देश की 80 करोड़ जनता को मुफ्त राशन देने की योजना, ये सभी प्रयास पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को व्यवहार में उतारने के उदाहरण हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में भी 'अंत्योदय दर्शन' पर चलते हुए गरीब से गरीब व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने के लिए भोजन, कपड़ा, आवास, शिक्षा एवं चिकित्सा जैसी मूलभूत आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए गरीब कल्याण के लिए अनेक कार्यक्रम चलाए हैं। प्रदेश में 41 लाख गरीब परिवारों को मुफ्त राशन दिया जा रहा है। हर घर-हर गृहिणी योजना के तहत 14 लाख 50 हजार परिवारों को 500 रुपये में गैस सिलेण्डर दिया जा रहा है।

मेगा परियोजनाओं की प्रगति की सख्त निगरानी कर समयबद्ध पूरा करें कार्य : सैनी

चंडीगढ़, 11 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को चंडीगढ़ में आयोजित स्टेट प्रगति डैशबोर्ड की समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य में चल रही मेगा परियोजनाओं की प्रगति की कड़ी निगरानी की जाए और उनके क्रियान्वयन में तेजी लाई जाए, ताकि सभी परियोजनाएं निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरी हो सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि 75 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली सभी प्रमुख परियोजनाओं को स्टेट प्रगति डैशबोर्ड पर अनिवार्य रूप से अपलोड किया जाए, जिससे विभिन्न स्तरों पर उनकी रियल-टाइम मॉनिटरिंग सुनिश्चित हो सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि गुणवत्ता और निर्माण कार्यों को समय पर पूरा करवाने के लिए लगातार निगरानी की जाए। सैनी ने परियोजनाओं में देरी पर कड़ा संज्ञान लेते हुए कहा कि जिन एजेंसियों को निर्माण कार्य अलॉट किए गए है उन कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन एजेंसियों की वजह से निर्माण कार्यों में विलंब हो रहा है, उनके विरुद्ध निर्धारित नियमों के अनुसार कार्रवाई की जाए।

श्रीमद् भगवद् गीता जीवन की हर चुनौती में सही मार्गदर्शन करती है : डा. सतीश पूनिया

चंडीगढ़, 11 फरवरी (एजेंसियां)। भाजपा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया ने बुधवार को गुरुग्राम यूनिवर्सिटी में श्रीमद् भगवद् गीता पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में सम्मिलित होकर 'नीति, राजनीति एवं गीता' विषय पर युवाओं से संवाद किया। उन्होंने कहा कि श्रीमद् भगवद् गीता न केवल आत्मा का ज्ञान देती है, बल्कि कर्म, नीति और जीवन की हर चुनौती में सही मार्गदर्शन भी प्रदान करती है। इस मौके पर उन्होंने अपनी पुस्तक 'अग्निपथ नहीं जनपथ' पर भी चर्चा युवाओं के साथ चर्चा की। डा. सतीश पूनिया ने कहा कि विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जापान के राष्ट्रपति से लेकर कई विकसित देशों के राष्ट्राध्यक्षों को गीता भेंट की, इन ऐतिहासिक क्षणों की साक्षी पूरी दुनिया है। डा. पूनिया ने कहा कि श्रीमद् भगवद् गीता विपरीत परिस्थितियों में भी साहसपूर्वक धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। गीता सिखाती है कि कर्म करना मनुष्य का अधिकार है, लेकिन उसके फल पर नहीं। युवाओं से संवाद करते हुए डा. सतीश पूनिया ने कहा कि अर्जुन की तरह जब भी हम असमंजस या नैतिक संकट में हों तो गीता समभाव, ज्ञान और बुद्धि से सही निर्णय लेने की राह दिखाती है।

भाजपा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया ने अपनी पुस्तक 'अग्निपथ नहीं, जनपथ' पर युवाओं से चर्चा करते हुए कहा कि यह किताब जनप्रतिनिधियों को संसदीय परंपरा के प्रति जागरूक करती है। इस मौके पर यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. संजय कौशिक, कुलसचिव डॉ. संजय अरोड़ा, संरक्षक प्रो. नीरा वर्मा, सम्मेलन अध्यक्ष प्रो. राकेश कुमार योगी सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

बच्चों की आय के आधार पर बुजुर्गों की पेंशन तय करना अमानवीय: राव नरेंद्र सिंह

चंडीगढ़, 11 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने राज्य सरकार के उस फैसले की तीखी निंदा की है, जिसमें बुढ़ापा पेंशन की पात्रता तय करने के लिए बच्चों की आय को आधार बनाया जा रहा है। उन्होंने इसे पूरी तरह संवेदनहीन, जनविरोधी और बुजुर्ग-विरोधी नीति करार दिया है, जो बुजुर्गों की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला है। राव नरेंद्र सिंह ने कहा, बुढ़ापा पेंशन कोई सरकार की मेहरबानी नहीं, बल्कि बुजुर्गों का संवैधानिक एवं नैतिक अधिकार है।

बुजुर्गों को सम्मान देने और उनकी स्वाभिमानपूर्ण जिंदगी सुनिश्चित करने के लिए यह योजना शुरू की। आज सरकार बच्चों की आय के आधार पर माता-पिता की पेंशन रोकने या काटने की कोशिश कर रही है - यह न केवल अमानवीय है, बल्कि सामाजिक न्याय, पारिवारिक मूल्यों

और बुजुर्गों के अपमान का प्रतीक है। उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान दौर में 3-4 लाख रुपये की वार्षिक आय को संपन्नता मानना हास्यास्पद है। जब महंगाई आसमान छू रही है, इलाज के खर्चे भारी पड़ रहे हैं, घरेलू जरूरतें पूरी करना मुश्किल हो गया है, तो ऐसी आय वाले परिवारों को भी पेंशन से वंचित करना सरकार की जन-विरोधी मानसिकता को उजागर करता है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि सरकार जानबूझकर ऐसे कठोर, अव्यावहारिक और मनमाने मापदंड लागू कर रही है, ताकि हजारों-लाखों बुजुर्गों को इस हक से महरूम किया जा सके। यह नीति बुजुर्गों को आत्मनिर्भर बनाने के बजाय उन्हें बच्चों पर आश्रित बनाती है, जबकि वास्तविकता यह है कि कई बुजुर्ग अकेले रहते हैं, उनके बच्चे दूर हैं या पारिवारिक सहयोग नहीं मिल पाता।

राव नरेंद्र सिंह ने हरियाणा सरकार से मांग की है कि वह जन-विरोधी शर्त तत्काल वापस ली जाए और सभी पात्र बुजुर्गों को बिना किसी भेदभाव के बुढ़ापा पेंशन प्रदान की जाए, ताकि उनके सम्मान और अधिकारों की रक्षा हो सके।उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि सरकार ने यह फैसला वापस नहीं लिया, तो हरियाणा कांग्रेस बुजुर्गों के सम्मान, गरिमा और उनके हक की रक्षा के लिए सड़कों से लेकर विधानसभा तक हर स्तर पर आंदोलन करेगी।

बढ़ता कर्ज़, घटती जिम्मेदारी, देश और हरियाणा दोनों की वित्तीय हालत चिंताजनक : सैलजा

सिरसा, 11 फरवरी (एजेंसियां)। सिरसा की सांसद, पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव कुमारी सैलजा ने केंद्र सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा है कि पिछले एक दशक में देश की अर्थव्यवस्था को विकास के नाम पर कर्ज के सहारे चलाया गया है। संसद में प्रस्तुत आधिकारिक आंकड़े इस बात की गवाही देते हैं कि 31 मार्च 2014 को केंद्र सरकार पर 58.6 लाख करोड़ का कर्ज था, जो 2024-25 में बढ़कर 185.95 लाख करोड़ हो गया है। कुमारी सैलजा ने कहा कि केवल 10 वर्षों में 127 लाख करोड़ से अधिक का नया कर्ज जोड़ दिया गया। यह वृद्धि सामान्य नहीं, बल्कि देश की वित्तीय सेहत पर एक गंभीर प्रश्नचिन्ह है।

सरकार विकास के बड़े-बड़े दावे करती है, लेकिन हकीकत यह है कि देश को कर्ज के बोझ तले दबाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब सरकार से इस पर जवाब मांगा जाता है तो कहा जाता है कि कर्ज का जीडीपी अनुपात नियंत्रण में है, लेकिन आम जनता यह जानना चाहती है कि यदि इतनी भारी उधारी ही अच्छी अर्थव्यवस्था का पैमाना है, तो फिर किसी भी घाटे में चल रही कंपनी को सफल कहा जा सकता है। कुमारी सैलजा ने कहा कि केवल केंद्र

सरकार ही नहीं, हरियाणा की वित्तीय स्थिति भी बेहद चिंताजनक है। राज्य में बुजुर्गों की पेंशन में कटौती की जा रही है, 'लाडो लक्ष्मी' जैसी योजनाओं को विभाजित किया जा रहा है, और किसानों को समय पर मुआवजा नहीं मिल पा रहा। यह दर्शाता है कि सरकार के पास लोकहित योजनाओं को चलाने के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं बचे हैं। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार का दावा करने वाली भाजपा सरकार असल में डबल कर्ज़ की सरकार बन चुकी है जहां विकास नहीं, बल्कि उधार के सहारे व्यवस्था चलाई जा रही है। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि झूठे नारे और विज्ञापन भले कुछ समय के लिए भ्रम पैदा कर दें, लेकिन सरकारी आंकड़े सच्चाई बयां करते हैं। देश और हरियाणा की जनता इस वित्तीय कुप्रबंधन का जवाब आने वाले समय में जरूर देगी।

पशुपालन एवं डेयरी सेक्टर को मजबूती देगा राज्य सरकार का बजट : जोराराम कुमावत

जयपुर, 11 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट 2026-27 पर प्रतिक्रिया देते हुए पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दूरदर्शी नेतृत्व में प्रस्तुत यह बजट विकसित राजस्थान- 2047 के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण और ठोस कदम है। कुमावत ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और वित्त मंत्री तथा उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह बजट समृद्ध किसान, सशक्त पशुपालक और विकसित राजस्थान की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में महत्व-पूर्ण कदम सिद्ध होगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन प्रावधानों से राज्य में पशुपालन क्षेत्र नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा। उन्होंने कहा कि बजट में पशुपालन, डेयरी मूल्य शृंखला, सहकारी निवेश को लेकर जो प्रोत्साहन दिए गए हैं, वे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ रोजगार के नए अवसर भी सृजित करेंगे। मंत्री ने इसे महिलाओं, छोटे किसानों और ग्रामीण गरीबों के सामाजिक-आर्थिक उत्थान (विकसित भारत) के लिए एक निर्णायक कदम माना। कुमावत ने पशुपालन से किसानों की आय में 25 से 30 प्रतिशत योगदान को स्वीकारते हुए कहा कि इस क्षेत्र में उद्यमिता विकास और आधुनिकीकरण पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

कुमावत का मानना है कि

बजट में किए गए प्रावधान डेयरी सेक्टर को मजबूती तो देंगे ही किसानों और पशुपालकों की आय बढ़ाने के साथ-साथ राज्य सरकार के 'विकसित प्रदेश के संकल्प को साकार करने में अहम भूमिका निभाएंगे। यह बजट डेयरी और पशुधन क्षेत्र के समग्र विकास के लिए एक मील का पत्थर है। उन्होंने डेयरी सेक्टर के विस्तार के लिए 2000 करोड़ के कोरपस फंड की घोषणा का स्वागत करते हुए, कहा कि सरस ब्रांड को गुणवत्तापूर्ण राष्ट्रीय डेयरी ब्रांड के रूप में स्थापित करने के लिए एनसीआर, उत्तरप्रदेश व मध्यप्रदेश आदि राज्यों में सरस उत्पादों के आउटलेट्स खोले जाएंगे। इसके लिए 100 करोड़ रुपए व्यय किए जाएंगे।

दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के साथ-साथ दुग्ध उत्पादकों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक सम्बल योजना के अंतर्गत 5 रुपए प्रति लीटर अनुदान दिया जा रहा है। आगामी वर्ष में इस योजना के तहत 700 करोड़ रुपए का अनुदान दिया जाएगा, जिससे लगभग 5 लाख पशुपालक लाभांवित होंगे। इसके अलावा एक लाख पशुपालकों को दूध आधारित उत्पाद-शुद्ध घी, मावा, पनीर, मिठाई आदि बनाने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा।

चिकित्सा विभाग की प्रमुख शासन सचिव ने किया 181 हेल्पलाइन का अवलोकन

जयपुर, 11 फरवरी (एजेंसियां)। प्रदेश के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बुधवार को शासन सचिवालय स्थित 181 हेल्पलाइन केंद्र का अवलोकन किया। उन्होंने यहां कॉल रिस्पॉन्स सिस्टम, शिकायत निस्तारण प्रक्रिया तथा लाभार्थियों को दी जा रही सेवाओं की गुणवत्ता की विस्तार से जानकारी ली। राठौड़ ने हेल्पलाइन के कॉल सेंटर में परिवेदना प्राप्ति और उसके समाधान की प्रक्रिया को करीब से देखा। साथ ही, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग से संबंधित योजनाओं एवं कार्यक्रमों के संबंध में प्राप्त हो रही परिवेदनाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने मौके पर कॉल सेंटर पर कार्यरत कार्मिक से शिकायत निस्तारण के पूरे मैकेनिज्म के बारे में पूछा। साथ ही, हेल्पलाइन प्रभारी श्री जीके शर्मा से स्वास्थ्य विभाग की परिवेदनाओं के निस्तारण की स्थिति तथा लंबित परिवेदनाओं की स्थिति के बारे में जानकारी ली। प्रमुख शासन सचिव ने मौके पर उपस्थित चिकित्सा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे सम्पर्क पोर्टल, 181 हेल्पलाइन एवं अन्य माध्यमों से प्राप्त जनसमस्याओं का निस्तारण सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ समय पर किया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य जीवन रक्षा से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है, इसलिए समस्याओं का त्वरित एवं पूरी संवेदनशीलता के साथ समाधान किया जाए। इसमें किसी भी तरह की देरी नहीं हो। उन्होंने इसके लिए विभाग के कार्मिकों को समय-समय पर आवश्यक प्रशिक्षण दिए जाने के भी निर्देश दिए।

सूर्यकिरण एरोबेटिक शो की तैयारियों को लेकर अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर सावंत ने ली बैठक

जयपुर, 11 फरवरी (एजेंसियां)। जयपुर में भारतीय वायु सेना की विश्वप्रसिद्ध सूर्यकिरण एरोबेटिक टीम द्वारा 22 फरवरी को एयर शो आयोजन प्रस्तावित है। गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर आत्माराम सावंत ने वायु सेना, पुलिस, सामान्य प्रशासन विभाग, पर्यटन विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, नगर निगम, जयपुर विकास प्राधिकरण सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक लेकर कार्यक्रम की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। बुधवार को सचिवालय में हुई बैठक में कार्यक्रम की तिथि, स्थल, ट्रैफिक व पार्किंग व्यवस्था, कार्यक्रम स्थल पर बैठक व्यवस्था तथा सुरक्षा इंतजामों पर विस्तार से चर्चा की गई। भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन विनय भारद्वाज ने बताया कि सूर्यकिरण एरोबेटिक टीम के 11 फाइटर जेट तथा सारंग टीम के 6 हेलीकॉप्टर अपने सटीक समन्वय और रंगीन धुएं के आकर्षक पैटर्न के माध्यम से दर्शकों को रोमांचित करेंगे। कार्यक्रम में 75 हजार से अधिक लोगों के शामिल होने की संभावना है।

बजट से और मजबूत होगा विकसित राजस्थान का संकल्प : ऊर्जा मंत्री

जयपुर, 11 फरवरी (एजेंसियां)। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि बजट 2026-27 के माध्यम से राज्य सरकार ने समाज के हर वर्ग को भरपूर संबल दिया है। उन्होंने कहा कि यह बजट विकसित, सशक्त एवं आत्मनिर्भर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विजन को और मजबूती प्रदान करेगा। नागर ने कहा कि वित्त मंत्री दिया कुमारी ने बजट में प्रदेश के किसानों, पशुपालकों, श्रमिकों, नौजवान, महिलाओं, अनुसूचित जाति-जनजाति समेत सभी वर्गों के कल्याण के लिए महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं। हथिनीकुंड से शेखावाटी तक यमुना का पानी लाने, प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता के लिए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की तर्ज पर राजस्थान टेस्टिंग एजेंसी की स्थापना, एक लाख युवाओं को मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के तहत शत-प्रतिशत ब्याज अनुदान पर 10 लाख रुपए तक का ऋण प्रदान करने, सिंचाई सुविधा संबंधी कार्यों के लिए 11 हजार 300 करोड़ रुपए, लगभग 8 हजार 300 करोड़ रुपए से अधिक के सड़क, आरओबी, आरयूबी सहित अन्य आधारभूत ढांचे के विकास कार्यों, कृषि क्षेत्र में बजट 7.59 प्रतिशत बढ़ाने और 2.5 लाख किसानों को प्रमाणित बीज उपलब्ध कराने जैसे बजट प्रावधान प्रदेश को नई ऊंचाईयों तक ले जाने में सहायक होंगे। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि इस बार भी ऊर्जा क्षेत्र के सभी आयामों को प्राथमिकता मिली है।

राज्य बजट 8 करोड़ प्रदेशवासियों के प्रति हमारे कर्तव्यों का दस्तावेज : भजनलाल

जयपुर, 11 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि बजट 2026-27 राजस्थान के समग्र एवं सतत विकास को सुनिश्चित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के विजन को आगे बढ़ाएगा। उन्होंने कहा कि यह बजट तेज आर्थिक विकास, लोगों की आशाओं-आकांक्षाओं पर खरा उतरने और सबका साथ सबका विकास के तीन कर्तव्यों को सर्वोपरि रखते हुए बनाया गया है। यह बजट 8 करोड़ प्रदेशवासियों के प्रति हमारे कर्तव्यों का दस्तावेज है। बुधवार को विधानसभा में उपमुख्यमंत्री (वित्त) दिया कुमारी द्वारा राज्य बजट 2026-27 प्रस्तुत किए जाने के बाद मुख्यमंत्री ने पत्रकार वार्ता में कहा कि अंत्योदय के प्रणेता पं. दीनदयाल उपाध्याय की पुण्य तिथि के दिन आया यह बजट महिला, युवा, मजदूर, वंचित, किसान सहित अंतिम पंक्ति के व्यक्ति के कल्याण को समर्पित है। उन्होंने कहा कि बजट में आधारभूत संरचना का सुदृढ़ीकरण सहित बिजली, पानी, शिक्षा, चिकित्सा जैसे बुनियादी क्षेत्रों में सुविधाओं और सेवाओं के लिए प्रावधान किए गए हैं, जिससे राजस्थान विकसित, समृद्ध और आत्मनिर्भर बनेगा।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2026-27 के बजट का आकार 6 लाख 10 हजार 956 करोड़ रुपये है, जो वर्ष 2023-24 के बजट की तुलना में 41 प्रतिशत अधिक है।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार जनता से किए गए वादों को तेजी से पूरा कर रही है। राज्य सरकार ने बजट 2025-26 में 1441 बजट घोषणाएं की थी, जिनमें से 1246 घोषणाओं (86 प्रतिशत) और वर्ष 2024-25 के बजट की 1277 घोषणाओं में से 1188 घोषणाओं (93 प्रतिशत) की क्रियान्विति की गई है। उन्होंने कहा कि बजट 2026-27 अवसंरचना का विस्तार, नागरिक सुविधाओं से गुणवत्तायुक्त जीवन स्तर में वृद्धि, औद्योगिक विकास एवं निवेश को प्रोत्साहन, मानव संसाधन का सशक्तिकरण, सुदृढ़ सामाजिक सुरक्षा प्रणाली, पर्यटन, कला एवं सांस्कृतिक धरोहर, सुशासन एवं डिजिटल परिवर्तन, कृषि विकास एवं किसानों का कल्याण, हरित विकास एवं पर्यावरणीय सततता और 2047 तक 4.3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के मजबूत स्तम्भों पर आधारित है।मुख्यमंत्री ने कहा कि कुशल वित्तीय प्रबंधन से प्रदेश की अर्थव्यवस्था में तेजी से सुधार आया है। इस बजट के अनुमान अनुसार राज्य की जीएसडीपी 21 लाख 52 हजार 100 करोड़ रुपये होना संभावित है, जो 2023-24 से लगभग 41 प्रतिशत अधिक है। वहीं, प्रतिव्यक्ति आय पहली बार 2 लाख 2 हजार 349 रुपये होना संभावित है, जो 2023-24 से 21.15 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने कहा कि इस बजट में इन्फ्रास्ट्रक्चर डवलपमेंट के लिए पूंजीगत व्यय 53 हजार 978 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है, जो 2023-24 से 2 गुना से अधिक है।

भीलवाड़ा जैन मंदिर ट्रस्ट की करोड़ो की जमीन के बेचान का मामला, पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा, आरोपी फरार

भीलवाड़ा, 11 फरवरी (एजेंसियां)। उपासरा यति श्री केसरी चंद सम्पति ट्रस्ट शांतिनाथ जैन मंदिर सांगानेरी गेट कसारा बाजार भीलवाड़ा के पदाधिकारियों एवं जैन समाज के सैकडो लोगों द्वारा जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन को दिये गये ज्ञापन के बाद उच्च अधिकारियों के निर्देश पर सुभाष नगर थाना पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 316(2),318 (4), 336 (3),338 व 61(2) के तहत मुकदमा कर जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच थानाधिकारी कैलाश चन्द्र विश्नोई कर रहे है। विदित रहे कि शहर के विभिन्न हिस्सों में उपासरा यति श्री केसरी चंद सम्पति ट्रस्ट शांतिनाथ जैन मंदिर सांगानेरी गेट कसारा बाजार भीलवाड़ा की करोड़ों रूपए की चल-अचल सम्पत्तियां बिखरी पडी हुई है। जिस पर जैन समाज के लोगों द्वारा ध्यान नहीं देने के कारण कई लोगों ने अवैध रूप से कब्जे कर कच्चे-पक्के निर्माण कर लिये। यहां तक की कई भूमियों पर कब्जेधारियों ने नगर विकास न्यास भीलवाड़ा में फर्जी दस्तावेज जमा करवाकर पट्टे तक बनवा लिये जिनमें मुख्य रूप से सांगानेरी गेट स्थित दुदाधारी गोपाल द्वारा मंदिर के सामने स्थित छतरियों वाली करोड़ो की जमीन है। समाज के पदाधिकारियों की कुंभकरणी नींद के चलते कुछ भूमाफिया लोगों ने 70-80 वर्ष पूर्व मरे हुए व्यक्ति के नाम से फर्जी आधार कार्ड, पेनकार्ड एवं बैंक में खाता खुलवाकर करोड़ो रूपए की कीमतन वाली सुवाणा कस्बे स्थित दो बीघा 04 बीसवा कृषि भूमि को आसींद निवासी मुन्ना मोहम्मद नामक व्यक्ति को बेच दी। जिसके खसरा 1985 है।विश्वत सूत्रों के अनुसार ट्रस्ट के अधीन आने वाले जैन श्वेताम्बर मंदिर की मूर्तियों पर चढ़ाये जाने वाले सोने-चांदी के जेवरात जिनका लगभग वजन 40-50 किलो के करीब है,उनको तत्कालीन जिला कलेक्टर ने अपने अधीन लेकर जिला कोष कार्यालय में सुरक्षित रखवा दिया था, जो वर्तमान में सुरक्षित पडा हुआ है।

नरभक्षी भालू के हमले में एक किसान की मृत्यु, आठ घायल

किनवट, 11 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । किनवट तहसील के तेलंगाना सीमा से लगे दयाल धानोरा क्षेत्र में 10 फरवरी की रात को नरभक्षी भालू के हमले की एक भयानक घटना घटी। इस हमले में एक किसान की मौके पर ही मृत्यु हो गई, जबकि आठ अन्य किसान घायल हो गए। घायलों में से एक की स्थिति गंभीर होने के कारण उसे संभाजीनगर रेफर किया गया है।घटना के अनुसार, दयाल धानोरा के किसान रबी सीजन की मक्का फसल को पानी देने के लिए रात लगभग 9 बजे खेत में गए थे। इसी दौरान, घात लगाए बैठे नरभक्षी भालू ने अचानक हमला कर दिया। इस हमले में 55 वर्षीय दत्ता बळीराम जाधव की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई।भालू के हमले से क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। सहायता के लिए दौड़े अन्य किसानों पर भी भालू ने हमला कर दिया, जिससे कुल आठ लोग घायल हो गए।घायलों में से चंद्रसिंग शेषराव राठोड़ (उम्र 32 वर्ष) गंभीर रूप से घायल हैं और उनकी हालत चिंताजनक बताई जा रही है। अन्य घायलों में सुदर्शन दत्ता पवार (35), शंकर तानाजी जाधव (50), विनोद शेषराव राठोड़ (34), पंडित जयसिंग जाधव (22), अरविंद शेषराव जाधव (35), रमेश बळीराम जाधव और संजय दत्ता जाधव शामिल हैं। सभी घायलों का शिवणी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार किया गया।

घटना की सूचना मिलने के तुरंत बाद इस्लापुर पुलिस प्रशासन, वन विकास महामंडळ के अधिकारी-कर्मचारी, और अन्य कार्यकर्ता घटनास्थल पर पहुंचे। बचाव अभियान के दौरान एक घायल किसान का समय पर जीवन बचा लिया गया।इसके बाद क्षेत्र के किसानों में भय का माहौल व्याप्त है। हाल ही में इसी क्षेत्र में एक डेढ़ से दो वर्ष आयु के भालू का मृत शरीर मिला था, जिससे यह आशंका जताई जा रही है कि हमला करने वाला भालू उसी का साथी हो सकता है।स्थानीय किसानों ने नरभक्षी भालू को तत्काल पकड़कर सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करने की मांग की है। इस घटना ने वन्यजीवों के बढ़ते खतरे के मुद्दे को एक बार फिर उजागर किया है। प्रशासन से ठोस एवं त्वरित उपाय करने की मांग की जा रही है।दयाल धानोरा के रमेश जाधव (उम्र 45 वर्ष) पर भी भालू ने हमला किया था। घायल किसान ने सामाजिक कार्यकर्ता बालाजी आलेवार को सूचना दी, जिसके बाद प्रशासन ने बचाव कार्य शुरू किया।

सहायक पुलिस निरीक्षक उमेश भोसले, आरएफओ संतोष चोले, और अन्य स्थानीय कार्यकर्ताओं के साहसिक प्रयासों से घायल को भालू के चंगुल से सुरक्षित निकाला गया और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिससे उसकी जान बच गई।

राजन्ना-सिरसिला में शर्मनाक हरकत

आंगनवाड़ी शिक्षिका ने तीन साल के मासूम को बेरहमी से पीटा

राजन्ना-सिरसिला, 11 फ़रवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिले के येल्लारेड्डीपेट मंडल के वेंकटपुर गांव से एक विचलित करने वाली घटना सामने आई है। यहाँ एक आंगनवाड़ी शिक्षिका पर तीन साल के मासूम बच्चे की बेरहमी से पिटाई करने का आरोप लगा है। इस हमले में बच्चे की आँख में गंभीर सूजन आई है और उसके शरीर के अन्य हिस्सों पर भी चोट के निशान हैं।

पीड़ित बच्चे के माता-पिता के अनुसार, उनका तीन वर्षीय बेटा विद्व मंगलवार को आंगनवाड़ी गया था। आरोप है कि वहां की शिक्षिका रानी ने बिना किसी कारण और उकसावे के बच्चे को बुरी तरह पीटा।

इस पिटाई के कारण बच्चे की दाहिनी आंख, हाथ और पैरों में गंभीर चोटें आई हैं। घटना का पता तब चला जब परिवार रात को घर लौटा और बच्चे की हालत देखी।

बच्चे के पिता, कोमपल्ली विजय कुमार ने शिक्षिका पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि रानी अनुसूचित जाति समुदाय के सदस्यों के प्रति भेदभावपूर्ण रवैया रखती है। उन्होंने आरोप लगाया कि इसी नफरत के चलते उनके बेटे को निशाना बनाया गया है। पिता ने बताया कि मंगलवार को परिवार किसी काम से दूसरे गांव गया था और रात करीब 8 बजे लौटने पर उन्होंने बच्चे के शरीर और आंख पर भारी सूजन देखी।

इस अमानवीय कृत्य से आक्रोशित माता-पिता ने बुधवार को स्थानीय पुलिस स्टेशन पहुंचकर आरोपी शिक्षिका के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्रामीणों और पीड़ित परिवार ने आरोपी शिक्षिका के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई और उसे तुरंत पद से हटाने की मांग की है।

आसिफाबाद में नगर निगम चुनाव शांतिपूर्ण सम्पन्न

आसिफाबाद, 11 फ़रवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। आसिफाबाद में नगर निगम चुनाव शांति से समाप्त हो गए। पहली बार हुए आसिफाबाद नगर निगम चुनाव में सुबह सात बजे से ही वोटर्स अपने अधिकार का उपयोग करने के लिए बूथों के सामने लाइन में लग गए थे।

चुनाव अधिकारियों ने सभी आवश्यक इंतज़ाम किए थे ताकि वोटर्स को कोई दिक्कत न हो। आसिफाबाद नगर निगम के 20 वार्डों में चुनाव हुए, जिसमें कुल 13,927 वोटर पंजीकृत हैं। मतदान खत्म होने तक 10,817 वोट डाले जा चुके थे, जिनमें 533 पुरुष और 5,843 महिलाएं शामिल थीं।

चुनाव के दौरान किसी भी अनहोनी को रोकने के लिए पुलिस ने सुरक्षा के पुख़्ता इंतज़ाम किए थे। कलेक्टर हरिता ने पोलिंग बूथों का दौरा कर अधिकारियों को सही निर्देश और सलाह दी। उन्होंने वोटर्स को किसी भी प्रकार की परेशानी से बचाने के लिए आवश्यक सावधानियाँ बरतीं।

पोलिंग स्टेशनों से 500 मीटर की दूरी पर ब्रैकेट लगाए गए थे। इसी कारण सभी राजनीतिक पार्टियां विवेकानंद जंक्शन पर इकट्ठा हुईं और वहां से बूथों की ओर जाने वाले वोटर्स को अपनी ओर खींचने की कोशिश की। उन्होंने वोटर्स से आखिरी समय तक समर्थन देने और वोट डालने की अपील की।

चुनाव शांतिपूर्वक खत्म होने की ख़बर सुनकर अधिकारियों ने राहत की सांस ली। यह चुनाव स्थानीय लोकतंत्र के लिए एक नई शुरुआत है, जिसमें नागरिकों ने अपने मताधिकार का सही इस्तेमाल किया है।

महाशिवरात्रि के लिए टीजीआरटीसी का बड़ा फैसला श्रद्धालुओं के लिए चलेंगी 2,243 विशेष बसें

हैदराबाद, 11 फ़रवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। 15 फरवरी को होने वाले महाशिवरात्रि पर्व के उपलक्ष्य में तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीआरटीसी) ने श्रद्धालुओं की सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं। निगम ने 14 से 16 फरवरी तक राज्य भर के 43 प्रमुख शिव मंदिरों के लिए 2,243 विशेष बसें चलाने की घोषणा की है।

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए टीजीएसआरटीसी ने रूट चार्ट तैयार किया है। इसके तहत श्रीशैलम के लिए सर्वाधिक 781, वेमुलवाड़ा के लिए 416, एडुपयाला के लिए 249, कीसरगुट्टा के

लिए 326, वेलुरु के लिए 127 और कालेश्वरम के लिए 71 विशेष बसें संचालित की जाएंगी। इसके अतिरिक्त कोमुरवेली, आलमपुर, उमामहेश्वरम, पलकुर्थी और रामप्पा जैसे प्रसिद्ध मंदिरों के लिए भी 273 बसें उपलब्ध रहेंगी। हैदराबाद के एमजीबीएस, जेबीएस, सीबीएस और केपीएचबी जैसे प्रमुख केंद्रों से ये बसें संचालित होंगी, जहाँ यात्रियों की सुविधा के लिए शामियाने, पीने के पानी और कुर्सियों की व्यवस्था की गई है।

राज्य सरकार के आदेश (जीओ) के अनुसार, 14 से 16 फरवरी के बीच चलने वाली इन विशेष बसों का किराया नियमित किराए से 1.5 गुना तक अधिक होगा। हालांकि, नियमित सेवाओं के किराए में कोई बदलाव नहीं किया गया है। निगम ने स्पष्ट किया है कि महिलाओं के लिए राज्य सरकार की मुफ्त यात्रा योजना पल्लेवेलुगु, एक्सप्रेस और सिटी साधारण बसों में जारी रहेगी। महिला यात्रियों को यात्रा के दौरान जीरो-फेयर टिकट लेना अनिवार्य होगा।

टीजीआरटीसी के उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (वीसी एंड एमडी) वाई. नागी रेड्डी ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष की तुलना में इस बार 208 अधिक बसें चलाई जा रही हैं। यात्रियों की जानकारी के लिए विशेष बसों के सामने डिस्प्ले बोर्ड लगाए जाएंगे। श्रीशैलम जाने वाली बसों के लिए अग्रिम आरक्षण की सुविधा पर उपलब्ध है। किसी भी अन्य जानकारी के लिए यात्री निगम के कॉल सेंटर नंबरों (040-69440000) पर संपर्क कर सकते हैं।

संगारेड्डी मतदान केंद्र पर भारी तनाव: जग्गा रेड्डी और पुलिस के बीच तीखी झड़प

संगारेड्डी, 11 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। संगारेड्डी शहर के वार्ड संख्या 34 के मतदान केंद्र पर उस समय स्थिति तनावपूर्ण हो गई, जब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जग्गा रेड्डी और वहां तैनात पुलिस कर्मियों के बीच जबरदस्त टकराव देखने को मिला। घटना के बाद इलाके में सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है।जग्गा रेड्डी मतदान केंद्र पर उस समय पहुंचे जब उन्हें सूचना मिली कि वहां तैनात सर्कल इंस्पेक्टर ने वार्ड 34 के कांग्रेस उम्मीदवार के साथ कथित तौर पर हाथापाई की है। जग्गा रेड्डी ने पुलिस अधिकारी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वे बीआरएस उम्मीदवार के पक्ष में काम कर रहे हैं और फर्जी वोटिंग (रिगिंग) की सुविधा प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि निष्पक्षता नहीं बरती गई, तो मतदान की प्रक्रिया को रोक दिया जाएगा।विवाद उस समय और बढ़ गया जब जग्गा रेड्डी ने जबरन पोलिंग बूथ के अंदर जाने की कोशिश की। इस दौरान कांग्रेस नेता और पुलिस कर्मियों के बीच तीखी बहस हुई, जो जल्द ही मामूली हाथापाई और धक्का-मुक्की में बदल गई। मौके पर मौजूद अतिरिक्त सुरक्षा बलों ने तुरंत हस्तक्षेप किया और स्थिति को और अधिक बिगड़ने से बचाया।जग्गा रेड्डी ने संबंधित सर्कल इंस्पेक्टर के खिलाफ पक्षपात और दुर्व्यवहार का आरोप लगाते हुए उन्हें तत्काल निलंबित करने की मांग की है।

विदेश में बसी बेटी ने पिता के लिए किया वोटिंग का अधिकार अदा

आसिफाबाद, 11 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । बुधवार को कोमुरम भीम आसिफाबाद जिला मुख्यालय में हुए नगर निगम चुनाव में लंदन से एक वोटर अपने पिता के लिए वोट देने जिला मुख्यालय पहुंची।

छठे वार्ड से चुनाव लड़ रहे वरिष्ठ नेता और पूर्व मार्केट कमेटी चेयरमैन चिलुवेरु वेंकन्ना बीआरएस की ओर से चुनाव मैदान में हैं।लंदन से एम एस कर रही उनकी बेटी चिलुवेरु श्रेया ने एक महीने पहले फ्लाइट टिकट बुक करके अपने देश वोट देने के अपने कीमती अधिकार का इस्तेमाल किया। वोट देने के अपने अधिकार का उपयोग करना जरूरी है, क्योंकि कई बार एक वोट भी नतीजा बदल सकता है।अपने पिता का समर्थन करने और वोट देने के लिए, श्रेया ने जिला परिषद सेकेंडरी स्कूल स्थित उर्दू स्कूल में वोटिंग की। उनके परिवार वालों और दोस्तों ने विदेश से आकर वोट देने पर उन्हें बधाई दी।

यह घटना उस महत्वपूर्ण संदेश को उजागर करती है कि हर वोट की गणना होती है और मतदान एक लोकतांत्रिक अधिकार है जिसे हमें हमेशा निभाना चाहिए।

वरंगल निकाय चुनाव में पर्यावरण का संदेश: ग्रीन पोलिंग स्टेशन्स बने आकर्षण का केंद्र

वरंगल, 11 फ़रवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। बुधवार को हुए नगर पालिका चुनावों के दौरान वारंगल जिला प्रशासन ने एक अभिनव प्रयोग करते हुए ग्रीन पोलिंग स्टेशन्स (हरित मतदान केंद्र) की शुरुआत की। इस पहल का उद्देश्य मतदान प्रक्रिया को पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता के संदेश के साथ जोड़ना था।जिला कलेक्टर डॉ. सत्य शारदा के नेतृत्व में शुरू की गई इस पहल के तहत प्लास्टिक पुनर्चक्रण, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और स्वच्छता पर केंद्रित विशेष बूथ बनाए गए। इन केंद्रों को वेस्ट टू वेल्थ (कचरे से कंचन) की थीम पर सजाया गया था। यहाँ आने वाले मतदाताओं के लिए ग्रीन सेल्फी पॉइंट्स बनाए गए और पूरे परिसर को पौधों व पर्यावरण के अनुकूल सजावट से सजाया गया। केंद्रों पर प्लास्टिक का उपयोग बंद करें, पानी बर्बाद न करें और हमारा वोट-हमारा भविष्य जैसे प्रेरक नारे प्रदर्शित किए गए।डॉ. सत्य शारदा ने स्वयं इन केंद्रों का दौरा किया और मतदान करने आए नागरिकों को प्रोत्साहित करने के लिए उन्हें स्मृति पेन और वोटर रिस्टबैंड वितरित किए। वर्धनपेट के फिरंगी गड्डा स्थित सरकारी हाई स्कूल और नरसांपेट के गवर्नमेंट जूनियर कॉलेज में ये विशेष हरित केंद्र स्थापित किए गए। बोंडाबाडी सरकारी स्कूल में 3-आरएस (रिड्यूस, रीयूज, रीसायकल) थीम पर आधारित बूथ बनाया गया, जहाँ सिंगल-यूज़ प्लास्टिक को खत्म करने का संदेश दिया गया।

जिला कलेक्टर ने बताया कि इस तरह के प्रयास पहले ग्राम पंचायत चुनावों में भी किए गए थे, जिसके परिणामस्वरूप मतदान प्रतिशत में वृद्धि हुई थी और जिले को चुनाव आयोग से पुरस्कार भी मिला था। प्रशासन का मानना है कि इन मॉडल बूथों से मतदान की प्रक्रिया न केवल सामुदायिक भागीदारी वाली बनती है, बल्कि नागरिकों में पर्यावरणीय जिम्मेदारी की भावना भी मजबूत होती है।

करीमनगर निकाय चुनाव में बवाल: झड़प, फर्जी मतदान के आरोप और पुलिस का लाठीचार्ज

करीमनगर, 11 फ़रवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अविभाजित करीमनगर जिले में बुधवार को हुए नगर निगम और नगर पालिका चुनावों के दौरान भारी हंगामा देखने को मिला। मतदान के दौरान कई डिवीजनों में विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच हिंसक झड़पें, फर्जी मतदान के गंभीर आरोप और पुलिस हस्तक्षेप की घटनाएं सामने आईं।

करीमनगर के 58वें डिवीजन में जिला परिषद कार्यालय स्थित मतदान केंद्र पर उस समय तनाव फैल गया, जब एक महिला मतदाता ने पाया कि उसका वोट पहले ही डाला जा चुका है। इस पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने बीआरएस नेताओं पर फर्जी मतदान का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया। देखते ही देखते भाजपा कार्यकर्ताओं और बीआरएस उम्मीदवार रविंदर सिंह के समर्थकों के बीच तीखी झड़प हो गई। स्थिति को

नियंत्रित करने के लिए पुलिस को हल्का लाठीचार्ज करना पड़ा। भाजपा का दावा है कि इस घटना में उनके छह कार्यकर्ता घायल हुए हैं, जिनमें से कुछ को फ्रैक्चर भी आया है। एक अन्य घटना में, 22वें डिवीजन में कांग्रेस उम्मीदवार के बेटे शेषांक रेड्डी पर मंगलवार शाम भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा कथित तौर पर हमला किया गया। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि बांदा रमना रेड्डी के समर्थकों ने इस हमले को अंजाम दिया और पीड़ित की सोने की चेन भी छीन ली। वहीं, 27वें डिवीजन में ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक ने आरोप लगाया कि एक पुलिस कांस्टेबल ने, जो कांग्रेस उम्मीदवार का रिश्तेदार है, उनके उम्मीदवार बोतला श्यामला किरण कुमार के साथ मारपीट की और उन्हें बूथ में प्रवेश करने से रोका।

जम्मिकुंटा में मतदाताओं को प्रलोभन देने के कई मामले सामने आए, जहाँ वोट के बदले पैसे, चावल की बोरियां, साड़ियाँ और चांदी के आभूषण बांटने के आरोप लगे। उधर, जगतियाल के 31वें वार्ड में बीआरएस और एमआईएमकार्यकर्ताओं के बीच उस समय हाथापाई हो गई जब दोनों गुट पार्टी के स्कार्फ पहनकर बूथ पर पहुंचे। किशननगर (28वां डिवीजन) में कांग्रेस उम्मीदवार के काम में बाधा डालने के आरोप में बीआरएस उम्मीदवार कुर्रा तिरुपति को गिरफ्तार किया गया, हालांकि बाद में उन्हें रिहा कर दिया गया।

हुसैनपुरा में फर्जी वोट डालने के संदेह में पुलिस ने दो युवकों को हिरासत में लिया और उनके आधार कार्ड जब्त कर लिए। बीआरएस विधायक गंगुला कमलाकर ने कांग्रेस पर बाहरी लोगों को बुलाकर शांति भंग करने का आरोप लगाया है। चुनाव में हुई इन तमाम अनियमितताओं और हिंसा को लेकर विभिन्न राजनीतिक दलों ने चुनाव आयोग और जिला अधिकारियों से लिखित शिकायत कर जांच की मांग की है।

पाटनचेरु के इंद्रेशम में भीषण आग: भारी मात्रा में प्लास्टिक कचरा जलकर खाक

संगारेड्डी, 11 फ़रवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। पाटनचेरु मंडल के इंद्रेशम इलाके में बुधवार को एक बड़े अग्निकांड में प्लास्टिक कचरे (प्लास्टिक स्क्रैप) का भारी स्टॉक जलकर राख हो गया। इस घटना ने क्षेत्र में काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बनाए रखा।

जिस समय यह हादसा हुआ, उस दौरान स्थानीय पुलिस और प्रशासन के अधिकांश अधिकारी इंद्रेशम नगर पालिका चुनाव की ड्यूटी में व्यस्त थे। रिहायशी इलाके के पास अचानक उठी ऊंची लपटों और काले धुएं को देखकर स्थानीय निवासियों में दहशत फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही दमकल की एक गाड़ी को तुरंत मौके पर रवाना किया गया।

दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुँचकर आग पर काबू पाने का भरपूर प्रयास किया, लेकिन प्लास्टिक की ज्वलनशील प्रकृति के कारण आग बहुत तेजी से फैली। जब तक आग पर पूरी तरह नियंत्रण पाया गया, तब तक वहां रखा सारा प्लास्टिक कचरा पूरी तरह जलकर नष्ट हो चुका था।

राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी जनहानि की सूचना नहीं मिली है। हालांकि, आग लगने के सटीक कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस और संबंधित विभाग इस बात की जांच कर रहे हैं कि यह कोई दुर्घटना थी या इसके पीछे कोई अन्य कारण था।

नागरकुर्नूल में भारी तनाव: कांग्रेस पर फर्जी मतदान और नकदी बांटने का आरोप, बीआरएस का जोरदार प्रदर्शन

नागरकुर्नूल, 11 फ़रवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। निकाय चुनाव के दौरान बुधवार दोपहर 15वें वार्ड में उस समय भारी तनाव फैल गया जब भारत राष्ट्र समिति के नेताओं ने कांग्रेस पर फर्जी मतदान को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। दोनों पार्टियों के कार्यकर्ताओं के बीच हुई तीखी नोकझोंक ने चुनावी माहौल को गरमा दिया है।

विवाद तब शुरू हुआ जब कांग्रेस नेताओं पर आरोप लगा कि वे दो महिलाओं को फर्जी वोट डलवाने के उद्देश्य से 15वें वार्ड के एक मतदान केंद्र पर लेकर आए। महिलाओं की संदिग्ध गतिविधियों को देखते हुए बीआरएस नेताओं ने उन्हें रोक लिया और चुनाव अधिकारियों से उनकी पहचान सत्यापित करने की मांग की। इस मुद्दे पर कांग्रेस नेताओं ने सफाई दी कि कोई गलत काम नहीं किया जा रहा है, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस और धक्का-मुक्की शुरू हो गई।हंगामे की सूचना मिलते ही पूर्व बीआरएस विधायक मर्री जनार्दन रेड्डी मतदान केंद्र पहुंचे और अधिकारियों से जवाब मांगा।

अधिकारियों के जवाब से असंतुष्ट रेड्डी ने आरोप लगाया कि प्रशासन सत्ताधारी दल (कांग्रेस) का समर्थन कर रहा है। उन्होंने आगे दावा किया कि कांग्रेस नेता 14वें और 15वें वार्डों में न केवल फर्जी मतदान करवा रहे हैं, बल्कि मतदाताओं को लुभाने के लिए खुलेआम शराब और पैसे भी बांट रहे हैं। स्थिति बेकाबू होते देख पुलिस ने बीच-बचाव कर भीड़ को तितर-बितर किया।इसी बीच, नगर पालिका के 12वें वार्ड से एक और चौंकाने वाला मामला सामने आया।

आईएसएल 2025-26 के लिए पंजाब एफसी ने 27 सदस्यीय टीम घोषित की

चंडीगढ़, 11 फरवरी (एजेंसियां)।

पंजाब एफसी ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2025-26 सीजन के लिए अपनी 27 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। यह क्लब का भारत की शीर्ष फुटबाल लीग में तीसरा सीजन होगा। शेर अपना अभियान 21 फरवरी को जमशेदपुर में जमशेदपुर एफसी के खिलाफ शुरू करेंगे, जबकि पहला घरेलू मुकाबला 9 मार्च को नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में नार्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के खिलाफ खेला जाएगा।

मुख्य कोच पानायोटिस डिलम्पेरिस ने युवा और अनुभव के संतुलन वाली टीम का चयन किया है। उन्होंने पिछले आईएसएल सत्र, डूरंड कप और एआईएफएफ सुपर कप में खेलने वाली कोर टीम को बरकरार रखा है। विदेशी खिलाड़ियों में दानी रामिरेज़, समीर जेल्जकोविच, न्सुंगुसी जूनियर एफिओंग, बेडे अमराची ओसुजी और पाब्लो रेनान डास सैंटोस शामिल हैं।

क्लब की अकादमी से सात खिलाड़ियों को टीम में जगह दी गई है।

मोहम्मद सुहैल एफ, प्रमवीर सिंह, मैंगलेंथांग किपगेन, विशाल यादव और सिंगमयुम शामी पहले ही सीनियर टीम में पदार्पण कर चुके हैं, जबकि आयुष देशवाल और थौंगाम्बा सिंह उशाम इस सीजन टीम से जुड़ेंगे।

इंडियन सुपर लीग 2025-26 के लिए पंजाब एफसी स्क्वाड:

गोलकीपर: अर्शदीप सिंह, मुहीत शब्बीर, आयुष देशवाल।

डिफेंडर: बिजाय वर्गीस, मुहम्मद उवैस मोयिक्कल, प्रमवीर सिंह, खैमिंथांग लहुंगडिम, पाब्लो रेनन डास सैंटोस, लिकमाबम राकेश मेतेई, नोंग्माइकापम सुरेश मेतेई, लियोन आगस्टाइन, थोंगम्बा सिंह उशाम।

मिडफील्डर: दानी रामिरेज़, समीर ज़ेल्जकोविक, विनीत राय, प्रिंसटन रेबेलो, रिकी जान शाबोंग, मैंगलेंथांग किपगेन, नारवी निखिल जयंता प्रभु, सिंगमयुम शमी।

फारवर्ड: न्सुंगुसी जूनियर एफिओंग, बेडे अमराची ओसुजी, निंथोइंगानबा मीतेई खुमानथेम, मुहम्मद सुहैल एफ, बिकाश सिंह सगोलसेम, विशाल यादव, रणजीत सिंह पांड्रे।

मुख्य कोच: पानागिओटिस दिलमपरिस।

सहायक कोच: कोंस्टैन्टिनोस कटारसस

भारतीय सहायक कोच: शंकरलाल चक्रवर्ती

स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच: पापाइआन्नौ इयोनिस

गोलकीपिंग कोच: विनय सिंह

टीम डाक्टर: डा. सिदक ढिल्लों

फिजियोथेरेपिस्ट: दिशार्थ जैन

टीम मैनेजर: कौस्तुव कश्यप

टीम मालिशिया: गोनेश दलुई।

न्यूज ब्रीफ

डलास ओपन 2026: सिलिच ने रचा इतिहास, एटीपी टूर पर 600 जीत हासिल करने वाले दूसरे सक्रिय खिलाड़ी बने

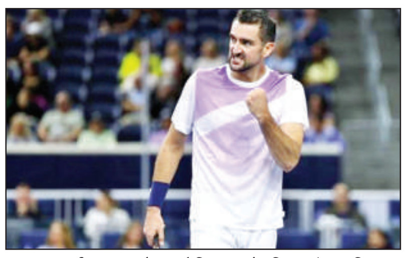

डलास। पूर्व यूएस ओपन चैंपियन क्रोएशिया के मारिन सिलिच ने एटीपी टूर पर अपने करियर की 600वीं जीत दर्ज कर एक खास उपलब्धि हासिल की है। इसके साथ ही वह सक्रिय खिलाड़ियों में नोवाक जोकोविच (1,168 जीत) के बाद इस मुकाम तक पहुंचने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। 37 वर्षीय सिलिच ने मंगलवार को डलास ओपन में अमेरिकी खिलाड़ी लर्नर टिएन को 7-5, 7-6(4) से हराकर यह ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम की। इस जीत के साथ उन्होंने अपने हमवतन और दिग्गज खिलाड़ी गोरान इवानिसेविच (599 जीत) के रिकार्ड को भी पीछे छोड़ दिया। लगातार चोटों से जूझते रहे सिलिच ने इस उपलब्धि को अपनी प्रतिबद्धता का परिणाम बताया। उन्होंने कहा, पिछले कुछ साल बेहद मुश्किल रहे। कई चुनौतियों से जूझना पड़ा। इस स्तर पर वापसी करना और लर्नर जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी के खिलाफ अच्छा खेलना बेहद सुखद है। 600 जीत का आंकड़ा मेरे टेनिस के प्रति समर्पण को दर्शाता है। साल 2014 में फ्लशिंग मीडोज में अपना एकमात्र ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाले सिलिच ने 2023 में दाहिने घुटने के लेटरल मेनिस्कस की चोट के बाद सर्जरी कराई थी। रिकवरी में आई दिक्कतों के चलते 2024 में उन्हें एक और सर्जरी से गुजरना पड़ा।

सना की 90 रन की तूफानी पारी बेअसर, वोल्वार्ड्ट की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका ने आखिरी गेंद पर जीता पहला टी20

पोटचेफस्ट्रूम (सेनवेस पार्क)। दक्षिण अफ्रीका ने कप्तान लारा वोल्वार्ड्ट के अर्धशतक और टीम के सामूहिक बल्लेबाजी प्रदर्शन के दम पर पाकिस्तान को पहले टी20 मुकाबले में रोमांचक अंदाज़ में 5 विकेट से हरा दिया। मुकाबले का फैसला आखिरी गेंद पर हुआ। यह मैच स्थानीय समयानुसार मंगलवार देर रात खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान की शुरुआत खराब रही और टीम एक समय 64 रन पर 6 विकेट गंवा चुकी थी। इसके बाद कप्तान फातिमा सना ने अकेले दम पर पारी को संभाला। सना ने महज़ 41 गेंदों में 90 रन की तूफानी पारी खेली, जिसमें सात छक्के और नौ चौके शामिल रहे। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी की बदौलत पाकिस्तान ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 180 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। दक्षिण अफ्रीका की ओर से कायला रेयनेके ने शानदार आलराउंड प्रदर्शन किया। उन्होंने गेंदबाजी में 4 ओवर में एक मेडन सहित 13 रन देकर 2 विकेट झटके। आयांडा ह्लूबी (3/41) और नानकुलेलेको मलाबा ने भी शुरुआती ओवरों में पाकिस्तान पर दबाव बनाया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत सकारात्मक रही। ताज़मिन ब्रिट्स ने कुछ आकर्षक शाट लगाए, लेकिन चौथे ओवर में हुमना बिलाल का शिकार बन गईं। इसके बाद वोल्वार्ड्ट और सुने लूस ने तेजी से 62 रन की साझेदारी कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। लूस 32 रन बनाकर आउट हुईं, लेकिन वोल्वार्ड्ट ने आक्रामक तेवर जारी रखते हुए 31 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। 13वें ओवर में उन्होंने एक छक्का और एक चौका लगाकर पचासा जड़ा। हालांकि, इसके बाद पाकिस्तान ने वापसी करते हुए वोल्वार्ड्ट (61 रन) को स्टंप आउट कराया, जबकि डेन वान नीकेर्क और लारा गुडआल भी जल्दी पवेलियन लौट गईं।

अर्शदीप नामीबिया के खिलाफ 4 विकेट लेते ही तोड़ देंगे अश्विन का रिकार्ड

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह 12 फरवरी को नामीबिया के खिलाफ होने वाले टी20 विश्वकप मुकाबले में एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम कर सकते हैं।

अर्शदीप इस मैच में अगर चार विकेट लेते हैं तो वह दिग्गज स्पिनर आर अश्विन के भारत की ओर से विश्वकप में सबसे अधिक 32 विकेट लेने का रिकार्ड तोड़ देंगे। अभी अर्शदीप के नाम 29 विकेट हैं। अर्शदीप ने अब तक 15 टी20 विश्व कप मैच खेले हैं, जिनमें 29 विकेट लिए हैं। अर्शदीप ने 2022 में पहली बार टी20 विश्व कप खेला था। इसके बाद 2024 में वह विजेता टीम का हिस्सा रहे और अब अपना तीसरा टी20 विश्व कप खेल रहे हैं। टी20 विश्व कप में भारत के सबसे सफल गेंदबाज अश्विन रहे हैं। अश्विन ने 24 मैचों में 32 विकेट लिए हैं। वहीं ओवरआल गेंदबाजों की सूची में अर्शदीप 19वें स्थान पर और अश्विन 13वें स्थान पर हैं। साल 2007 से खेले जा रहे टी20 विश्व कप में अभी तक शीर्ष पांच में एक भी भारतीय गेंदबाज शामिल नहीं है। विश्वकप में भारतीय टीम के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में तीसरे नंबर पर जसप्रीत बुमराह हैं।

टी20 वर्ल्ड कप-2026

साउथ अफ्रीका ने अफगानिस्तान को हराया

अहमदाबाद, 11 फरवरी (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में 11 फरवरी का दिन क्रिकेट इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में अफगानिस्तान और साउथ अफ्रीका के बीच खेला गया मुकाबला किसी हॉलीवुड थ्रिलर से कम नहीं था। 39.4 ओवरों के खेल के बाद भी जब दोनों टीमों का स्कोर बराबर रहा, तो मैच का फैसला सुपर ओवर के जरिए होना था, लेकिन सुपर ओवर भी टाई हो गया। इसके बाद एक और सुपर ओवर हुआ जिसमें साउथ अफ्रीका टीम ने जीत हासिल की है।

सुपर ओवर में अफगानिस्तान की टीम ने पहले बल्लेबाजी की और इस दौरान रहमानुल्लाह गुरबाज और अजमतुल्लाह उमरजई ने मिलकर बिना एक भी विकेट खोए 17 रन बनाए और साउथ अफ्रीका को जीत के लिए 18 रनों का टारगेट दिया। बता दें कि इन 17 रनों में अकेले अजमतुल्लाह उमरजई ने 16 रन ठोके। इसके बाद साउथ अफ्रीका की ओर से डेविड मिलर और डेवाल्ड ब्रेविस बल्लेबाजी करने के लिए उतरे, लेकिन 7 रन के स्कोर पर ब्रेविस कैच आउट हो गए। इसके बाद ट्रिस्टन स्टब्स बल्लेबाजी के लिए उतरे और उन्होंने आखिरी गेंद पर जब साउथ अफ्रीका को 7 रनों की जरूरत थी तब छक्का जड़ा और मैच दूसरे सुपर ओवर में चला गया।

सुपर ओवर भी हुआ टाई, दूसरे सुपर ओवर में हुआ फैसला

पहला सुपर ओवर टाई होने के कारण मैच का फैसला दूसरे सुपर ओवर में हुआ। इस बार साउथ अफ्रीका पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी। यहां ट्रिस्टन स्टब्स और डेविड मिलर बल्लेबाजी करने के लिए उतरे, वहीं अफगानिस्तान की ओर से अजमतुल्लाह उमरजई गेंदबाजी के लिए आए। इस दौरान डेविड मिलर ने 4 गेंदों पर 16 रन और ट्रिस्टन स्टब्स ने 2 गेंदों पर 7 रन बनाए और साउथ अफ्रीका की टीम ने 23 रन बनाए और अफगानिस्तान को जीत के लिए 24 रनों का टारगेट मिला। अफगानिस्तान की ओर से इस सुपर ओवर में मोहम्मद नबी और अजमतुल्लाह उमरजई बल्लेबाजी करने के लिए उतरे। लेकिन सुपर ओवर की दूसरी गेंद पर मोहम्मद नबी आउट हो गए। इस वक्त अफगानिस्तान का स्कोर 0/1 हो गया। इसके बाद रहमानुल्लाह गुरबाज बल्लेबाजी के लिए उतरे और उन्होंने तीन गेंदों पर तीन छक्के जड़े, लेकिन आखिरी गेंद पर जब 5 रनों की जरूरत थी वह आउट हो गए और साउथ अफ्रीका मैच जीत गई।टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी साउथ अफ्रीकी टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। सलामी बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक (59) और रेयान रिकेल्टन (61) ने दूसरे विकेट के लिए 114 रनों की तूफानी साझेदारी की। हालांकि, मध्यक्रम में राशिद खान और नवीन उल हक ने वापसी कराई, लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने निर्धारित 20 ओवरों में 6 विकेट पर 187 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया।

188 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान की शुरुआत बेहद शानदार रही। सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज ने मैदान के चारों ओर चौकों-छक्कों की बारिश करते हुए मात्र 42 गेंदों में 84 रन ठोक दिए। एक समय अफगानिस्तान जीत की ओर मजबूती से बढ़ रहा था, लेकिन लुंगी एनगिडी और केशव महाराज ने आखिरी ओवरों में घातक गेंदबाजी कर मैच फंसा दिया। हालांकि रबाडा ने आखिरी ओवर में दो नो बॉल फेक दिया, जिसके कारण मैच एक बार फिर से अफगानिस्तान की ओवर मुड़ गया। हालांकि आखिरी रन लेने के चक्कर में 19.4 ओवर में अफगानिस्तान की पूरी टीम 187 रनों पर ऑलआउट हो गई और मैच टाई हो गया।

टी20 वर्ल्ड कप-2026

वेस्टइंडीज ने 30 रन से इंग्लैंड को हराया

मुंबई, 11 फरवरी (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के हाईवोल्टेज मैच में वेस्टइंडीज की टीम ने इंग्लैंड को 30 रनों से हरा दिया है। इस मैच में वेस्टइंडीज ने 6 विकेट खोकर 196 रन का स्कोर टांगा था। जवाब में इंग्लैंड की टीम 166 रनों पर सिमट गई। इस मैच में शेरफेन रदरफोर्ड वेस्टइंडीज की जीत के हीरो बने जिन्होंने तेज तर्रार फिफ्टी ठोकी। वहीं इसके बाद वेस्टइंडीज के स्पिन गेंदबाजों ने इंग्लैंड को इस स्कोर तक पहुंचने से रोक लिया। इस टूर्नामेंट में ये वेस्टइंडीज की लगातार दूसरी जीत है।

शेरफेन रदरफोर्ड ने खेली तेज तर्रार पारी

इससे पहले, शेरफेन रदरफोर्ड के नाबाद 76 रन की मदद से वेस्टइंडीज ने खराब शुरूआत से उबरते हुए इंग्लैंड के खिलाफ 6 विकेट पर 196 रन बनाए। रदरफोर्ड ने 7 छक्कों और दो चौकों की मदद से 42 गेंद में नाबाद 76 रन बनाए। इससे पहले वेस्टइंडीज ने दस ओवर के बाद 79 रन पर चार विकेट गंवा दिए थे।

आखिरी 10 ओवर में 117 रन बने। रदरफोर्ड ने पांचवें विकेट के लिये रोवमैन पॉवेल (14) के साथ 51 रन की साझेदारी की। इसके बाद पूर्व कप्तान जैसन होल्डर (17 गेंद में चार छक्कों, एक चौके की मदद से 33 रन) के साथ छठे विकेट के लिये 32 रन जोड़े। टेस्ट कप्तान रोस्टन चेस ने चौथे नंबर पर उतरकर 34 रन बनाये। होल्डर ने आखिरी ओवरों में सैम कुरेन को एक ही ओवर में तीन छक्के लगाए।

रदरफोर्ड को 18वें ओवर में आदिल रशीद ने जीवनदान दिया था। होल्डर ने आतिशी पारी खेलकर रदरफोर्ड पर से दबाव कम किया। पिछले मैच में नेपाल के बल्लेबाजों से नसीहत पाने वाले रशीद ने मजबूती से वापिस की और 16 रन देकर दो विकेट चटकाए। वेस्टइंडीज की शुरूआत खराब रही और दो विकेट आठ रन पर ही गिर गए। कप्तान शाइ होप ने जोफ्रा आर्चर की गेंद पर कवर प्वाइंट पर टॉम बेंटोन को कैच थमाया जबकि कुरेन ने ब्रेंडन किंग को स्वीपर कवर में लपकवाया।

धवन बने दिल्ली खेल महाकुंभ के ब्रांड एम्बेसडर

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन को खेल महाकुंभ का ब्रांड एम्बेसडर बनाया गया है। शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि धवन ने दिल्ली सरकार की खेलों के प्रति प्रतिबद्धता को देखते हुए स्वयं यह जिम्मेदारी स्वीकार की है। वहीं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने धवन का आभार जताते हुए दिल्ली के खिलाड़ियों के प्रति उनके योगदान की प्रशंसा की है। दिल्ली सरकार को भरोसा है कि धवन के मार्गदर्शन और प्रेरणा से युवा खिलाड़ियों में नया उत्साह जगेगा और उन्हें नई पहचान मिलेगी। दिल्ली खेल महाकुंभ 13 फरवरी से शुरू होगा। इस दौरान उद्घाटन समारोह से लेकर पूरे आयोजन के दौरान धवन खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाएंगे। धवन ने कहा कि दिल्ली ने उन्हें बहुत कुछ दिया है और अब उसे लौटाने का समय आ गया है। इस कारण वह अपने योगदान के लिए हमेशा तैयार हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने युवाओं को खेलों में आगे बढ़ाने के लिए अच्छा मंच तैयार किया है जिसमें वह अपना पूरा सहयोग देंगे।

जिन लोगों ने मेरा मज़ाक उड़ाया, आज वही मेरा स्वागत करते हैं: दीप्ति जीवनजी

नई दिल्ली, 11 फरवरी (एजेंसियां)।

कभी ऐसा समय था जब लोगों ने उनके माता-पिता को सलाह दी थी कि उन्हें कहीं दूर भेज दिया जाए। उनके हाव-भाव का मज़ाक उड़ाया गया, भविष्य पर सवाल उठाए गए और उनकी क्षमता को शुरुआत में ही खारिज कर दिया गया। लेकिन आज वही दीप्ति जीवनजी देश के लिए पदक जीतने की दौड़ में हैं और अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व कर रही हैं।

बीबीसी इंडियन स्पोर्ट्स वुमन आफ द ईयर अवार्ड्स 2025 से पहले दीप्ति ने एक साक्षात्कार में अपने बचपन को याद करते हुए बताया कि वह तेलंगाना के वारंगल जिले के कलेड़ा गांव में स्कूल के दिनों में नंगे पांव दौड़ा करती थीं। उनके लिए दौड़ना कोई रणनीति नहीं बल्कि स्वाभाविक प्रवृत्ति थी। किसी ने नहीं सोचा था कि स्कूल के मैदान में दौड़ने वाली यह लड़की एक दिन टी20 400 मीटर स्पर्धा में भारत का प्रतिनिधित्व करेगी।

कम उम्र में बौद्धिक दिव्यांगता (इंटेलेक्चुअल डिसएबिलिटी) का पता चलने के बाद दीप्ति को समाज की फुसफुसाहटों और तानों का सामना करना पड़ा। लेकिन जहां कई परिवार ऐसे दबाव में टूट जाते हैं, वहीं उनके माता-पिता ने हार नहीं मानी। दीप्ति कहती हैं, अगर मेरे माता-पिता लोगों की बात सुन लेते, तो मैं आज यहां नहीं होती। उन्होंने डर नहीं, बल्कि प्यार चुना।

उनकी जिंदगी का टर्निंग प्वाइंट तब आया जब स्कूल के एक शारीरिक प्रशिक्षक ने उनकी रफ्तार को पहचाना। इसके बाद परिवार ने आर्थिक तंगी के बावजूद उन्हें हैदराबाद में पेशेवर प्रशिक्षण दिलाने का फैसला किया। दीप्ति याद करती हैं, जब मैं पहली बार हवाई जहाज में बैठी तो रो पड़ी थी। कभी नहीं सोचा था कि जिंदगी मुझे यहां तक ले आएगी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक और सम्मान मिलने के साथ समाज का नजरिया भी बदला। अर्जुन पुरस्कार प्राप्त करना उनके लिए सिर्फ व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं बल्कि एक मजबूत संदेश था। वह कहती हैं, जिन लोगों ने मेरा मजाक उड़ाया, आज वही मेरा स्वागत करते हैं। तानों का जवाब शब्दों से नहीं, मेहनत से देना चाहिए। 22 वर्ष की दीप्ति के सपने अब स्पष्ट हैं। वह पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीतना चाहती हैं, एक घर बनाना चाहती हैं जिसमें अपने पदकों के लिए खास कमरा हो और पुलिस अधिकारी बनने का सपना भी देखती हैं। बीबीसी इंडियन स्पोर्ट्स वुमन आफ द ईयर अवार्ड्स 2025 का आयोजन 16 फरवरी को नई दिल्ली में होगा। इस वर्ष के नामांकित खिलाड़ियों में दिव्या देशमुख (शतरंज), हरमनप्रीत कौर (क्रिकेट), स्मृति मंधाना (क्रिकेट), सुरुचि सिंह (निशानेबाजी) और ज्योति याराजी (एथलेटिक्स) शामिल हैं।

प्रीमियर लीग : लीड्स यूनाइटेड ने चेल्सी को 2-2 की बराबरी पर रोका

लंदन, 11 फरवरी (एजेंसियां)।

प्रीमियर लीग में लगातार पांचवीं जीत की ओर बढ़ रही चेल्सी को लीड्स यूनाइटेड ने जोरदार वापसी करते हुए 2-2 की बराबरी पर रोक दिया। मंगलवार को खेले गए इस मुकाबले में चेल्सी ने 2-0 की बढ़त बना ली थी, लेकिन लीड्स ने छह मिनट के भीतर दो गोल दागकर मैच ड्रा करा लिया। इस ड्रा के साथ ही चेल्सी ने इस सीजन में जीत की स्थिति से 17 अंक गंवा दिए हैं, जिनमें से 15 अंक घरेलू मैदान पर हाथ से निकले हैं।

कोच लियाम रोसेनियर, जो एंजो मारेस्का की जगह लेने के बाद से टीम को लगातार जीत दिला रहे थे, इस परिणाम से निराश दिखे।

चेल्सी ने 24वें मिनट में बढ़त बनाई जब जोआओ पेड्रो ने कोल पामर के साथ बेहतरीन तालमेल दिखाते हुए गोल किया। यह रोसेनियर के कार्यकाल में उनका छठा गोल था। 58वें मिनट में पामर ने पेनल्टी पर गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया। यह पेनल्टी जोआओ पेड्रो को लीड्स के डिफेंडर जाका बिजोल द्वारा धक्का दिए जाने के बाद मिली।

हालांकि, 67वें मिनट में लुकास नेमेचा ने पेनल्टी को गोल में बदलकर लीड्स को मुकाबले में वापस ला दिया। इसके छह मिनट बाद, 73वें मिनट में चेल्सी की डिफेंसिव चूक का फायदा उठाते हुए सब्स्टीट्यूट नोआ ओकाफोर ने खाली पोस्ट में गेंद डालकर स्कोर 2-2 कर दिया।

अंतिम मिनटों में चेल्सी ने लगातार आक्रमण किए, लेकिन इंजरी टाइम में कोल पामर दो गज की दूरी से गोल करने से चूक गए। इसके चलते चेल्सी अंक तालिका में पांचवें स्थान पर बनी हुई है, जबकि मैनचेस्टर यूनाइटेड उससे एक अंक आगे है।

मैच के बाद रोसेनियर ने कहा, हम 90 प्रतिशत समय बेहतर टीम थे, लेकिन पांच मिनट की चूक ने हमें महंगा पड़ा। हमें पूरे 90 मिनट फोकस बनाए रखना होगा। उन्होंने यह भी बताया कि लेफ्ट-बैक मार्क कुकुरेला हैमस्ट्रिंग चोट से जूझ रहे हैं और उनका स्कैन कराया जाएगा।

दूसरी ओर, लीड्स के कोच डेनियल फार्के ने अपनी टीम के जुझारूपन की सराहना की। उन्होंने कहा, 2-0 से पीछे होने के बाद भी हमारे खिलाड़ियों ने हार नहीं मानी। इस ड्रा के साथ लीड्स 15वें स्थान पर पहुंच गया है।

नई 7-सीटर निसान ग्रेविटी 17 फरवरी को लांच करने की तैयारी

नई दिल्ली, 11 फरवरी (एजेंसियां)।

भारतीय कार बाजार में 7-सीटर कारों की भारी डिमांड को देखते हुए निसान ग्रेविटी को कंपनी 17 फरवरी को लान्च करने वाली है। यह निसान की पहली 7-सीटर एमपीवी होगी और भारतीय बाजार में कंपनी की नई रणनीति का अहम हिस्सा माना जा रहा है।

निसान ग्रेविटे रेनो ट्राइबर के सीएमएफ-ए प्लेटफार्म पर आधारित है, जिससे इसकी कीमत काफी प्रतिस्पर्धी रहने की उम्मीद है। ट्राइबर की शुरुआती कीमत 5.76 लाख रुपये है, और ग्रेविटे भी इसी रेंज में लान्च हो सकती है। डिजाइन और रंगों की बात करें तो इसे सिग्नेचर टील शेड के साथ व्हाइट, सिल्वर, ब्लैक और ग्रे विकल्पों में पेश किया जाएगा। पहले जारी किए गए डिजाइन स्केच बताते हैं कि इसमें फ्रंट पर हारिजान्टल एलईडी डीआरएलएस, क्रोम स्लैट ग्रिल और बोनट पर ग्रेविटी लेटरिंग होगी। पीछे की तरफ स्प्लिट टेल-लैंप और टेलगेट पर हारिजान्टल इंसर्ट के साथ एक आकर्षक रियर प्रोफाइल मिलेगा। ग्रेविटे में ट्राइबर की तरह 1.0-लीटर पेट्रोल इंजन दिया जाएगा, जिसमें मैनुअल और एएमटी दोनों ट्रांसमिशन विकल्प मिलने की संभावना है। निसान ने इसे अपने सिबलिंग ट्राइबर से अधिक बोल्ड और माडर्न लुक देने के लिए खास एक्सटीरियर डिजाइन एलिमेंट शामिल किए हैं।

उल्टे एल-शेप डीआरएलएस, चौड़ी फ्रंट ग्रिल, सिल्वर बंपर इंसर्ट और कनेक्टेड टेल-लैंप डिजाइन इसे एक प्रीमियम अपील देते हैं। इसके अलावा माड्यूलर केबिन लेआउट और परिवारों के लिए उपयुक्त कई सुविधा-प्रधान फीचर्स भी संभव हैं। निसान ग्रेविटे कंपनी की मौजूदा कारों मैग्नाइट और एक्स-ट्रेल के साथ लाइनअप को और मजबूत बनाएगी। फीचर्स की बात करें तो यह एमपीवी अपने सेगमेंट में ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए कई आधुनिक सुविधाओं के साथ आ सकती है। इसमें सनरूफ, 360-डिग्री कैमरा और 6 एयरबैग जैसे फीचर्स मिलने की उम्मीद है।

न्यूज ब्रीफ

माइक्रो-एसयूवी टाटा पंच ईवी का फेसलिफ्ट वर्जन 20 को होगा लांच

नई दिल्ली। स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स अपनी माइक्रो-एसयूवी टाटा पंच ईवी के फेसलिफ्ट वर्जन को आगामी 20 फरवरी 2026 को लान्च कर रही है। नए माडल में एक्सटीरियर और इंटीरियर दोनों में बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे, जबकि पावरट्रेन पहले जैसा ही रखा गया है। कंपनी पहले ही इसका अपडेटेड माडल अनवील कर चुकी है, जिससे ग्राहकों में उत्सुकता और बढ़ गई है। उम्मीद की जा रही है कि फेसलिफ्ट माडल की कीमत मौजूदा वेरिएंट्स से अधिक होगी। सबसे बड़ा बदलाव इसके फ्रंट डिजाइन में दिखता है। नई पंच ईवी में क्लोज्ड-आफ ग्रिल दी गई है, जो इसे एक विशिष्ट इलेक्ट्रिक एसयूवी लुक देती है। पिछले माडल की तरह हेडलाइट्स को जोड़ने वाला काला ट्रिम अब हटा दिया गया है। एलईडी डीआरएल लाइट बार को भी रिमूव कर दिया गया है, जिससे फ्रंट फेस और भी साफ और आकर्षक नजर आता है। नीचे की ओर हल्के बदलाव किए गए हैं, जिनमें नया स्कफ प्लेट डिजाइन शामिल है।रिपोर्ट्स के मुताबिक, फेसलिफ्ट माडल में 12.3 इंच का बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम दिया जाएगा, जो नेक्सान ईवी से लिया गया है। नया अपहोल्स्ट्री थीम और लेवल-2 अडास फीचर्स शामिल होने की भी संभावना है। इसके अलावा 360 डिग्री कैमरा, 10.25 इंच डिजिटल क्लस्टर, वायरलेस चार्जिंग, वेंटिलेटेड सीटें और एम्बिएंट लाइटिंग जैसे फीचर्स बरकरार रहेंगे। मौजूदा माडल की तरह ही इसमें 25केडब्ल्यूएच और 35केडब्ल्यूएच बैटरी पैक के विकल्प मिलेंगे। छोटा पैक 265 किमी रेंज और 82एचपी पावर देता है, जबकि बड़ा पैक 365 किमी रेंज और 122एचपी आउटपुट प्रदान करता है। साइड प्रोफाइल में सबसे खास अपडेट इसके नए ऐरो-आप्टिमाइज्ड अलाय वील्स हैं, जो नेक्सान ईवी से प्रेरित लगते हैं। ये न केवल बेहतर रेंज में मदद करेंगे, बल्कि गाड़ी के लुक में भी प्रीमियम टच जोड़ते हैं। कंपनी ने एक नया सनलिट येलो कलर विकल्प भी पेश किया है, जिसके साथ ब्लैक रूफ इसे अधिक स्पोर्टी बनाता है।

आरबीआई के सर्वे में खुलासा..... आर्थिक भविष्य को लेकर चिंतित शहरी उपभोक्ता

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक के जनवरी 2026 के शहरी उपभोक्ता विश्वास सर्वेक्षण से संकेत मिले हैं कि शहरी उपभोक्ताओं का भरोसा भविष्य की आर्थिक परिस्थितियों को लेकर कमजोर हुआ है। आरबीआई के सर्वे के अनुसार, हालांकि मौजूदा हालात को लेकर धारणा करीब स्थिर बनी हुई है, लेकिन अगले एक साल के लिए लोगों की उम्मीदों में स्पष्ट गिरावट दर्ज हुई है। आरबीआई के ताजा कंज्यूमर कान्फिडेंस सर्वे में वर्तमान स्थिति सूचकांक 98.4 से मामूली गिरावट के साथ 98.1 पर आया है। वहीं, एक साल आगे की आर्थिक उम्मीदों को दर्शाने वाला भविष्य की अपेक्षा सूचकांक 2.2 अंकों की गिरावट के साथ 123.4 पर पहुंच गया। यह गिरावट बताती है कि उपभोक्ता आने वाले समय को लेकर ज्यादा सतर्क और चिंतित दिख रहे हैं। सर्वेक्षण के अनुसार, शहरी परिवारों ने आगामी एक वर्ष में सामान्य आर्थिक स्थिति, रोजगार के मौके और आय बढ़ने की संभावनाओं को लेकर पहले की तुलना में कम उम्मीद जाहिर की है। खास तौर पर आय में वृद्धि को लेकर उपभोक्ताओं की धारणा कमजोर हुई है, जिससे खर्च करने के फैसलों पर भी असर हो सकता है।

क्रिस्टल क्राप प्रोटेक्शन गुजरात में लगाएगी नया कृषि-रसायन संयंत्र

नई दिल्ली। कृषि-रसायन क्षेत्र की कंपनी क्रिस्टल क्राप प्रोटेक्शन ने गुजरात के झगड़िया में 31.06 एकड़ भूमि खरीदी है। कंपनी अगले तीन वर्षों में इस स्थान पर स्वचालित विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने के लिए 100 करोड़ रुपये निवेश करेगी। संयंत्र की प्रारंभिक उत्पादन क्षमता सालाना 50,000 टन होगी। बढ़ती मांग को देखते हुए इसे 1,20,000 टन तक बढ़ाया जा सकेगा। संयंत्र में आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जाएगा। संयंत्र में खरपतवारनाशी, फफूंदनाशी और कीटनाशी तैयार किए जाएंगे। प्रमुख उत्पादों में टापर, टिल्ट, प्रोक्लेम, मिसाइल और एसीएम-9 शामिल हैं। कंपनी का लक्ष्य घरेलू बाजार के साथ एशिया और अफ्रीका में निर्यात बढ़ाना है। गुजरात को चयनित करने के पीछे कारण हैं किफायती लागत, नियामकीय स्थिरता और मजबूत आपूर्ति श्रृंखला। झगड़िया संयंत्र को दहेज, हजीरा और जेएनपीटी बंदरगाहों तक आसान पहुंच भी मिलेगी। क्रिस्टल क्राप प्रोटेक्शन के एक अधिकारी ने कहा कि यह संयंत्र कंपनी की वैश्विक प्रतिबद्धता और उत्पादन क्षमता को और मजबूत करेगा।

वीवो की नई वीवो वी70 इलाइट व वी70 सीरीज जल्द होगी लांच

नई दिल्ली, 11 फरवरी (एजेंसियां)।

चाइनीज कंपनी वीवो अपनी नई वीवो वी70 इलाइट और वी70 सीरीज जल्द लांच करने वाली है। वीवो कंपनी ने घोषणा की है कि दोनों स्मार्टफोन 19 फरवरी 2026 को दोपहर 12 बजे भारत में लान्च होंगे। वीवो अपनी वी-सीरीज को कैमरा-केंद्रित और प्रीमियम डिजाइन के लिए जाना जाता है, और इस बार भी कंपनी 120एचझेड रिफ्रेश रेट डिस्प्ले, 6500एमएएच बैटरी और झेसिस-टर्नड कैमरा सिस्टम जैसे शक्तिशाली फीचर्स पेश कर रही है।

कंपनी की ओर से साझा की गई जानकारी के अनुसार, वीवो वी70 इलाइट और वीवो वी70 दोनों सबसे पतले 1.25 मिमी बेजल के साथ भारतीय बाजार में पेश किए जाएंगे। वीवो वी70 पैशन रेड और लेमन येलो रंग विकल्पों में उपलब्ध होगा, जबकि वीवो वी70 इलाइट पैशन रेड, सैंड बेज और आथेंटिक ब्लैक शेड्स में आएगा। डिजाइन और लुक को लेकर कंपनी पहले ही टीज़र जारी कर चुकी है। फीचर्स की बात करें तो वीवो वी70 इलाइट में क्वालकाम स्नैपड्रेगन 8एस जेन 3 प्रोसेसर दिया जाएगा, जबकि वीवो वी70 में स्नैपड्रेगन 7 जेन 4 चिपसेट होगा। दोनों माडलों में 6.59 इंच का 1.5के डिस्प्ले, 90डब्ल्यू फास्ट चार्जिंग और 6,500एमएएच की बड़ी बैटरी दी जाएगी।

कंपनी दावा करती है कि ये फोन्स आईपी68 प्लस आईपी69 रेटिंग के साथ धूल और पानी से सुरक्षित रहेंगे। कैमरा इस सीरीज की सबसे बड़ी खासियत है। झेसिस पावर्ड ट्रिपल कैमरा सेटअप में 50एमपी सोनी आईएमएक्स882 प्राइमरी सेंसर, 50एमपी टेलीफोटो और एक अल्ट्रावाइड लेंस शामिल होगा। फ्रंट में भी 50एमपी का सेल्फी कैमरा दिया गया है, जो फोटोग्राफी और वीडियो शूटिंग को प्रो-लेवल अनुभव प्रदान करेगा। इन फोन्स की बिक्री फलीपकार्ट, अमेजन और वीवो की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध होगी।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील से फार्मा सेक्टर होगा मजबूत, दोनों देशों को मिलेगा फायदा

नई दिल्ली। भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर जहां कई सेक्टरों में अनिश्चितता है, वहीं फार्मा सेक्टर पूरी तरह आश्वस्त नजर आ रहा है। कम लेबर कास्ट और सस्ती दवा निर्माण क्षमता की वजह से भारत अमेरिकी बाजार के लिए एक अहम सप्लायर बना हुआ है। ऐसे में अमेरिका की भारत पर निर्भरता पहले से ही मजबूत रही है, जो इस ट्रेड डील के बाद और बढ़ने की संभावना है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जोटा हेल्थकेयर के चेयरमैन ने कहा कि अमेरिका के बाद सबसे ज्यादा एफडीए-अप्रूव्ड प्लांट भारत में हैं। भारत से बड़ी मात्रा में जेनरिक दवाएं, लाइफ सेविंग और क्रानिक बीमारियों की दवाएं अमेरिका को निर्यात की जाती हैं। उन्होंने कहा कि ट्रेड डील के तहत भारत को एक बड़ी कूटनीतिक और आर्थिक जीत मिली है, क्योंकि अब तक टैरिफ के मामलों में अमेरिका शायद ही कभी झुका हो, लेकिन पीएम मोदी के नेतृत्व में प्रोटोकाल के जरिए संतुलित और लाभकारी समझौता संभव हुआ है। इस डील से दोनों देशों को फायदा मिलेगा। उन्होंने बताया कि भारत से अमेरिका को मुख्य रूप से लाइफस्टाइल और क्रानिक बीमारियों से जुड़ी दवाओं का निर्यात होता है। इनमें डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, थायराइड जैसी बीमारियों की दवाएं हैं, जिनकी मांग अमेरिकी बाजार में लगातार रहती है। उन्होंने आगे कहा कि यूरोपीय संघ के साथ हुई ट्रेड डील से भी भारत को बड़ा फायदा होगा। इस समझौते के तहत एक्सपोर्ट पर ड्यूटी शून्य कर दी गई है। इससे न सिर्फ दवाओं का निर्यात बढ़ेगा, बल्कि टेक्नोलाजी और व्यापार का ट्रांसफर भी भारत में होगा। इसके परिणामस्वरूप भारत में दवा निर्माण और सस्ता होगा, जिससे भारतीय मरीजों को भी कम कीमत पर दवाएं मिलेंगी। इस तरह, भारत-यूएस ट्रेड डील और यूरोपीय संघ के साथ हुए समझौतों से भारतीय फार्मा सेक्टर की वैश्विक पकड़ और मजबूत होने की संभावना है।

भारत में हाई-एंड बाइक्स की मांग अब भी सीमित

नई दिल्ली, 11 फरवरी (एजेंसियां)।

भारत के प्रीमियम मोटरसाइकिल सेगमेंट हाई-एंड बाइक्स की मांग अब भी सीमित है। हार्ले डेविडसन जैसी दिग्गज कंपनी भी इससे उबर नहीं पा रही है। हालिया रिपोर्ट बताती है कि अप्रैल से दिसंबर 2025 के बीच हार्ले डेविडसन इंडिया ने 800सीसी से 1600सीसी सेगमेंट में सिर्फ 97 मोटरसाइकिलें बेचीं। यह आंकड़ा सालाना आधार पर मात्र 1 प्रतिशत की मामूली बढ़त दर्शाता है। नाइटस्टर, स्पोर्टस्टर स-और पैन अमेरिका जैसे माडल युवाओं को ध्यान में रखकर लान्च किए गए थे, लेकिन बिक्री में बड़ा उछाल नहीं दिखा।

इसके विपरीत, 1600सीसी से ज्यादा क्षमता वाले सेगमेंट में कंपनी की स्थिति और कमजोर हुई है। इसी अवधि में इस श्रेणी में हार्ले की बिक्री 15 प्रतिशत गिरकर 90 यूनिट पर सिमट गई। फैट बाब, रोड ग्लाइड और स्ट्रीट ग्लाइड जैसी आइकानिक क्रूज़र बाइक्स अब पहले जैसा आकर्षण खोती दिख रही हैं। यह संकेत है कि भारतीय बाजार धीरे-धीरे बहुत भारी इंजन वाली प्रीमियम मोटरसाइकिलों से दूरी बना रहा है। 800सीसी से ऊपर के पूरे भारतीय मोटरसाइकिल बाजार की बात करें तो भी तस्वीर उत्साहजनक नहीं है।

अप्रैल से दिसंबर 2025 के दौरान इस श्रेणी की कुल बिक्री 1,874 यूनिट रही, जो 6.2 प्रतिशत की सालाना गिरावट है। हालांकि कावासाकी निंजा 1100एसएक्स, सुजुकी हायाबूसा और ट्रायम्फ स्पीड ट्विन जैसे कुछ माडल्स की बिक्री बढ़ी है, लेकिन महंगी कीमतें, कमजोर रोड इंफ्रास्ट्रक्चर और ऊंची मेंटेनेंस लागत अभी भी इस सेगमेंट के विस्तार में बड़ी बाधा बनी हुई हैं। इस बीच भारत और अमेरिका के बीच हुई नई ट्रेड डील से उम्मीदें बढ़ी हैं। अंतरिम समझौते के तहत 800सीसी से 1600सीसी इंजन वाली अमेरिकी मोटरसाइकिलों पर 44 प्रतिशत तक की इंपोर्ट ड्यूटी खत्म होने की संभावना है।

बांग्लादेश-अमेरिका व्यापार समझौते से आरएमजी क्षेत्र को बड़ी राहत

ढाका । बांग्लादेश और अमेरिका ने व्यापार समझौते पर सहमति जताई है, जिसके तहत बांग्लादेश से आने वाले कुछ वस्त्र और परिधान उत्पादों पर अमेरिकी शुल्क को घटाकर 19 फीसदी कर दिया गया है। खासकर अमेरिका में उत्पादित कपास और मानव निर्मित फाइबर से बने रेडीमेड गारमेंट्स (आरएमजी) को शून्य शुल्क पर अमेरिकी बाजार में प्रवेश मिलेगा। यह समझौता नौ महीने की बातचीत के बाद हुआ है। समझौते में अमेरिका से गेहूं, सोयाबीन और एलएनजी आयात, ई-कामर्स पर शुल्क न लगाना, अमेरिकी बौद्धिक संपदा अधिकार मानकों का पालन और डब्ल्यूटीओ सुधारों में सहयोग जैसे प्रावधान शामिल हैं। अमेरिका में वाणिज्य सलाहकार शेख बशीर उद्दीन और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किए। आरएमजी क्षेत्र बांग्लादेश की कुल निर्यात आय में 80 फीसदी से अधिक हिस्सेदारी रखता है। यह क्षेत्र लगभग 40 लाख लोगों को रोजगार देता है, जिनमें अधिकांश महिलाएं हैं, और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में इसका योगदान करीब 10 फीसदी है। व्यापार विश्लेषकों का मानना है कि यह समझौता निर्यातकों के लिए बड़ी राहत है। समझौता ऐसे समय हुआ है जब बांग्लादेश में 12 फरवरी को आम चुनाव होने हैं। अमेरिकी शुल्क कटौती पर हाल ही में अमेरिका-भारत व्यापार समझौते का भी प्रभाव पड़ा हो सकता है।

सोने और चांदी की कीमतों में आई तेजी

नई दिल्ली, 11 फरवरी (एजेंसियां)।

घरेलू बाजार में बुधवार को सोने चांदी में तेज शुरुआत रही। दोनो कीमती धातुओं के वायदा कारोबार में बढ़त रही। घरेलू बाजार में सोने की वायदा कीमतें 1,57,950 रुपये जबकि चांदी की 2,59,200 रुपये के आसपास रहीं। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी में बढ़त रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत अच्छी रही। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल अनुबंध 1,633 रुपये बढ़कर 1,58,436 रुपये के स्तर पर खुला। वहीं इसका पिछला बंद भाव 1,56,803 रुपये था। ये 1,58,436 रुपये के उच्च और 1,57,808 रुपये के निचले स्तर तक पहुंचा। सोने के वायदा भाव पिछले माह 1,80,779 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे।

वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी अच्छी रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च अनुबंध 5,390 रुपये बढ़कर 2,57,938 रुपये पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,52,548 रुपये था। एक समय यह अनुबंध 6,642 रुपये बढ़कर 2,59,190 रुपये के भाव पर कामकाज कर रहा था। इसने 2,59,550 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 2,57,938 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। चांदी के वायदा भाव ने इस साल 4,20,048 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी के वायदा भाव तेजी के साथ कारोबार कर रहे थे। कामेक्स पर सोना 5,048 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 5,031 डॉलर प्रति औंस था। एक समय यह 43.10 डॉलर की तेजी के साथ 5,074.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के भाव ने इस साल 5,586.20 डॉलर के भाव पर सर्वोच्च स्तर हासिल किया। वहीं कामेक्स पर चांदी के वायदा भाव 80.50 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद प्राइस 80.38 डॉलर था। खबर लिखे जाने के समय यह 1.66 डॉलर की तेजी के साथ 82.04 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में तेजी का रुख

नई दिल्ली, 11 फरवरी (एजेंसियां)।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करके बंद हुए। हालांकि डाउ जान्स फ्यूचर्स बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। वहीं एशियाई बाजार में चौतरफा तेजी का रुख बना हुआ है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव में कारोबार होता रहा, जिसके कारण वाल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.36 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 6,939.97 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 134.30 अंक 0.58 प्रतिशत की गिरावट के साथ पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 160.84 अंक यानी 0.32 प्रतिशत की मजबूती के साथ 50,348.98 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.31 प्रतिशत की गिरावट के साथ 10,353.84 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स ने 0.11 प्रतिशत टूट कर 24,987.85 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स 0.06 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 8,327.88 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में चौतरफा खरीदारी होती हुई नजर आ रही है। एशिया के नौ बाजार में से आठ के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं। टोक्यो स्टाक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से निक्केई इंडेक्स में कोई बदलाव नहीं हुआ है। गिफ्ट निफ्टी 0.24 प्रतिशत की तेजी के साथ 26,024.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.33 प्रतिशत की मजबूती के साथ 4,980.69 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

ताइवान वेटेड इंडेक्स ने जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 597.11 अंक यानी 1.81 प्रतिशत उछल कर 33,670.08 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 111.52 अंक यानी 1.37 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,243.26 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा कोस्पी इंडेक्स 1.21 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,365.58 अंक के स्तर पर, हैंग सेंग इंडेक्स 119.85 अंक यानी 0.44 प्रतिशत की तेजी के साथ 27,303 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.31 प्रतिशत की उछाल के साथ 1,414.75 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.22 प्रतिशत की बढ़त के साथ 4,137.55 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 12 फरवरी, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

32 करोड़ रुपए से काचीगुडा डिवीजन का विकास : कन्ने उमा रमेश यादव

हैदराबाद, 11 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
डिवीजन कॉर्पोरेटर कन्ने उमा रमेश यादव ने बताया कि पिछले पांच वर्षों के कॉर्पोरेटर कार्यकाल में काचीगुडा डिवीजन में रु. 32 करोड़ की लागत से कई विकास कार्यक्रम चलाए गए हैं। बुधवार को निंबो-लीअड्डा स्थित भाजपा पार्टी डिवीजन कार्यालय में आयोजित मीडिया बैठक में बोलते हुए उन्होंने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि डिवीजन के समग्र विकास के लिए अतिरिक्त रु. 5 करोड़ तक के प्रस्ताव तैयार कर अधिकारियों एवं सरकार को भेजे गए हैं।

मॉडल मार्केट शीघ्र शुरू करने की मांग

कॉर्पोरेटर ने अधिकारियों से अनुरोध किया कि नारायणगुडा चौराहे पर मॉडल मार्केट का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है, अतः इसे शीघ्र ही जनता और व्यापारियों के उपयोग के लिए प्रारंभ किया जाए। उन्होंने कहा कि इस मार्केट के शुरू होने से स्थानीय व्यापारियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

बुनियादी सुविधाओं पर विशेष ध्यान

कन्ने उमा रमेश यादव ने बताया कि भाजपा सिकंदराबाद सांसद एवं केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी, अंबरपेट विधायक कालेरु वेंकटेश तथा विभिन्न सरकारी विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों के सहयोग से डिवीजन का सर्वांगीण विकास किया गया है। उन्होंने जानकारी दी कि क्षेत्र में मुख्य रूप से सीसी रोड, बीटी रोड, पेयजल व्यवस्था, ड्रेनेज प्रणाली तथा वर्षा जल पाइपलाइनों का निर्माण कराया गया है। साथ ही आवश्यक स्थानों पर पावर बोरवेल भी स्थापित किए गए हैं, जिससे नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं सुगमता से उपलब्ध हो सकें।

जनता और कार्यकर्ताओं का जताया आभार

इस अवसर पर पार्षद ने पिछले पांच वर्षों से सहयोग करने वाली जनता, अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने जनता से अनुरोध किया कि भविष्य में भी उन्हें और अधिक सेवा करने का अवसर प्रदान किया जाए, ताकि काचीगुडा डिवीजन का विकास निरंतर जारी रह सके।कार्यक्रम में भाजपा राज्य परिषद सदस्य सुभाष पटेल, काचीगुडा डिवीजन अध्यक्ष तंगेदिपल्ली बल्वीर, महासचिव आर. संतोष, श्रीराम साईकुमार, वासु, बी. भीमराज, एस. रवि यादव, एस. अरविंद, मल्लिकार्जुन सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बंडारू दत्तात्रेय ने बीएमएस के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष सुंकारी मल्लेशम को दी बधाई

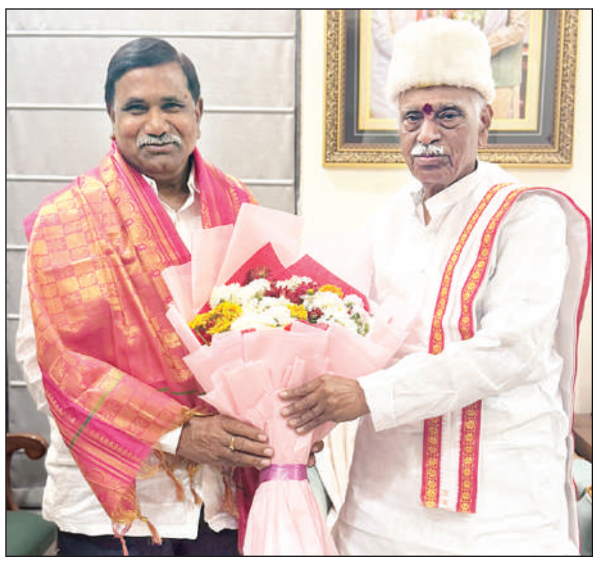

हैदराबाद, 11 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
पूर्व राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय ने भारतीय मजदूर संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर निर्वाचित होने पर सुंकारी मल्लेशम को बधाई और शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर श्री मल्लेशमके उल्लेखनीय सेवाकार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपने पेशेवर जीवन की शुरुआत आईडीपीएल (इंडियन ड्रग्स एंड फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड) से की थी। वहां उन्होंने कर्मचारियों के कल्याण के लिए पूरी समर्पण भावना के साथ कार्य किया। इसके बाद बीएमएस में विभिन्न पदों पर कार्यरत रहते हुए, उन्होंने तेलंगाना राज्य अध्यक्ष के रूप में सेवाएं देते हुए श्रमिक आंदोलन को काफी मजबूत किया।

श्री दत्तात्रेय ने आगे बताया कि जब वे केंद्रीय श्रम मंत्री के पद पर कार्यरत थे, तब उन्होंने श्री मल्लेशमकी क्षमता को पहचानते हुए उन्हें ईपीएफओ (एम्प्लॉइज़ प्रोविडेंट फंड ऑर्गनाइजेशन) सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज (सीबीटी) का सदस्य नियुक्त किया था। उन्होंने कहा कि श्री मल्लेशम ने इस जिम्मेदारी को भी पूरी कुशलता और प्रभावशीलता के साथ निभाया।अंत में श्री बंडारु दत्तात्रेयने कहा कि वह श्री मल्लेशमके नेतृत्व में बीएमएस के और अधिक सशक्त होने की कामना करते हैं। उन्होंने हृदय से यह भी कामना की कि श्री मल्लेशमका कार्यकाल पूर्णतः सफल रहे और वे अपने पद पर अनेक उपलब्धियां हासिल करें।

मूसी नदी विकास परियोजना

50 एकड़ से अधिक भूमि अधिग्रहण के लिए नई अधिसूचना जारी

हैदराबाद, 11 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
ऐतिहासिक मूसी नदी के पुनरुद्धार की दिशा में तेलंगाना सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मूसी नदी विकास परियोजना के तहत 50 एकड़ से अधिक भूमि के अधिग्रहण के लिए नई अधिसूचना जारी की है। इस पहल का उद्देश्य नदी का जीर्णोद्धार, सौंदर्यीकरण और पुनर्जीवन करते हुए इसके दोनों किनारों पर आधुनिक एवं विश्वस्तरीय अवसंरचना का विकास करना है।

नवीनतम अधिसूचना के अनुसार, रंगारेड्डी जिले के गोलकोंडा और गांडीपेट मंडलों में स्थित भूमि का अधिग्रहण किया जाएगा। इसे मूसी नदी पुनर्जीवन योजना के तहत पहला बड़ा प्रशासनिक कदम माना जा रहा है।

अधिसूचना की मुख्य विशेषताएं

50 एकड़ से अधिक भूमि का अधिग्रहण प्रस्तावित। गोलकोंडा एवं गांडीपेट मंडलों में स्थित भूखंड। संबंधित गांवों और सर्वेक्षण संख्याओं की सूची जारी। भूस्वामियों को वर्तमान बाजार दर के अनुसार मुआवजा। निर्धारित समय सीमा के भीतर आपत्ति दर्ज करने का प्रावधान शामिल हैं।

अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि अधिग्रहण प्रक्रिया पारदर्शी होगी और प्रभावित भूस्वामियों को उचित मुआवजा दिया जाएगा। मूसी नदी विकास परियोजना को चरणबद्ध तरीके से हैदराबाद, रंगारेड्डी और मेडचल-मलकाजगिरि जिलों में लागू किया जाएगा। परियोजना लगभग 55 किलोमीटर के दायरे में फैलेगी, जिसमें: 14 मंडल और 46 गांव शामिल होंगे। इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत मूसी नदी कॉरिडोर को एक जीवंत, आधुनिक और पर्यावरण-अनुकूल शहरी क्षेत्र में परिवर्तित करने की परिकल्पना की गई है।

परियोजना में प्रस्तावित विकास कार्य

तेलंगाना सरकार पर्यावरण संरक्षण और शहरी विकास को साथ लेकर चलने की योजना बना रही है। प्रस्तावित कार्यों में- नदी की सफाई और पुनरुद्धार,
दोनों तटों पर पर्यटन स्थलों का विकास, पार्क एवं हरित क्षेत्रों का निर्माण,विश्वस्तरीय शहरी अवसंरचना का निर्माण, बेहतर कनेक्टिविटी और सौंदर्यीकरण शामिल हैं। इससे न केवल पर्यावरणीय स्थिति में सुधार होगा, बल्कि पर्यटन, निवेश और सार्वजनिक मनोरंजन को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

आपत्ति दर्ज करने का अवसर

अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि भूमि अधिग्रहण से संबंधित आपत्तियां निर्धारित अवधि के भीतर संबंधित प्राधिकारी को लिखित रूप में प्रस्तुत की जा सकती हैं। यह प्रावधान प्रक्रिया की पारदर्शिता और कानूनी अनुपालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से रखा गया है। अधिसूचना जारी होने के बाद प्रशासनिक प्रक्रिया में तेजी आने की संभावना है।

अधिकारियों का कहना है कि सभी औपचारिकताएं पूरी होते ही जमीनी स्तर पर कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। मूसी नदी पुनर्जीवन पहल को तेलंगाना की सबसे महत्वाकांक्षी शहरी विकास परियोजनाओं में से एक माना जा रहा है। इसके माध्यम से ऐतिहासिक मूसी नदी को नया जीवन देने और आसपास के क्षेत्रों को आधुनिक, स्वच्छ एवं पर्यावरण-अनुकूल शहरी केंद्रों में बदलने की योजना है।

हैदराबाद में 70 किलो सूखा गांजा जब्त, दो आरोपी गिरफ्तार

35 लाख रुपये कीमत का नशीला पदार्थ बरामद

हैदराबाद, 11 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
बुधवार, 11 फरवरी को हैदराबाद के एसआर नगर इलाके में पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई में 35 लाख रुपये मूल्य के 70 किलोग्राम सूखे गांजे के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई हैदराबाद पुलिस कमिश्नरेट की टास्क फोर्स (वेस्ट जोन) और एसआर नगर पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा की गई।

ओडिशा से हैदराबाद तक तस्करी का नेटवर्क

आरोपियों की पहचान मनियल दलाभेरा (30 वर्षीय) और इस्माइल रायता के रूप में हुई है। मनियल दलाभेरा ओडिशा के गजपथी जिले के अनुगुर गांव का निवासी और किसान है। वह अपने चचेरे भाई रिनिता रायता की सहायता से अपने गांव में ही गांजा उगाता था।

दूसरा आरोपी इस्माइल रायता भी ओडिशा का निवासी है। वह नवंबर 2024 में रोजगार की तलाश में अपनी पत्नी के साथ हैदराबाद आया और कुछ समय के लिए मेडचल में तकनीशियन के रूप में काम किया।

इस्माइल से उसकी पत्नी की बहन रिनिता ने संपर्क किया और उसे बताया कि दलाभेरा अपने गांव में गांजा उगा रहा है। बाद में उसने इस्माइल से कहा कि वह नशीले पदार्थों को बेचने के लिए संभावित ग्राहकों की तलाश करे।

तब से, इस्माइल दलाभेरा और रिनिता की मदद से धूलपेट इलाके में नियमित रूप से ड्रग्स बेचता था। गिरफ्तारी के समय पुलिस ने 70 किलोग्राम गांजा और दो मोबाइल फोन जब्त किए।

पुलिस ने की जनता से अपील

पुलिस ने युवाओं और आम जनता से अपील करते हुए नागरिकों से नशीले पदार्थों से दूर रहने और त्वरित वित्तीय लाभ के लालच में नशीले पदार्थों की तस्करी में न पड़ने का आग्रह किया है।पुलिस ने कहा कि मादक पदार्थों के सेवन से विनाशकारी परिणाम होते हैं, जिनमें रोजगार का नुकसान, मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य समस्याएं और आपराधिक रिकॉर्ड शामिल हैं जो किसी के भविष्य को बर्बाद कर सकते हैं।

पुलिस ने जनता से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना 100 डायल करके देने का भी आग्रह किया।

(मामले की जांच जारी है।)

आबिड्स में चेन स्नैचिंग: नर्स से 2.5 तोला सोने की चेन छीनी, बाइक सवार फरार

हैदराबाद, 11 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। एबिड्स पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत चैपल रोड पर मंगलवार रात एक अज्ञात बाइक सवार बदमाश ने एक नर्स के गले से 2.5 तोला सोने की चेन छीन ली। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया।प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, पीड़िता की पहचान सिरिशा के रूप में हुई है, जो चैपल रोड स्थित मल्ला रेड्डी अस्पताल में नर्स के रूप में कार्यरत हैं। वह अपनी रात्रिकालीन ड्यूटी समाप्त कर छात्रावास लौट रही थीं, तभी यह घटना घटी।घटना आबिड्स पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में हुई। पीड़िता रात में अकेले हॉस्टल जा रही थी। एक बाइक सवार बदमाश उसके पास आकर रुका। आरोपी ने झपट्टा मारकर उसके गले से 2.5 तोला सोने की चेन छीन ली। वारदात के तुरंत बाद वह तेज गति से फरार हो गया। अचानक हुई इस घटना से महिला घबरा गई। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत उसकी सहायता की।पुलिस के अनुसार, आरोपी अकेले मोटरसाइकिल पर आया था और पूरी घटना को बेहद तेजी से अंजाम देकर भाग निकला। वारदात के तरीके को देखते हुए इसे सुनियोजित चेन स्नैचिंग माना जा रहा है।

एबिड्स पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जांच के तहत- चैपल रोड और आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

राधे-राधे ग्रुप के प्रयासों से सेवा भावना हुई और अधिक प्रगाढ़ : महेश अग्रवाल

हैदराबाद, 11 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा संचालित नियमित अन्न कार्यक्रम एक बार फिर मानवता और सेवा का प्रेरणादायक उदाहरण बना। इस अवसर पर ग्रुप के संयोजक महेश अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राधे-राधे ग्रुप के निरंतर और संगठित प्रयासों से आमजन में निराश्रित एवं जरूरतमंद जनों की सेवा करने की भावना और अधिक प्रबल एवं प्रगाढ़ हुई है।

उन्होंने कहा कि अन्नदान महादान है। जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति सेवा को अपना कर्तव्य मान लेता है, तब समाज में किसी भी जरूरतमंद को अभाव का सामना नहीं करना पड़ता।राधे-राधे ग्रुप द्वारा नियमित रूप से संचालित इस अन्न कार्यक्रम में प्रतिदिन बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को सम्मानपूर्वक भोजन कराया जाता है। सेवा के इस कार्य में समाज के विभिन्न वर्गों का सक्रिय सहयोग मिल रहा है, जिससे सेवा की यह धारा निरंतर प्रवाहित हो रही है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने न केवल भोजन वितरण किया, बल्कि आत्मीय संवाद के माध्यम से जरूरतमंदों का हौसला भी बढ़ाया।

इस अवसर पर महेश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, भगतराम गोयल, ई. जगन (चंपापेट), प्रीतिका अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, सुशील गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, बरखा गोयल, गौरव गोयल, सुरेश सिंघल, सोहनलाल दायमा सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

राजकीय मंचों से गूंजेगा ङ्गवंदे मातरम्फका पूर्ण स्वरूप- राष्ट्रगौरव का स्वर्णिम क्षण : जगतनारायण अग्रवाल

हैदराबाद, 11 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।
यह निर्णय राष्ट्र चेतना को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा, बहुत पहले हो जाना चाहिए था

हैदराबाद। केंद्र सरकार द्वारा देशभर के राजकीय एवं सरकारी कार्यक्रमों में ङ्गवंदे मातरम्फके छह पदों के विधिवत गायन के निर्णय ने राष्ट्रभक्ति की भावना को नई ऊर्जा प्रदान की है। इस ऐतिहासिक पहल का राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद से जुड़े वरिष्ठ समाजसेवी जगतनारायण अग्रवाल ने जोरदार स्वागत करते हुए इसे राष्ट्रगौरव का स्वर्णिम क्षण बताया है।

जगतनारायण अग्रवाल ने कहा कि ङ्गवंदे मातरम्फकेवल शब्दों का समूह नहीं, बल्कि भारत माता के प्रति अटूट श्रद्धा, स्वतंत्रता संग्राम की तपस्या और करोड़ों देशभक्तों के बलिदान की अमर गूंज है। इसे राजकीय कार्यक्रमों में पूर्ण स्वरूप में स्थान मिलना हर देशवासी के लिए गर्व का विषय है।

उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह निर्णय बहुत पहले ही लागू हो जाना चाहिए था। राष्ट्र के प्रतीकों

और राष्ट्रगीत को सर्वोच्च सम्मान मिलना चाहिए, क्योंकि यही हमारी सांस्कृतिक पहचान और राष्ट्रीय अस्मिता की नींव है।

उन्होंने आगे कहा कि जब सरकारी मंचों से ङ्गवंदे मातरम्फके छह पद सामूहिक रूप से गूंजेंगे, तो वह केवल एक औपचारिकता नहीं होगी, बल्कि राष्ट्र के प्रति समर्पण का सार्वजनिक संकल्प होगा। इससे युवाओं में देशभक्ति, अनुशासन और राष्ट्रीय मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ेगी।

जगतनारायण अग्रवाल ने विश्वास व्यक्त किया कि यह निर्णय देश की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक परंपराओं को और सशक्त करेगा। उन्होंने कहा कि ऐसे कदम राष्ट्र को भावनात्मक रूप से एक सूत्र में पिरोने का कार्य करते हैं और समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं।

अंत में उन्होंने केंद्र सरकार के इस निर्णय को दूरदर्शी और राष्ट्रहित में उठाया गया ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा कि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा और हर सरकारी मंच से राष्ट्रभक्ति की नई गूंज सुनाई देगी।

कार्टून कॉर्नर

महिला सामायिक किटी द्वारा एकदिवसीय धार्मिक भ्रमण का आयोजन

सामायिक महिला मंडल ने विभिन्न जैन तीर्थ स्थलों का किया दर्शन

हैदराबाद, 11 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। रासूलपुरा सामायिक महिला मंडल के सौजन्य से एक दिवसीय धार्मिक भ्रमण का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर रेखाबेन भोड़तरिया, लीलाबेन मेहता, सविताबेन सिंघवी, रोहिणीबेन भंडारी, पुष्पबेन तातेड, लीलाबेन परमार, शशिबेन जैन, उर्मिलाबेन गोलेछा, भगवतीबेन बाफना, कलाबेन मेहता, नीताबेन बाफना, रेखाबेन मेहता, अरुणाबेन कामदार, पुष्पबेन गेमावत एवं भारतीबेन सेठ सहित कुल 20 सदस्याओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में रमेश पी. तातेड़ ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत रासूलपुरा जैन मंदिर से हुई, जहाँ से सभी सदस्याएँ बस द्वारा प्रस्थान कर मेडचल स्थित 72 जिनालय जैन मंदिर पहुँचीं। मंदिर में श्रद्धाभावपूर्वक पूजा-अर्चना, स्नात्र पूजा एवं अन्य धार्मिक विधियाँ सम्पन्न की गईं। भक्तिमय वातावरण में सभी ने आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति की।

तत्पश्चात सभी सदस्याएँ जैन इंटरनेशनल स्कूल परिसर स्थित जैन मंदिर में दर्शन हेतु पहुँचीं और सामूहिक रूप से प्रार्थना की।इसके उपरांत मंडल मनोराबाद पहुँचा, जहाँ राणावास निवासी मंगलचंदजी, अशोककुमारजी एवं निर्मलकुमारजी कटारिया परिवार द्वारा निर्माणाधीन जैन मंदिर परिसर में सभी सदस्याओं ने सामूहिक रूप से भोजन ग्रहण किया। उल्लेखनीय है कि इस भव्य मंदिर की प्रतिष्ठा आगामी 8 जून 2026 को प्रस्तावित है। सभी महिलाओं ने वासुगोदम गोशाला में लाभ भी लिया।

कार्यक्रम का समापन भंडारी परिवार के फार्म हाउस पर हुआ, जहाँ सौहार्दपूर्ण वातावरण में सभी ने सहभागिता की। यह आयोजन धार्मिक भावना, एकता एवं उत्साह के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

राजकीय मंचों पर वंदे मातरम् – राष्ट्र स्वाभिमान का सच्चा सम्मान : राम प्रकाश अग्रवाल

हैदराबाद, 11 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्र सरकार द्वारा राजकीय एवं सरकारी कार्यक्रमों में वंदे मातरम् के छह पदों के विधिवत गायन के निर्णय को राष्ट्र स्वाभिमान से जुड़ा ऐतिहासिक कदम बताते हुए राम प्रकाश अग्रवाल (सीईओ, गोयल फार्मा) एवं संयोजक, राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद ने गंभीर प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

राम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि राजकीय मंचों पर वंदे मातरम् का पूर्ण स्वरूप में गायन केवल एक औपचारिक व्यवस्था नहीं, बल्कि भारत माता के प्रति सामूहिक श्रद्धा और राष्ट्रीय स्वाभिमान की सशक्त अभिव्यक्ति है। यह निर्णय राष्ट्र की आत्मा को सम्मान देने वाला है।

उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् स्वतंत्रता संग्राम की प्रेरणा रहा है और करोड़ों देशभक्तों के त्याग व बलिदान की स्मृति से जुड़ा है।

इसे सरकारी कार्यक्रमों में समुचित स्थान मिलना नई पीढ़ी के भीतर देशभक्ति, अनुशासन और राष्ट्रीय मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाएगा।

राम प्रकाश अग्रवाल ने आगे कहा कि किसी भी राष्ट्र की शक्ति उसके प्रतीकों के सम्मान में निहित होती है। जब सरकारी मंचों से वंदे मातरम् के छह पद गूंजेंगे, तो वह केवल शब्द नहीं होंगे, बल्कि राष्ट्र के प्रति समर्पण और एकता का संदेश होंगे।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह निर्णय देश की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक परंपराओं को और सुदृढ़ करेगा। अंत में उन्होंने केंद्र सरकार के इस कदम को राष्ट्रहित में दूरदर्शी निर्णय बताते हुए कहा कि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत सिद्ध होगा।

अन्नदान के साथ गौ सेवा का भी मिला अवसर : स्वाति अग्रवाल

हैदराबाद, 11 फ़रवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के सामने गौशाला के समीप राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा संचालित नियमित अन्नदान कार्यक्रम में सेवा और समर्पण का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। कार्यक्रम के दौरान अपने विचार व्यक्त करते हुए स्वाति अग्रवाल ने कहा कि इस मंच पर केवल मानव सेवा ही नहीं, बल्कि गौ सेवा का भी पुण्य अवसर प्राप्त होता है।

उन्होंने कहा, यह हमारे लिए अत्यंत सौभाग्य का क्षण है कि हम इस सेवा परिवार से जुड़कर गौ माता और निराश्रित जनों की सेवा कर पा रहे हैं। सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं, और जब मानवता के साथ गौभक्ति भी जुड़ जाए, तो यह जीवन को धन्य बना देता है।राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा संचालित इस सेवा केंद्र पर प्रतिदिन निर्धन एवं जरूरतमंद लोगों को भोजन कराया जाता है। साथ ही गौशाला में गौमाता की सेवा भी की जाती है, जिससे यह स्थान सेवा, संस्कार और श्रद्धा का केंद्र बन गया है।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, रवि अग्रवाल, गोविंद राम जी, जगन भाई (चंपापेट), अनिल भाई, अरुण विजयवर्गीय, लता गोयल, नीलम विजयवर्गीय, शर्मिला अग्रवाल, स्वास्ति अग्रवाल, अर्चना शास्त्री एवं रेनु शर्मा उपस्थित रहे।

प्रतिभूति मुद्रणालय हैदराबाद में एसपीएमसीआईएल का स्थापना दिवस सम्पन्न

हैदराबाद, 11 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद सिक्योरिटी प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, भारत सरकार के पूर्ण स्वामित्वाधीन एक मिनीरत्न उपक्रम है। दिनांक 10 फरवरी 2006 को तत्कालीन 9 उत्पादन इकाइओं का प्रबंधन, नियंत्रण, रखरखाव व संचालन एसपीएमसीआईएल को सौंप दिया गया था, जो वित्त मंत्रालय के आर्थिक कार्य विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण में कार्य करता है। जिसमें डाक टिकट से लेकर पेपर करेंसी नोट व अमूल्य धातुओं के शुद्धिकरण से लेकर भारत के सर्वोच्च सम्मान पदकों का निर्माण किया जाता है।

दिनांक 10 फरवरी 2026 को प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद में एसपीएमसीआईएल का स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री एस आर वाजपे, महाप्रबंधक ने निगम का ध्वज फहराकर किया, इस अवसर पर उन्होंने सभी कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज हम सफलतापूर्वक 21वां स्थापना दिवस मना रहे हैं जो हमारे विकास की गाथा को दर्शा रहा है, पिछले दो दशकों में हमने प्रतिभूति के मुद्रण में अपनी साख और विशिष्ट पहचान बनाई है। आज हमारे सामने नित–नई बदलती तकनीकी चुनौतियाँ है जिसे अपनाते हुए हमें अपने उत्पाद में गुणवत्ता के साथ–साथ उत्पादन में भी वृद्धि करनी है।इस अवसर पर

प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद की हिन्दी गृह पत्रिका प्रतिमुद्रा के 8वें अंक, वर्ष 2026 का विमोचन श्री एस आर वाजपे, महाप्रबंधक, दुर्गा प्रसाद, अ.म.प्र. (मा.सं.), सुनील कुमार यादव, अ.म.प्र. (त.प्र.), मेहुल राठोड, प्रबंधक, श्री सोलेमन राजू, महासचिव, एचएसपीपीईयू, राघवेंद्र, सीएसओ द्वारा किया गया, राजभाषा अनुभाग द्वारा पत्रिका का ई–वर्जन भी जारी किया गया। इस अवसर पर ओएसआरसी खेलों के विजेता कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया, कर्मचारियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अन्तर्गत नृत्य, गीत, कविता पाठ आदि रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसका श्रोताओं ने भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम का मंच संचालन श्री मेहुल राठोड, प्रबंधक (मा.सं) द्वारा किया गया। मानव संसाधन विभाग के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

हैदरगुड्डा में तेलंगाना सरकार का पुतला फूंका

राजेंद्रनगर पुलिस स्टेशन को साइबराबाद में बनाए रखने की मांग को लेकर बीआरएस का प्रदर्शन

हैदराबाद, 11 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। रंगारेड्डी जिले के राजेंद्रनगर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत हैदरगुड्डा डिवीजन में बुधवार को बीआरएस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने तेलंगाना सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए पुतला फूंका। प्रदर्शन का नेतृत्व बीआरएस नेता चित्ती गारू ने किया।

प्रदर्शनकारियों का मुख्य उद्देश्य राजेंद्रनगर पुलिस स्टेशन को हैदराबाद पुलिस आयुक्तालय में विलय किए जाने के प्रस्ताव का विरोध करना था।

इस दौरान नेताओं ने कहा कि बीआरएस पार्टी के उच्चस्तरीय निर्देशन में यह विरोध कार्यक्रम आयोजित किया गया है, ताकि सरकार का ध्यान इस मुद्दे की ओर आकर्षित किया जा सके।

चित्ती गारू ने कहा कि राजेंद्रनगर पुलिस स्टेशन को साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत ही रखा जाना चाहिए।

उन्होंने तर्क दिया कि क्षेत्र के लोग पिछले कुछ वर्षों में साइबराबाद पुलिस के कार्यप्रणाली और व्यवहार से भलीभांति परिचित हैं, जिससे प्रशासनिक समन्वय और कानून–व्यवस्था बनाए रखने में सुविधा रहती है।

प्रदर्शन में बीआरएस पार्टी के अध्यक्ष चित्ती गारू, नरेंद्र सहित अन्य नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए।

नेताओं ने सरकार से मांग की कि जनभावनाओं का सम्मान करते हुए राजेंद्रनगर पुलिस स्टेशन को साइबराबाद में ही बनाए रखा जाए।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा सम्पन्न

हैदराबाद, 11 फ़रवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। केबीआर पार्क परिसर में श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ इक्षापूर्ति गणेशजी की विशेष पूजा–अर्चना संपन्न हुई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर गणपति बप्पा का आशीर्वाद प्राप्त किया और सुख–समृद्धि की कामना की।

पूजा विधिवत मंत्रोच्चारण एवं वैदिक रीति–रिवाजों के साथ सम्पन्न हुई। इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने गणेशजी से परिवार, समाज और राष्ट्र की उन्नति के लिए प्रार्थना की। वातावरण भक्तिमय भजनों और जयघोषों से गूंज उठा।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से राजेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बलदवा, विठ्ठलदास अग्रवाल (बड़ेगांव वाले), भोज रेड्डी, विजय कुमार अग्रवाल (एडवोकेट), पी.सी. जैन, विनोद टिकमानी, सेशय्या गारु, प्रमोद कुमार सरायवाला, श्रीनिवास रेड्डी, अशोक कुमार सरायवाला, पद्म किरण रेड्डी, श्री देवी, दीपा अग्रवाल, संध्या रानी अग्रवाल, विजया लक्ष्मी रेड्डी, श्रीमती तुम्बी एवं अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे।

दमरे मुख्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 11 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। दक्षिण मध्य रेलवे के मुख्यालय में मंगलवार को राजेश पी.खाडे जी, मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे की अध्यक्षता में मुख्यालय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में मुख्यालय के सभी विभागों तथा इसके अंतर्गत आनेवाले यूनिटों के राजभाषा संपर्क अधिकारी तथा विभागों में राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी कार्य करनेवाले कर्मचारी उपस्थित थे।

मुख्य राजभाषा अधिकारी ने कहा कि संसदीय राजभाषा समिति द्वारा निकट भविष्य में महाप्रबंधक कार्यालय का निरीक्षण किए जाने की संभावना है। उन्होंने कहा कि संसदीय राजभाषा समिति के निरीक्षणों को ध्यान में रखते हुए सभी अधिकारी/कर्मचारी काम करें। इस वर्ष इस रेलवे के मुख्यालय को रेल मंत्री राजभाषा शील्ड का प्रथम पुरस्कार प्राप्त होने पर उन्होंने सभी अधिकारियों/ कर्मचारियों को बधाई दी।

बैठक के आरंभ में वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी/प्र.का. एम.के.नागराजु ने अध्यक्ष महोदय तथा सभी सदस्यों का स्वागत किया और बताया कि मुख्यालय के विभागों में राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी कार्य करनेवाले अधिकारियों तथा कर्मचारियों को उनके कार्य की सराहना में पुरस्कृत किया जाएगा।

डॉ.श्याम सुंदर साहु, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी विभिन्न मदों पर विस्तार से चर्चा की और सभी सदस्यों से अनुरोध किया कि वे अपने–अपने विभागों में राजभाषा मदों का अनुपालन सुनिश्चित करें।

इस बैठक के दौरान मुख्यालय के विभिन्न विभागों में राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी कार्य करनेवाले अधिकारियों तथा कर्मचारियों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

दमरे महाप्रबंधक ने किया धोने-सिकंदराबाद खंड का निरीक्षण

हैदराबाद, 11 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। संजय कुमार श्रीवास्तव, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे ने मंगलवार दि. 10 फरवरी, 2026 को धोने–सिकंदराबाद खंड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ संतोष कुमार वर्मा, मंडल रेल प्रबंधक, हैदराबाद मंडल और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। महाप्रबंधक ने धोने से सिकंदराबाद खंड का पिछली खिड़की से निरीक्षण किया, जिसमें खंड के प्रमुख स्टेशनों का निरीक्षण किया गया और पटरियों, सिग्नलिंग प्रणाली और पुलों के सुरक्षा पहलुओं की समीक्षा की गई। महाप्रबंधक ने कर्नूल सिटी रेलवे स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया, जिसमें उन्होंने यात्री सुविधाओं और परिसर क्षेत्र की समीक्षा की। उन्होंने स्टेशन पर अमृत स्टेशन योजना के तहत 46.62 करोड़ रुपये की लागत से चल रहे पुनर्विकास कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की।इसके अतिरिक्त, संजय कुमार श्रीवास्तव ने एसबीबी जोगुलाम्बा अमृत स्टेशन (6.7 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकसित) का निरीक्षण किया, जहां उन्होंने यात्री सुविधाओं की समीक्षा की और परिसर क्षेत्र का निरीक्षण किया। महाप्रबंधक ने 42.82 करोड़ रुपये की लागत से गडवाल रेलवे स्टेशन पर किए जा रहे पुनर्विकास कार्यों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यों की प्रगति का जायजा लिया और अधिकारियों को परियोजना को और

तेज करने की सलाह दी।महाप्रबंधक ने कृष्णा पुल पर विस्तृत सुरक्षा निरीक्षण किया और पटरियों के कर्मचारियों से बातचीत की। उन्होंने अरेपल्ली में लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 96–ए का भी निरीक्षण किया और गेटमैन से बातचीत की। श्री संजय ने महबूबनगर रेलवे स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया, जिसमें उन्होंने यात्री सुविधाओं और सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने 39.82 करोड़ रुपये की लागत से किए जा रहे अमृत स्टेशन कार्यों का भी निरीक्षण किया। महाप्रबंधक ने अधिकारियों को निर्माण स्थल पर सभी सुरक्षा सावधानियों का पालन सुनिश्चित करने की सलाह दी।संजय कुमार श्रीवास्तव ने रनिंग रूम और क्रू लॉबी का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के एक हिस्से के रूप में, महाप्रबंधक ने क्रू लॉबी में ब्रीथ एनालाइजर टेस्ट उपकरण की कार्यशील स्थिति की जांच की और ठड वाल्व सिमुलेटर का उद्घाटन भी किया।

जडचेरला और शादनगर: पुनर्विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षाबाद में, महाप्रबंधक ने जडचेरला रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया, जहां उन्होंने 36.67 करोड़ रुपये की लागत से किए जा रहे पुनर्विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

उन्होंने सिग्नल और दूरसंचार कर्मचारियों द्वारा स्टेशन पर प्रदर्शित सिग्नलिंग उपकरणों का भी निरीक्षण किया।

संजय कुमार श्रीवास्तव ने शादनगर रेलवे स्टेशन का भी निरीक्षण किया, जिसमें उन्होंने यात्री सुविधाओं और सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने 32.99 करोड़ रुपये की लागत से किए जा रहे अमृत स्टेशन कार्यों का भी निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान, विभिन्न जनप्रतिनिधियों ने महाप्रबंधक से मुलाकात की और अपने क्षेत्र से संबंधित रेल विकास कार्यों के संबंध में प्रतिनिधित्व प्रस्तुत किए।

विभिन्न पाटीदार समाजों के साथ बैठक सम्पन्न

15 फरवरी को विशाल लोक डायरो में सहभागिता का आह्वान

हैदराबाद, 11 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूज्य श्री रामचंद्र डोंगरेजी महाराज गौशाला के तत्वावधान में आयोजित संत शिरोमणि पूज्य रामचंद्र डोंगरेजी महाराज की 100वीं जन्म शताब्दी महोत्सव के उपलक्ष्य में 15 फरवरी को आयोजित होने वाले भव्य लोक डायरो कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु समस्त पाटीदार समाज से व्यापक सहयोग का आह्वान किया गया है।

गौशाला के प्रचार संयोजक रिद्धीश जागीरदार ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि इस महोत्सव एवं विशाल लोक डायरो में अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शहर के विभिन्न पाटीदार समाजों की शाखाओं एवं संस्थाओं के साथ बैठकों का आयोजन किया गया।

एल.वी. नगर स्थित पाटीदार समाज भवन में आयोजित बैठक में हैदराबाद कच्छ कडवा पाटीदार समाज, महिला मंडल एवं युवक मंडल के पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में समाज अध्यक्ष देवशी करमशी पोकार, ट्रस्टी रामजीभाई रामाणी, सह मंत्री कुशाल चौधरी एवं विनोद पटेल, सह कोषाध्यक्ष अमालाल पोकार, युवक मंडल के हरेश रावाणी व सुनील भीमाणी, महिला मंडल की कैलाशवेन पोकार, कोषाध्यक्ष विजयाबेन शंकरलाल पटेल, परामर्शदाता हंसाबेन पोकार सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

इसी क्रम में एल.वी. नगर में कृष्णा ग्रुप के साथ बैठक हुई, जिसमें कांतीभाई डायाणी, प्रेमजीभाई डायाणी, जितुभाई छाभैया, चुनीलाल परसीया, गौतम सिरवी, प्रदीप नाकराणी, पुरुषोत्तम लिम्बानी, छगन डायाणी, रमेश डायाणी सहित अन्य सदस्य शामिल हुए।

रामचंद्रपुरम स्थित पाटीदार भवन में शाखा अध्यक्ष शांतिलाल लिम्बाणी, मंत्री नरेन्द्र चौधरी, ट्रस्टी जयंतीलाल लिम्बाणी सहित अनेक समाजबंधुओं ने भाग लिया। इसी प्रकार मुसापेट, अमीरपेट, मशीराबाद एवं सिकंदराबाद की शाखाओं में भी बैठकें सम्पन्न हुईं, जिनमें विभिन्न समाजों के अध्यक्ष, मंत्री, ट्रस्टी, महिला मंडल एवं युवक मंडल के पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

संयोजक अशोक पटेल ने सभी संस्थाओं से अनुरोध किया कि महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर मेडचल स्थित श्री उमियाधाम में आयोजित इस विशाल लोक डायरो, लोक संगीत एवं ड्ड्एक शाम गौमाता के नामड्ड्ड कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर आयोजन को सफल बनाएं। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम से प्राप्त दान राशि का उपयोग डोंगरेजी महाराज गौशाला के लिए भूमि क्रय में किया जाएगा। यह गौशाला बूचड़खानों से बचाई गई गायों को आश्रय प्रदान करती है और एक गैर-लाभकारी चैरिटेबल ट्रस्ट के रूप में गौसेवा के लिए समर्पित है।

प्रधान संयोजक जसमत पटेल ने बताया कि कार्यक्रम में देश के प्रसिद्ध लोकगायक विवेक सांखला, लोकगायिका श्रुति पटेल तथा विख्यात हास्य कलाकार हक्का भा गढ़वी अपनी टीम के साथ प्रस्तुति देंगे। उन्होंने समाज के सभी बंधुओं से तन, मन और धन से सहयोग करने की अपील की।

उन्होंने आगे बताया कि संत रामचंद्र डोंगरेजी महाराज स्वयं महान गौभक्त थे और प्रतिदिन गौपूजन के पश्चात ही कथा स्थल के लिए प्रस्थान करते थे। उनकी प्रेरणा से हैदराबाद के समीप इंजापुर में गौशाला की स्थापना की गई। अब गौशाला को विस्तृत स्वरूप देने हेतु भूमि क्रय का संकल्प लिया गया है, जिसमें गौभक्तों से सहयोग का आग्रह किया गया है।रिद्धीश जागीरदार ने कहा कि सनातन धर्म में गौसेवा को महान पुण्य का कार्य माना गया है। उन्होंने समाजबंधुओं से श्रद्धानुसार भूमि दान कर इस पुनीत कार्य में सहभागी बनने का आह्वान किया।गौशाला समिति के प्रधान संयोजक जसमत पटेल, अशोक पटेल, प्रभु पटेल, वसंत पटेल, जयसुख पटेल, जसवंत सुराणी, जयंती पटेल, चमन पटेल, बलदेव पटेल, प्रवीण पटेल सहित अन्य पदाधिकारियों ने विभिन्न क्षेत्रों में समाजबंधुओं से भेंट कर कार्यक्रम में सहभागिता हेतु आमंत्रित किया।

सभी पाटीदार समाजों के पदाधिकारियों ने कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी और पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

डीआरएम ने पेद्दापल्ली रेलवे स्टेशन का किया निरीक्षण

पेद्दापल्ली, 11 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। डीआरएम आर. गोपालकृष्ण ने पेद्दापल्ली रेलवे स्टेशन का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने स्टेशन पर चल रहे विभिन्न विकास कार्यों और बुनियादी ढांचे के कार्यों की प्रगति का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखते हुए उन्हें जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।

दृइस अवसर पर उत्तर पूर्व रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समितिदके सदस्य एन.डी. तिवारी ने डीआरएम आर. गोपालकृष्ण को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। सम्मान के उपरांत, तिवारी ने डीआरएम को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें पेद्दापल्ली स्टेशन पर प्रमुख एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव (कश्रीं) की पुरजोर मांग की गई। उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुविधा के लिए इन ट्रेनों का रुकना अत्यंत आवश्यक है।

एन.डी. तिवारी ने विशेष रूप से निम्नलिखित ट्रेनों के ठहराव की मांग रखी कि भगत की कोठी एक्सप्रेस, तेलंगाना एक्सप्रेस, नागपुर-हैदराबाद एक्सप्रेस, मैसूर एक्सप्रेस और वंदे भारत एक्सप्रेस इसके साथ ही, उन्होंने पेद्दपल्ली रेलवे स्टेशन के आधुनिकीकरण कार्यों में तेजी लाने और हनुमानुनीपेट फ्लाईओवर ब्रिज के निर्माण कार्य को जल्द से जल्द पूरा करने का आग्रह किया ताकि स्थानीय लोगों को यातायात में सुविधा हो सके।

इस निरीक्षण कार्यक्रम के दौरान डीआरएम के साथ रेलवे के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। साथ ही, स्थानीय नेताओं और गणमान्य व्यक्तियों में नंदकिशोर अटल, तिरुपति एवं अन्य प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

पंडित दीनदयाल उपाध्यायजी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए भाजपा तेलंगाना अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह , हरप्रीत सिंह, सतपाल सिंह, मनमोहन सिंह, मोहिंदरपाल सिंह, सतीश हुंडिया, गुरचरण सिंह, फिरासत अली बाक़री,अवैस मिर्ज़ा, शाहजहान, शेबाज़ , रिड़ा कोडोस एवं अन्य।

सेवा का भाव मन से होता है, धन से नहीं : सुभाष अग्रवाल

हैदराबाद, 11 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे0राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में हिंदू अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने केबीआर पार्क पर आयोजित नियमित अन्नदान कार्यक्रम में सेवा का भाव और मानवीय संवेदनाओं का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए वरिष्ठ सदस्य सुभाष अग्रवाल ने कहा कि सेवा का भाव मन से होता है, धन से नहीं। सेवा केवल धनवान व्यक्ति नहीं, बल्कि मन से धनी व्यक्ति ही कर सकता है। केवल धन से कोई सच्ची सेवा नहीं कर सकता।

उन्होंने आगे कहा कि समाज में वास्तविक परिवर्तन वही लोग लाते हैं, जिनके हृदय में करुणा, संवेदना और समर्पण का भाव होता है। सेवा का उद्देश्य दिखावा नहीं, बल्कि पीड़ित और जरूरतमंदों के जीवन में आशा का दीप जलाना है।कार्यक्रम के अंतर्गत मरीजों एवं उनके परिजनों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित किया गया। राधे0राधे ग्रुप द्वारा संचालित यह नियमित अन्नदान कार्यक्रम निस्वार्थ सेवा की एक सशक्त मिसाल बनता जा रहा है। इस सेवा कार्य में सुभाष अग्रवाल, हरीश तोलाराम हिंदुजा, संजय गुप्ता, उमाकांत गुप्ता, उर्मिला गुप्ता, जयप्रकाश सारड़ा, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, रणधीर सहित राधे0राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे और सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाई।

पत्रकारिता को नई पहचान : पत्रकार प्रेस परिषद ने भारत में पहली बार लागू किया ड्रेस कोड

लखनऊ, 11 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। पत्रकारिता जगत में एक ऐतिहासिक पहल करते हुए पत्रकार प्रेस परिषद ने भारत में पहली बार अपने संगठन में अनिवार्य ड्रेस कोड लागू कर पत्रकारों को एक नई और सशक्त पहचान दी है। परिषद के राष्ट्रीय चेयरमैन ऋषभ मिश्रा आज़ाद के नेतृत्व में लिए गए इस निर्णय का पालन संगठन के सभी पदाधिकारी एवं सदस्यों द्वारा पूर्ण रूप से किया गया।लखनऊ में आयोजित परिषद की महत्वपूर्ण बैठक संकल्प- 2026 में सभी पदाधिकारी एवं सदस्य सफेद पैंट, सफेद शर्ट एवं सफेद सदरी पहनकर उपस्थित रहे। यह दृश्य पत्रकारिता में अनुशासन और एकरूपता का प्रतीक बना।बैठक में परिषद के चेयरमैन ऋषभ मिश्रा आज़ाद, नेशनल ब्रांड एंबेसडर ज्योति बाबा एवं उत्तर प्रदेश के प्रदेशाध्यक्ष मनीष मिश्रा की गरिमामयी उपस्थिति रही। अपने प्रभावी संबोधन में चेयरमैन ऋषभ मिश्रा आज़ाद ने कहा कि संगठन को चलाने के लिए नियम, अनुशासन और समर्पण जरूरी है। ड्रेस कोड से पत्रकारों को एक नई पहचान मिलेगी। प्रदेश अध्यक्ष मनीष मिश्रा ने कहा कि अब पत्रकार अकेला नहीं है, पत्रकार प्रेस परिषद हर पत्रकार के साथ खड़ी है। अंत में नेशनल ब्रांड एंबेसडर ज्योति बाबा ने सभी को राष्ट्रीय एकता अखंडता एवं नशा मुक्त भारत का संकल्प भी कराया। इस अवसर पर 3 लाख बीमा का वितरण प्रदेश अध्यक्ष मनीष मिश्रा द्वारा, नेम प्लेट वितरण चेयरमैन ऋषभ मिश्रा आज़ाद द्वारा एवं आई-कार्ड वितरण नेशनल ब्रांड एंबेसडर ज्योति बाबा द्वारा किया गया। साथ ही मंडल अध्यक्ष राजेश निगम एवं मंडल महासचिव उदयभान सिंह ने परिषद के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को नियुक्ति पत्र (मनोनयन पत्र) प्रदान किए।बैठक में संगठन विस्तार के तहत कई महत्वपूर्ण नियुक्तियां भी की गईं, जिनमें आरपी. त्रिपाठी को प्रदेश सचिव उत्तर प्रदेश, सुरेश कुमार द्विवेदी को बुंदेलखंड कार्यवाहक संयोजक, राजेंद्र प्रसाद वर्मा को बुंदेलखंड सचिव नियुक्त किया गया। साथ ही बुंदेलखंड के दो मंडल एवं सात जिलों का कार्यभार सौंपा गया। इसके अतिरिक्त राजीव कुमार मिश्रा जिला सलाहकार कानपुर नगर, सुनील त्रिपाठी एडवोकेट विधिक सलाहकार कानपुर नगर, मनबोधन सिंह तहसील अध्यक्ष घाटमपुर, गजेंद्र सिंह सेगर नियुक्त किए गए। सभी सदस्यों को अधिकारिक सदस्यता प्रदान की गई। सदस्यता आई कार्ड पाने वालों में प्रमुख रूप से मनमोहन दीक्षित, वैभव दीक्षित, ओम शंकर विश्वकर्मा, अमित सिंह चौहान, विशाल मिश्रा, मधुप दीक्षित एवं प्रदीप कुमार वर्मा, विपिन दुबे, देवांश भाटिया, मनोज मिश्रा, हरिशंकर, मुकेश मिश्रा, सत्य प्रकाश, लक्ष्मीकांत शर्मा, देवेंद्र सिंह, बृजेश मिश्रा आदि सम्मानित सदस्य मौजूद रहे। इसके अलावा कानपुर नगर एवं कानपुर देहात में भी विभिन्न पदों पर नियुक्तियां की गई। उल्लेखनीय है कि पत्रकार प्रेस परिषद भारत का एकमात्र पत्रकार संगठन है, जो अपने पदाधिकारियों एवं सक्रिय सदस्यों को 3,00,000 (तीन लाख रुपये) का बीमा, नियुक्ति पत्र, आई-कार्ड, डोरी होल्डर व स्टीकर, घर पर लगाने हेतु नेम प्लेट जैसी सुविधाएं प्रदान करता है।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, No. 15815003Y Hav M Arun Kumar of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, Ts that my Daughter name is changed from HARINI BALA to A HARINI BALA and also changed my mother name is changed from MA KANGA MANI to KANAKAMANI

CHANGE OF NAME
I, No. 6944012W Nk Arvind Kumar of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, Ts that my Mother name is changed from RAMSHREE to RAMSHRI

CHANGE OF NAME
I, No. 6942137R Hav Ajay Kumar Yadav of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, Ts that my Daughter name is changed from ANJALI KUMARI to ANJALI YADAV and also my Daughter name is changed from PRIYA KUMARI to PRIYA YADAV

CHANGE OF NAME
I, ANCHITHA VAISHAKH PILLAI is legally wedded spouse of Army No.6944056W Hav Vaishakh Vijayan Pillai R/o. Plot no - 31, Ami Drusty Society Vijalpore Road, Dist:Navsari, Gujarat 396445 have changed my name from ANCHITHA VAISHAKH PILLAI to ANCHITHA GOPINATH vide affidavit dt:11/02/2026 before C.V.N Rama Krishna, Advocate and notary, Secunderabad

CHANGE OF NAME & DOB
I, SHAIK ASRIFOONNISA Wife of Army Service No.15208917H, Rank HAV, Name AKAVEETI PEDDA DEENAVALI, presently Residing at village-MADAR PALLI, Post Office-THURIMELLA, Police Station & Mandal-CUMBUM, District- Prakasam(AP), INDIA, That I have changed my Name from SHIK ASAFUN to SHAIK ASRIFOONNISA (Proposed New Name) due to Every Legal Document Purpose such as SSC Marklist, Birth Certificate and Aadhar Card and My Date of Birth From 28-05-1987 to 04-03-1986 Vide Affidavit dated 10-02-2026.

CHANGE OF NAME
I, NARAYANAMMA, is legally dependent Mother of Service No 14668469H, Rank: HAV, Name: DEVIREDDY V RAMIREDDY, Unit: MCEME 'B' COY, Secunderabad, R/o.H.No.5-3-134/1, EMPLOYEE Colony, Road No.1, VILL: Yapral PO JJ Nagar Colony, Teh: Alwal, Dist: Medchal -Malkajgiri, State: TG- 500087, I have changed my name from NARAYANAMMA to DEVIREDDY NARAYANAMMA due to addition of surname My Date of Birth is 01-01-1957

CHANGE OF NAME & DOB
I, Service No-14663559A, Rank-EX NK, Name- Hanuman Singh R/o Vill-Surjanwas,PO-Dewas,Teh & Dist-Mahendra Garh, State-Haryana, PIN-123034, I have changed my Mother name from SAVITRI DEVI to SAWTRI DEVI and DOB changed from 01/07/1960 to 01/01/1952 and also my Father (JAI SINGH) DOB changed from 01/07/1958 to 11/03/1953 add in my service documents vide affidavit date 10 Feb 2026 before X Spl Judicial Magistrate Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, LALITHA is legally wedded Spouse of Service No-15163746M Rank-HAV, (Gnr) Name-Venkata Rao Sistu Residing at H.No.1-302 ,Main Road Street,Narisinga palli (village&Post). Tekkalli (mandalam) Srikakulam District,Andhra Pradesh, PIN-532201. I have changed my name from LALITHA to SISTU.LALITHA and Date of Birth is 08/03/1993 add in my husband service documents vide Affidavit dated 10 Feb 2026 before X Spl Judicial Magistrate Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Service No-JC-775354W Rank-SUB MAJ, Name-Jomon K C R/o House-Karukakalam,PO-Ramankary, District-Alappuzha,PIN-689595,State-Kerala, I have changed my Mother name from EALESAMMA to ELSAMMA CHACKO and also date of birth changed from 01/07/1958 to 01/01/1954 add in my service documents vide affidavit date 11 Feb 2026 before C Samuel Advocate Secunderabad.

ज्ञान भारतम् मिशन के अंतर्गत देशव्यापी ऐतिहासिक पहल

पाण्डुलिपि सर्वेक्षण का शुभारंभ 15 से

बीकानेर, 11 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत की प्राचीन ज्ञान0परंपरा और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ किए गए ज्ञान भारतम् मिशन के अंतर्गत पाण्डुलिपि सर्वेक्षण कार्य का औपचारिक शुभारंभ 15 फरवरी से किया जाएगा। विशेष रूप से यह उल्लेखनीय है कि पाण्डुलिपि सर्वेक्षण अभियान का सर्वप्रथम शुभारंभ ज्ञान भारतम् मिशन के सर्वेक्षण अधिकारी द्वारा राजस्थान के बीकानेर संभाग मुख्यालय स्थित अभय जैन ग्रन्थालय केंद्र से किया गया।

केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के कुशल नेतृत्व में इंद्रजीत सिंह (निदेशक, ज्ञान भारतम् मिशन) ने इस महत्त्वपूर्ण देशव्यापी सर्वेक्षण की आधिकारिक घोषणा की है। इस अवसर पर इंद्रजीत सिंह ने कहा कि यह सर्वेक्षण कार्य भारत के प्रत्येक राज्य और क्षेत्र में फैली हुई दुर्लभ, अप्रकाशित एवं लुप्तप्राय हस्तलिखित पाण्डुलिपियों की पहचान, सूचीकरण एवं संरक्षण की दिशा में एक मील का पत्थर सिद्ध होगा। उन्होंने बताया कि सर्वेक्षण के माध्यम से मंदिरों, मठों, आश्रमों, पुस्तकालयों, निजी संग्रहों एवं पारंपरिक संस्थानों में सुरक्षित पाण्डुलिपियों को राष्ट्रीय अभिलेख में सम्मिलित किया जाएगा।

तेलंगाना नगर निकाय चुनावों में कांग्रेस को बड़ी जीत की संभावना

पीपुल्स पल्स एग्जिट पोल में सत्तारूढ़ पार्टी की मजबूत बढ़त का अनुमान

हैदराबाद, 11 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। पीपुल्स पल्स द्वारा किए गए एग्जिट पोल के अनुसार, तेलंगाना में 116 नगरपालिकाओं और 7 नगर निगमों के लिए हुए मतदान में सत्तारूढ़ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (कांग्रेस) को व्यापक जीत मिलने की संभावना है। यह सर्वेक्षण शहरी राजनीति में महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत देता है, जहां कांग्रेस ने अपने आधार को मजबूत किया है।

कांग्रेस को लगभग 70% नागरिक निकायों में जीत का अनुमान

एग्जिट पोल के अनुसार, कांग्रेस पार्टी को प्रमुख नगर निगमों सहित लगभग 70 प्रतिशत नागरिक निकायों में जीत हासिल करने का अनुमान है। सर्वेक्षण से पता चलता है कि प्रमुख शहरी केंद्रों में कांग्रेस का प्रदर्शन काफी मजबूत रहा है, जैसे कि मंचेरियल, रामगुंडम, नलगोंडा, महबूबनगर, कोत्तागुडम।

एग्जिट पोल से यह भी संकेत मिलता है कि राज्य में पहले की

चुनावी सफलताओं के बाद कांग्रेस ने अपने शहरी मतदाता आधार को मजबूत कर लिया है।

करीमनगर, निज़ामाबाद में बीजेपी आगे, एमआईएम किंगमेकर की भूमिका में

हालांकि कांग्रेस के समग्र रूप से हावी रहने की उम्मीद है, वहीं भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के करीमनगर नगर निगम, निज़ामाबाद नगर निगम क्षेत्रों में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरने का अनुमान है। सर्वेक्षण के अनुसार, इन दोनों निगमों में एआईएमआईएम से एक महत्व-पूर्ण किंगमेकर की भूमिका निभाने की उम्मीद है।

एग्जिट पोल के पूर्वानुमानों से विपक्षी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को भारी झटका लगने की आशंका है, जिससे पता चलता है कि वह तेलंगाना में एक भी नगर निगम पर नियंत्रण हासिल करने में विफल हो सकती है।

पीपुल्स पल्स एग्जिट पोल के अनुमान के अनुसार समग्र परिणाम निम्नलिखित है:- कांग्रेस: 68–76 नगरपालिकाएँ, बीआरएस: 29–36, भाजपा: 3–5, एआईएमआईएम: 0–1. वोट शेयर के संदर्भ में:-कांग्रेस: 36%, बीआरएस: 29.7%, भाजपा: 19.3% और एआईएमआईएम: 2% शामिल हैं।वार्डवार अनुमानों के अनुसार, कांग्रेस 1,210–1,290 वार्डों के साथ सबसे आगे है, उसके बाद बीआरएस, भाजपा, एआईएमआईएम और वामपंथी दल हैं।

13 फरवरी को मतगणना शुरू होगी, इसलिए अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि अंतिम परिणाम एग्जिट पोल के अनुमानों से मेल खाएंगे या नहीं। सभी एग्जिट पोल की तरह, ये आंकड़े भी अनुमानित हैं और वास्तविक परिणाम भिन्न हो सकते हैं।यदि सर्वेक्षण के रुझान बरकरार रहते हैं, तो तेलंगाना के नगर निकाय चुनाव राज्य में कांग्रेस पार्टी के लिए एक और महत्वपूर्ण राजनीतिक मील का पत्थर साबित हो सकते हैं। मतदान 11 फरवरी को 73.01% मतदाता भागीदारी के साथ संपन्न हुआ था।

प्रमुख नगर निगम अनुमान

- रामागुंडम: कांग्रेस 30–34 । बीआरएस 16–20 । भाजपा 3–6 । अन्य 4–7
- मंचेरियल: कांग्रेस 39–43 । बीआरएस 8–12 । बीजेपी 6–9 । अन्य 1–2
- कोठागुडेम: कांग्रेस 28–34 । बीआरएस 7–9 । सीपीआई 14–16 । अन्य 2–4

महबूबनगर: कांग्रेस 26–30 । बीआरएस 18–22 । बीजेपी 6–8 । एआईएमआईएम 2–4
नलगोंडा: कांग्रेस 21–26 । बीआरएस 8–12 । बीजेपी 6–10 । एआईएमआईएम 2–4
निज़ामाबाद: बीजेपी 26–31 । कांग्रेस 10–16 । एआईएमआईएम 8–12 । बीआरएस 2–4
करीमनगर: भाजपा 24–29 । कांग्रेस 14–16 । एआईएमआईएम 6–9 । बीआरएस 10–12

मुख्यमंत्री ने खरगे से मुलाकात की प्रमुख राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा

नई दिल्ली, 11 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी में कांग्रेस अध्यक्ष एवं राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे से शिष्टाचार भेंट की।आधिकारिक बयान के अनुसार, सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुई इस बैठक के दौरान प्रमुख राजनीतिक घटनाक्रमों तथा जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। हालांकि, बातचीत के विशिष्ट मुद्दों का तत्काल खुलासा नहीं किया गया।मुख्यमंत्री के साथ कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य मल्लू रवि तथा लोकसभा सांसद अनिल कुमार यादव और के. रघुवीर रेड्डी भी मौजूद थे।

तेलंगाना सहित राष्ट्रीय स्तर पर जारी राजनीतिक गतिविधियों के बीच इस मुलाकात को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

जियागुडा के स्कूल में कक्षा के दौरान झड़प, एक छात्र घायल

हैदराबाद, 11 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। कुलसुमपुरा पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत जियागुडा स्थित कृष्णावेनी स्कूल में कक्षा के दौरान छात्रों के बीच हुई झड़प में एक छात्र घायल हो गया। घटना के बाद कुछ समय के लिए विद्यालय परिसर में तनाव का माहौल बन गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, कक्षा 5 के दो छात्रों के बीच किसी बात को लेकर विवाद शुरू हुआ।

बहस के दौरान एक अन्य छात्र ने कथित तौर पर एक बच्चे के सिर पर पैड (स्कूल बैग/किताबों का पैड) से वार कर दिया, जिससे वह घायल हो गया। घायल छात्र के सिर में चोट आई।

घटना के तुरंत बाद उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक चिकित्सा दी गई।

सूत्रों के अनुसार, जिस छात्र द्वारा चोट पहुंचाई गई, उसके अभिभावकों ने घायल छात्र के चिकित्सा खर्च वहन करने पर सहमति जताई। दोनों परिवारों के बीच बातचीत के बाद

आपसी सहमति से मामले का समाधान कर लिया गया।

कोई औपचारिक पुलिस शिकायत दर्ज नहीं की गई। मामला पुलिस स्टेशन तक नहीं पहुंचा।पीड़ित परिवार की ओर से शिकायत न मिलने के कारण कुलसुमपुरा पुलिस ने कोई मामला दर्ज नहीं किया।

अधिकारियों ने बताया कि दोनों पक्षों द्वारा सौहार्दपूर्ण समाधान चुने जाने के कारण यह मामला स्कूल स्तर पर ही सुलझ गया।

इस घटना ने एक बार फिर कम उम्र के छात्रों के बीच बढ़ते विवादों, निगरानी की आवश्यकता, परामर्श व्यवस्था और प्रभावी संघर्ष-समाधान तंत्र की जरूरत को उजागर किया है।

अभिभावकों और विद्यालय प्रशासन से अपेक्षा की जा रही है कि वे भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाएं, ताकि विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

ऑनलाइन लोन धोखाधड़ी का भंडाफोड़

फर्जी मुद्रा लोन घोटाले में पांच मुख्य आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 11 फ़रवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। साइबर धोखाधड़ी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने फर्जी ऑनलाइन ऋण घोटाले में शामिल पांच मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी खुद को मुद्रा लोन अधिकारी बताकर फर्जी वेबसाइटों और सोशल मीडिया विज्ञापनों के माध्यम से लोगों को ठग रहे थे।

पुलिस के अनुसार, यह गिरोह तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के लोगों को निशाना बना रहा था। इस कार्रवाई को ऑनलाइन लोन घोटालों के खिलाफ एक महत्व-पूर्ण सफलता माना जा रहा है।

गिरफ्तार आरोपियों में- बोचू

अरुण, गदम भरत, समरल्ला तिरुपति, वेलपुगोंडा थारुन और चुक्का श्याम शामिल हैं।

पांचों आरोपी तेलंगाना के वारंगल जिले के निवासी हैं और एक संगठित साइबर धोखाधड़ी नेटवर्क का हिस्सा बताए जा रहे हैं।यह मामला तब उजागर हुआ जब हैदराबाद की 36 वर्षीय एक महिला ने साइबर क्राइम पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के अनुसार महिला ने इंस्टाग्राम पर एक लोन विज्ञापन देखा।उन्हें फोन कर बताया गया कि उनका 3 लाख का मुद्रा लोन स्वीकृत हो चुका है।आधार और पैन कार्ड की जानकारी मांगी गई।बीमा शुल्क, टीडीएस और अन्य प्रो-सेसिंग फीस के नाम पर पैसे मांगे गए।पीड़िता ने कुल 1,08,274 की राशि ट्रांसफर कर दी।लोन रद्द करने का अनुरोध करने के बाद भी अतिरिक्त राशि की मांग की गई।इसके बाद पीड़िता ने साइबर क्राइम पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिस पर विस्तृत जांच शुरू की गई।

जांच में सामने आया कि आरोपी सुनियोजित तरीके से लोगों को जाल में फंसाते थे । जिसमें- फर्जी लोन वेबसाइट और सोशल मीडिया विज्ञापन तैयार करना। बिना ब्याज या कम ब्याज पर आसान लोन का झांसा देना। विभिन्न राज्यों से संभावित पीड़ितों का डेटा एकत्र करना। खुद को मुद्रा लोन अधिकारी बताकर संपर्क करना। प्रोसेसिंग फीस, टीडीएस, बीमा और आयकर शुल्क के नाम पर रकम वसूलना। कोलकाता और दिल्ली से संचालित फर्जी कॉल सेंटर का उपयोग। धनराशि को हैंडलरों के खातों में ट्रांसफर कर कमीशन लेना शामिल हैं।

पुलिस के अनुसार, आरोपियों को यह जानकारी थी कि उनका कार्य अवैध है, फिर भी आर्थिक लाभ के लिए वे इस गतिविधि में संलिप्त रहे।

जयकारों के बीच हुई प्रतिमाओं की प्रतिष्ठा

भक्ति के रंग में रँगे शहरवासी, वैदिक मंत्रोच्चार से पावन हुई धरा

बेंगलूरु, 11 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। वैदिक मंत्रोच्चार और भक्ति-भाव से सरोबर वातावरण में होसकोटे स्थित नव-निर्मित श्री आईमाता मंदिर में बुधवार को भव्य प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव दिव्यता और गरिमा के साथ सम्पन्न हुआ। पूरे आयोजन के दौरान मंदिर परिसर आध्यात्मिक आभा से आलोकित रहा और श्रद्धालुओं की भीड़ ने इसे एक पवित्र तीर्थ में परिवर्तित कर दिया।

सीरवी समाज व आईपंथ के धर्मगुरु दीवान माधवसिंह के सानिध्य में आईमाताजी एवं अन्य देवी-देवताओं की मूर्तियों की प्राण-प्रतिष्ठा, अखंड ज्योति एवं स्थापना विधि-विधानपूर्वक सम्पन्न हुई। प्रातः धर्मगुरु दीवान माधवसिंह के सानिध्य में माता का पाट और ध्वजा जयकारों के साथ मंदिर में लाया गया, जहां धर्मगुरु ने मंदिर में तोरण वादन किया। इसके पश्चात पंडित वी.एच. विनोद दीक्षित के नेतृत्व में तुमकूर से आए पंडितों ने वैदिक विधान प्रारंभ किया।

जैसे ही मूल गर्भगृह में आईमाता की मूर्ति स्थापित की गई, श्रद्धालु खुशी से झूम उठे। संस्था के अध्यक्ष कानाराम परिहारिया ने सभी को बधाई दी। महिलाओं ने मंगलगान करते हुए नृत्य किया। लाबुराम बर्फा परिवार ने आईमाता

की मूर्ति स्थापित की। प्रतिष्ठा उपरांत लाभार्थी गोपालसिंह राठौड़ परिवार ने मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण किया। कानाराम परिहारिया परिवार ने विधि-विधानपूर्वक मुख्य कलश स्थापना की, जबकि रमेश राठौड़ परिवार ने अखंड ज्योति प्रज्वलित की। ध्वजारोहण एवं कलश स्थापना के दौरान पुष्पवर्षा की गई और श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे को बधाई दी।लाभार्थी परिवारों ने अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाओं की स्थापना कर शृंगार, भोग एवं आरती सम्पन्न की। मंदिर के पट खुलते ही प्रथम दर्शन के लिए भक्तों की लंबी कतारें लग गईं। यज्ञशाला में मंत्रोच्चार के बीच हवन की पूर्णाहुति दी गई। दोपहर में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए आईपंथ के धर्मगुरु दीवान माधवसिंह ने कहा कि माता के स्थापित भैल रथ के माध्यम से हमारी परंपराओं को सहेज कर रखना आवश्यक है। उन्होंने समाजजनों से आह्वान किया कि इस रथ को अपने-अपने स्थानों पर दर्शनार्थ अवश्य ले जाएं तथा इसकी महत्ता से सभी को अवगत कराएं। उन्होंने कहा कि यह माता का चलता-फिरता मंदिर है और आईपंथ के प्रचार-प्रसार में इसकी अहम भूमिका है। धर्मगुरु ने कहा कि आईपंथ माता के बताए मार्ग पर अग्रसर है और दीवान परंपरा को दिए गए मार्गदर्शन के अनुसार समाज में दिखावा छोड़ सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर सीरवी समाज होसकोटे की ओर से संस्था के अध्यक्ष कानाराम परिहारिया, सचिव विंजाराम पंवार, उपाध्यक्ष विंजाराम आगलेचा, सहसचिव दिलीप गहलोत, कोषाध्यक्ष भीयाराम गहलोत, सह-कोषाध्यक्ष गोपालराम पंवार, मीडिया प्रभारी रमेश परिहारिया, महामंत्री भूडाराम, मंत्री लाबुराम, पूर्व अध्यक्ष हापुराम राठौड़, पूर्व सचिव महेंद्र राठौड़, चेनाराम बर्फा, सेराराम आगलेचा, राजू लचेटा (सूलीबेले), ओमप्रकाश चोयल, भंवरलाल परिहार, प्रभुराम, गोपालसिंह राठौड़, हीराराम चोयल, रमेश राठौड़ के नेतृत्व में सम्पूर्ण कार्यकारिणी ने धर्मगुरु का माला, साफा एवं नजराना भेंट कर सम्मान किया।कार्यक्रम में क्षेत्रीय वडेरों के पदाधिकारी, सीरवी महासभा कर्नाटक के पदाधिकारी, लाभार्थी परिवार एवं प्रतिष्ठा में सहयोग देने वाले नवयुवक मंडल, गैर मंडल एवं महिला मंडलों का भी सम्मान किया गया। धर्मगुरु दीवान एवं कार्यकारिणी द्वारा कथा वाचक संत अमृत महाराज तथा पंडित वी.एच. विनोद दीक्षित का सम्मान किया गया।

अतिथि के रूप में सीरवी महासभा तमिलनाडु के अध्यक्ष आर.बी. चौधरी, सीरवी महासभा कर्नाटक प्रांत के अध्यक्ष बाबूलाल परिहार, सचिव अमरचंद सानपुरा, कोषाध्यक्ष पोकरराम राठौड़, पूर्व सचिव वीरमराम सोलंकी एवं भाजपा युवा नेता सुनील सीरवी का भी सम्मान किया गया।मंदिर की आकर्षक सजावट में बलेपेट सांस्कृतिक समिति के अध्यक्ष कमलकिशोर काग, सुरेश लचेटा एवं नानकराम परिहार का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का मंच संचालन मोहन सीरवी एवं प्रेम सीरवी (सूरत) ने किया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.